हकेंवि के 'प्रयास कार्यक्रम' से विद्यार्थी करेंगे नेट/जेआरएफ/गेट परीक्षाओं की तैयारी : वीसी

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

विद्यार्थियों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट)/जेआरएफ/गेट सरीखी प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने के उद्देश्य से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के शिक्षकों ने 'प्रयास' नामक कार्यक्रम की शुरूआत की है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत लाइफ साइंस विषय के शिक्षक विद्यार्थियों को निर्धारित शिक्षण कार्य के अलावा उनके शैक्षणिक विकास हेतु विशेष शिक्षण-प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराएंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से विद्यार्थी लाभांवित होंगे और उनकी शैक्षणिक क्षमताओं का विकास संभव होगा। कुलपति ने इस अवसर पर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु 'अभ्यास' (औद्योगिक प्रशिक्षण) व 'वार्ता' (विशेषज्ञ व्याख्यान) नामक दो अन्य प्रयासों का भी उल्लेख किया और कहा कि इनका लाभ भी विद्यार्थियों को जल्द प्रदान किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार ने प्रयास कार्यक्रम के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि इस कोशिश के पीछे का मूल उद्देश्य प्रतिभाओं को पहचानना और उन्हें सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि 'प्रयास' कार्यक्रम ऐसा ही एक कदम है जिसके माध्यम से विश्वविद्यालय के शिक्षक स्वेच्छा से विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु तैयारी में मदद करेंगे।

उन्होंने कहा कि इस प्रयास की मदद से विश्वविद्यालय को भी राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक में बेहतर प्रदर्शन का अवसर प्रदान होगा। 'प्रयास' कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों की शैक्षणिक व औद्योगिक रुचियों को ध्यान में रखते हुए उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में प्रो. पवन कुमार मौर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

CUH HOLDS CONVOCATION

Mahendragarh: The Central University of Haryana (CUH) organised its 8th convocation in which Governor Bandaru Dattatraya was the chief guest while National Board of Accreditation Chairman Prof KK Aggarwal was present on the occasion as the guest of honour. Vice-Chancellor Prof Tankeswar Kumar informed 1,078 students were awarded degrees of PhD, MPhil, postgraduate and undergraduate courses. Among them were 604 boys and 474 girls.

'टीवी पर कक्षाएं, सही समय पर लिया गया फैसला'

बजट में प्री स्कूल से लेकर उच्चतर शिक्षा तक बदलाव की बात कही, एक कक्षा-एक टीवी चैनल पर होगी पढ़ाई

प्रदीप शर्मा

नारनौल। कोरोना की वजह में शिक्षा में बहुत बड़ा बदलाव आ रहा है। देश में अब स्कूल की कक्षा टीवी चैनल पर लगेंगे और विश्वविद्यालय मोबाइल या लैपटॉप पर होगा। इसकी मंगलवार को बजट में घोषणा की गई थी। शिक्षा से जुड़े लोगों ने सही समय पर उठाया गया कदम बताया है।

बजट में प्री स्कूल से लेकर उच्चतर शिक्षा तक में बदलाव की बात कही गई है। देश में डिजिटल विश्वविद्यालय की स्थापना का एलान हुआ है। साथ ही एक कक्षा-एक टीवी चैनल पर पढ़ाई की बात भी की गई है। दो साल में कोरोना काल में डिजिटल प्लेटफॉर्म आई शिक्षा की गाड़ी अब रफ्तार पकड़ेगी। आम बजट में हुई घोषाणाएं युवाओं की दुनिया में बड़ा बदलाव लाएगी।

कोरोना के कारण बंद हुए स्कूलों के कारण शिक्षा के क्षेत्र में काफी नुकसान हुआ है। इसकी भरपाई के लिए बजट में डिजिटल एजुकेशन (शिक्षा) पर विशेष ध्यान दिया गया। प्रधानमंत्री ई-विद्या योजना के तहत एक चैनल एक क्लास योजना को 12 से 200 टीवी चैनल तक बढ़ाया जाएगा। इस पर पहली से 12वीं तक की कक्षा के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की व्यवस्था की जाएगी।

टीवी, मोबाइल और रेडियो के माध्यम से सभी क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षा मुहैया कराई जाएगी। बजट में देश के छात्रों को वैश्विक स्तर की सरल और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए सरकार एक डिजिटल विश्वविद्यालय की स्थापना भी करेगी। यह विश्वविद्यालय आईएसटीई स्टैंडर्ड का होगा। शिक्षा की इस नई व्यवस्था को शिक्षाविद, शिक्षक और विद्यार्थी को नया आयाम देने वाला बता रहे हैं। उनका कहना है कि डिजिटल विश्वविद्यालय से युवाओं की जिंदगी में बड़ा बदलाव आएगा। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आउटरीच बढ़ाने में भी कामयाबी मिलेगी। पढ़ाई के दौरान बाहर रहने की खर्चों में भी राहत मिलेगी।

70 हजार बच्चों को मिलेगी मॉडर्न केंद्रों पर सुविधाएं : वित्त् मंत्री निर्मला सीतारमण ने आंगनबाड़ी केंद्र मॉडर्न करने की घोषणा की है। यानी पुरानी आंगनबाड़ी को अपग्रेड किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग की डीपीओ संगीता यादव का कहना है कि इससे यहां आने वाले बच्चों के लिए सुविधाएं बढ़ेंगी जिले में 1201 केंद्र हैं जहां पर सभी आयु वर्ग के 69576 बच्चे और सैकड़ों गर्भवती महिलाएं पंजीकृत हैं। वर्तमान में हालात यह है कि 58 केंद्रों पर वर्कर्स और 132 केंद्रों पर हेल्पर्स के पद खाली है। आंगनबाड़ी वर्कर्स युनियन की प्रधान कृष्णा देवी का कहना है कि सरकार को वेतन बढ़ोतरी और खाली पदों को भी भरना चाहिए। तभी केंद्रों को मॉडर्न होने का फायदा मिलेगा। (संवाद)

ऑनलाइन पढ़ाई करती छात्राएं। संवाद

एक लाख विद्यार्थियों के लिए ट्यूशन की तरह काम करेंगे टीवी चैनल

प्रधानमंत्री ई-विद्या योजना के तहत एक चैनल एक कक्षा योजना शुरू होगी। इसके तहत 200-ई विद्या टीवी चैनल शुरू किए जाएंगे। इस योजना का लाभ उठाकर कक्षा पहली से 12वीं तक के बच्चे ऑनलाइन पढ़ सकेंगे। साथ ही बच्चों को क्षेत्रीय भाषा में भी शिक्षा सुविधा मुहैया करवाई जाएगी। जिले में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के 750 और सीबीएसई के 85 स्कूलों को मिलाकर लगभग 815 स्कूल हैं। इन स्कूलों में लगभग एक लाख विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। जिला शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त और जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी बिजेंद्र श्योराण का कहना है कि इस व्यवस्था में पढ़ाई आसान होगी। टीवी चैनल ट्यूशन की तरह काम करेंगे।

आज का युग डिजिटल युग है। युग के अनुसार ही केंद्र सरकार डिजिटल विश्वविद्यालय स्थापित करने का फैसला लिया है। इससे उन बच्चों को फायदा मिलेगा जो बाहर जाकर पैसे लगाकर नहीं पढ़ सकते। सरकार ने यह बहुत शानदार फैसला लिया है। **- श्वेता, छात्रा, एमएससी जियोलॉजी।**

कोरोना में बहुत से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। डिजिटल शिक्षा होने से विद्यार्थियों की इस प्रकार की पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी। आगे सभी कार्य डिजिटल हो रहे तो उसके साथ शिक्षा भी जरूरी है। निश्चित रूप से सरकार का यह सराहनीय कदम है। **-प्रियंका, छात्रा, एमएससी भूगोल।**

देश में आज भी बहुत से लोग डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में नहीं पढ़ पाते। जो विद्यार्थी संसाधनों के अभाव में फिजिकल क्लास नहीं ले पाते, उनको फायदा मिलेगा। देश का ग्रोथ इनरॉलमेंट रेसों बढ़ेगा। देश में अब भी विज्ञान भारती, विज्ञान प्रभा, आईआईटी ने भी एपीटीएल के तहत प्लेट फॉर्म बना रखा है। यह एक सराहनीय कदम है। **-रंजन अनेजा, प्रोफेसर।**

स्कूल बंद होने की वजह से सभी विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। बच्चों ने अपनी स्कूली शिक्षा के दो साल घर में ही बिता दिए हैं। सरकार ने डिजिटल शिक्षा शुरू करने की जो पहल कर रही है वो बहुत अच्छी बात है। इससे विद्यार्थियों को अवश्य फायदा होगा। **-ईशा, छात्रा, एमएससी जियोलॉजी।**

सही समय पर लिया गया निर्णय

कोरोना के कारण दुनिया में ऑनलाइन शिक्षण पर फोकस बढ़ा। कई दिशों में डिजिटल विश्वविद्यालय का पेटर्न पहले सेही चल रहा है। हमारे देश को भी इसकी जरूरत है। सरकार ने सही समय पर यह निर्णय लिया है। आने वाले दिनों में इसके कई सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। **-डॉ. चंद्रमोहन, एसो. प्रोफेसर, भूगोल, राजकीय पीजी कॉलेज, नारनौल।**

डिस्टेंस पढ़ाने करवाने वाले विद्यार्थियों को मिलेगा फायदा

सरकार की पहल बहुत अच्छी पहल है। पैसों के अभाव में कई विद्यार्थी काम करते करते डिस्टेंस से पढ़ाई करते हैं जो केवल तीन वर्ष में मुश्किल से तीन चार पर कॉलेज जाते हैं, उनको पढ़ाने वाला भी कोई नहीं होता। डिजिटल पढ़ाई से ऐसे विद्यार्थियों को बहुत फायदा होगा। विद्यार्थी ऑनलाइन क्लास ले सकेगा जिससे उसका ज्ञान भी बढ़ेगा। **सारिका शर्मा, रजिस्ट्रार, हकेंविवि, महेंद्रगढ़।**

पुरातत्व के संवर्द्धन में हकेंवि देगा योगदान

महेंद्रगढ़। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को देश के 30 संस्थानों की उस सूची में शामिल किया है, जोकि पुरातत्व एवं विरासत से संबद्ध विभिन्न गतिविधियों को संचालित करने के लिए अधिसूचित है। विश्वविद्यालय का इतिहास एवं पुरातत्व विभाग इस कार्य को करेगा। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इसे विश्वविद्यालय के लिए एक विशिष्ट उपलब्धि बताते हुए भारत सरकार का धन्यवाद किया। कुलपति ने बताया कि संस्कृति मंत्रालय से अधिसूचित होने के बाद विश्वविद्यालय प्राचीन स्मारकों एवं पुरातात्विक अवशेषों के संबंध में नियमन एवं संचालन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अपना योगदान दे सकेगा। डॉ. सिंह ने बताया कि इससे पहले भी विभाग भिवानी जिले के तिगड़ाना स्थान से हड़प्पा कालीन अवशेषों को खुदाई कर प्राप्त किया था। संवाद

हकेंवि एबीवीपी इकाई ने सैन्य विज्ञान विषय को परास्नातक सत्र पर शुरू करने की मांग की

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई ने सैन्य विज्ञान विषय को परास्नातक सत्र पर इसी सत्र से शुरू करने की मांग उठाई। विद्यार्थी परिषद विश्वविद्यालय के कार्यकर्ताओं ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को ज्ञापन सौंपा। अभाविप महेंद्रगढ़ के जिला संयोजक कर्मपाल यादव ने बताया कि पश्चिमी देशों की तरह छात्र जीवन से ही राष्ट्रीय सुरक्षा और चुनौतियों से अवगत करवाया जाए। सैन्य विज्ञान विषय को 5 वर्षीय एलएलबी व एनसीसी पाठ्यक्रम में ऐच्छिक विषय के तौर पर शामिल किया गया हैं। जिससे इस विषय में रोजगार के ओर अधिक अवसर बढ़ गए हैं। इस विषय मे रुचि होने के कारण परास्नातक की पढ़ाई के लिए जिले मे विश्वविद्यालय होते हुए भी क्षेत्र के विद्यार्थियों को रोहतक, कुरुक्षेत्र, दिल्ली या पंजाब की ओर रुख करना पड़ता है जिसके कारण कुछ छात्र और छात्राओं को अपने सपने तोड़ने पड़ते है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय मे सैन्य विज्ञान विभाग खुलना चाहिए ताकि क्षेत्र के विद्यार्थी रक्षा सेवाओं में और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र मे अपना अधिक से अधिक योगदान दे सके। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने अभाविप को आश्वासन दिया कि वह नया कोर्स प्रारंभ करने का पूरा प्रयास करेंगे। इस अवसर पर जिला संगठन मंत्री राकेश हाथो, विश्वविद्यालय इकाई मंत्री तनीषा शर्मा, विश्वविद्यालय इकाई उपाध्यक्ष संजीत कुमार, विश्वविद्यालय इकाई सहमंत्री सौरभ बड़वाल आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुरातत्त्व और विरासत से संबंधित विभिन्न गतिविधियां चलाएगा हकेंवि

महेंद्रगढ़ | संस्कृति मंत्रालय द्वारा केविवि महेंद्रगढ़ को देश के 30 संस्थानों की उस सूची में शामिल किया है, जो कि पुरातत्त्व एवं विरासत से संबद्ध विभिन्न गतिविधियों को संचालित करने हेतु अधिसूचित है। विश्वविद्यालय का इतिहास एवं पुरातत्व विभाग इस कार्य को करेगा। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इसे विश्वविद्यालय के लिए एक विशिष्ट उपलब्धि बताते हुए भारत सरकार का धन्यवाद ज्ञापित किया और इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग के शिक्षकों द्वारा इस दिशा में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि संस्कृति मंत्रालय से अधिसूचित होने के बाद विश्वविद्यालय प्राचीन स्मारकों एवं पुरातात्विक अवशेषों के संबंध में नियमन एवं संचालन हेतु राष्ट्रीय स्तर पर अपना योगदान दे सकेगा। विश्वविद्यालय को मिली इस उपलब्धि के बारे जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग के प्रभारी डॉ. नरेंद्र सिंह ने बताया कि विभाग को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा देश के प्रमुख संस्थानों में शामिल किया गया है, जो पुरातत्व और विरासत से संबद्ध विभिन्न गतिविधियों का संचालन करेगा। इस हेतु हेतु भारत सरकार ने गजट नोटिफिकेशन के माध्यम से देश की 30 संस्थाओं का चयन किया गया, जिसमें हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय का इतिहास एवं पुरातत्व विभाग भी शामिल है।

TRAINING FOR COMPETITIVE EXAMS

Mahendragarh: The Central University of Haryana has started a programme titled 'Prayas' in order to impart special training to the students for competitive examinations like National Eligibility Test (life sciences)/JRF/GATE. Vice Chancellor Prof Tankeswar Kumar said it would help the students to develop their academic abilities for making their career bright.

हकेंवि में प्रोबायोटिक्स विषय पर कार्यशाला शुरू

महेंद्रगढ़ | केंद्रीय विश्वविद्यालय में सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की ओर सोमवार को प्रोबायोटिक्स विषय पर केंद्रित पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। प्रोबायोटिक एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा प्रायोजित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिरक्षा बनाए रखने में भारत के पारम्परिक खाद्य पदार्थों के महत्त्व पर प्रकाश डाला। वहीं डॉ. जेबी प्रजापति व डॉ. प्रकाश हलामी विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. प्रजापति ने शोध विद्वानों को प्रोबायोटिक विज्ञान में अनुसंधान के विभिन्न तरीकों से अवगत कराया। इसी क्रम में डॉ. प्रकाश हलामी ने प्रोबायोटिक्स संस्कृतियों की विशिष्ट गतिविधियों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र कुमार ने दिया। कार्यशाला में प्रो. पवन कुमार मौर्य, डॉ. अंतरेश कुमार, डॉ. अविजीत प्रमाणिक, डॉ. पूजा यादव, डॉ. विनोद यादव व डॉ. जितेंद्र कुमार सैनी सहित उद्घाटन सत्र में विभिन्न संस्थानों के प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में अनुसंधान की गुणवत्ता पर दिया जोर

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

राष्ट्रीय शिक्षा नीति अनुसंधान में गुणवत्ता पर विशेष जोर देती है। आज के समय में अनुसंधान में विभिन्न सॉफ्टवेयर का उपयोग जिस तरह से बढ़ा है, उसे देखते हुए हम कह सकते हैं कि आने वाले समय में आधुनिक बदलावों के बीच अनुसंधान की गुणवत्ता में उल्लेखनीय परिवर्तन नजर जाएंगे। युवा पीढ़ी के लिए आवश्यक है कि वे इन बदलावों को समझें और उनके अनुरूप शोध व अनुसंधान कार्य को पूर्ण करें। ये विचार हकेंवि, महेंद्रगढ़ के कुलपति ने सोमवार को विश्वविद्यालय की शिक्षा पीठ द्वारा आयोजित 7 दिवसीय कार्यशाला के शुभारंभ के अवसर पर व्यक्त किए। इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में विशेषज्ञ के रूप में जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय के प्रो. एस. श्रीनिवास राव उपस्थित रहे। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि हमें अब ऐसे अच्छे शोध कार्यों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जिनका संबंध सामाजिक विषयों व समाज के समक्ष उपस्थित चुनौतियों से हो। कुलपति ने अपने संबोधन में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में समाज व जनउपयोगी शोध कार्यों की महत्ता पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों को इसके लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. एस. श्रीनिवास राव ने शैक्षणिक अनुसंधानों के संदर्भ में आंकड़ों के महत्त्व पर प्रकाश डाला और साथ ही साथ अनुसंधान में धैर्य, भागीदारी व अवलोकन केंद्रित दृष्टिकोण के महत्त्व से अवगत कराया। कार्यशाला में सहआचार्य डॉ. दिनेश चहल, सहायक आचार्य डॉ. रेनु यादव सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 72 विद्वान व शिक्षक ऑनलाइन तथा ऑफलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

किसी देश के विकास के लिए नवाचार अनिवार्य : कुलपति

हकेंवि में मौलिक संपदा अधिकार पर केंद्रित ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। (फाइल फोटो)

महेंद्रगढ़। किसी भी देश के विकास के लिए नवाचार का अपना महत्व होता है। नवाचार निरंतर जारी रहने वाली ऐसी प्रक्रिया है, जो एक-दूसरे से जुड़ी होती है। इसलिए आवश्यक है कि इस दिशा में विशेषज्ञ निरंतर प्रयासरत रहें। जहां तक बात शिक्षण संस्थानों की है तो यह हमेशा से ही नवाचार का केंद्र होते हैं।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन (सीआईआई) द्वारा मंगलवार को आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में कही। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी मैनेजमेंट के डॉ. भरत एन सूर्यवंशी मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन व राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी मैनेजमेंट नागपुर के सहयोग से राष्ट्रीय मौलिक संपदा जागरूकता अभियान के तहत आयोजित कार्यशाला का विषय इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स (आईपीआर) पेटेंट एंड डिजाइन प्रोसेस रहा।विश्वविद्यालय के कुलपति ने नवाचार को एक निरंतर जारी रहने वाली प्रक्रिया बताया। कम्युनिकेशन के क्षेत्र में लगातार जारी नई-नई खोजों का उल्लेख करते हुए इसके महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि हर खोज एक लक्षित उद्देश्य को प्राप्त करने में मददगार होती है और इसमें विशेष प्रयास लगते हैं। विश्वविद्यालय व शिक्षण संस्थान मुख्य रूप से शोध व अनुसंधान का ही केंद्र है और यहां कार्यरत शिक्षक न सिर्फ अनुसंधान कार्य को अंजाम देते हैं, बल्कि विद्यार्थियों को भी इस दिशा में बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

सीआईआई की समन्वयक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सेंटर द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों की जानकारी देते हुए बताया कि सेंटर किस तरह से विश्वविद्यालय स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत हैं। कार्यक्रम के विशेषज्ञ वक्ता असिस्टेंट कंट्रोलर ऑफ पेटेंट्स एंड डिजाइन डॉ. भरत एन सूर्यवंशी ने विस्तार से पेटेंट संबंधी विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी। डॉ. सूर्यवंशी ने पेटेंट महत्व और उससे जुड़े विभिन्न तकनीकी पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

विकास के लिए नवाचार अनिवार्य : टंकेश्वर

हकेंवि में मौलिक संपदा अधिकार पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित की गई

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : किसी भी देश के विकास के लिए नवाचार का महत्व सदैव ही अहम रहा है। नवाचार निरंतर जारी रहने वाली ऐसी प्रक्रिया है, जोकि एक-दूसरे से जुड़ी रहती है। इसलिए आवश्यक है कि इस दिशा में विशेषज्ञ निरंतर प्रयासरत रहें। जहां तक बात शिक्षण संस्थानों की है तो यह हमेशा से ही नवाचार को केंद्र रही हैं। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन (सीआईआई) द्वारा मंगलवार को आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इंटलेक्चुअल प्रापर्टी मैनेजमेंट के डा. भरत एन सूर्यवंशी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन व राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इंटलेक्चुअल प्रापर्टी मैनेजमेंट, नागपुर के सहयोग से राष्ट्रीय मौलिक संपदा जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यशाला का विषय इंटलेक्चुअल प्रापर्टी राइट्स (आईपीआर) पेटेंट एंड डिजाइन प्रोसेस रहा। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति ने नवाचार को एक निरंतर जारी रहने वाली प्रक्रिया बताया । उन्होंने कहा कि हर खोज एक लक्षित उद्देश्य को प्राप्त करने में मददगार होती है और इसमें विशेष प्रयास लगते हैं। कुलपति ने इस मौके पर सीआइआइ के प्रयासों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अपने आइडिया के विकास में मदद मिलेगी। इससे पूर्व सीआईआई की समन्वयक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सेंटर के द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों की जानकारी दी और बताया कि सेंटर किस तरह से विश्वविद्यालय स्तर पर नवाचार व नवोन्मेषन को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। कार्यक्रम के विशेषज्ञ वक्ता असिसटेंट कंट्रोलर ऑफ पेटेंट्स एंड डिजाइन डा. भरत एन सूर्यवंशी ने अपने संबोधन में विस्तार से पेटेंट संबंधी विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पेटेंट कितने प्रकार के होते हैं और उनकी समयावधि व विस्तार की प्रक्रिया क्या होती है। डा. सूर्यवंशी ने अपने संबोधन में पेटेंट के महत्व और उससे जुड़े विभिन्न तकनीकी पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। विवि कुलपति का परिचय डा. सूरज आर्य ने तथा विशेषज्ञ वक्ता का परिचय प्रो. पवन मौर्य ने प्रतिभागियों से कराया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डा. अनूप यादव ने दिया। कार्यक्रम के आयोजन में श्री सुनील अग्रवाल ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। कार्यक्रम में विवि की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी आनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित आनलाइन कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार (बाईं ओर के पहले कालम में बीच में) ● सौ. प्रवक्ता

हकेंवि में मौलिक सम्पदा अधिकार पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित

विकास के लिए नवाचार अनिवार्य

कम्यूनिकेशन के क्षेत्र में लगातार जारी नई-नई खोजों का उल्लेख किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ

महेंद्रगढ । केंद्रीय विवि की ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

किसी भी देश के विकास के लिए नवाचार का महत्व सदैव ही अहम रहा है। नवाचार निरंतर जारी रहने वाली ऐसी प्रक्रिया है, जोकि एक-दूसरे से जुड़ी रहती है। इसलिए आवश्यक है कि इस दिशा में विशेषज्ञ निरंतर प्रयासरत रहें। जहां तक बात शिक्षण संस्थानों की है तो यह हमेशा से ही नवाचार को केंद्र रही है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन (सीआईआई) द्वारा मंगलवार को आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी मैनेजमेंट के डॉ. भरत एन सूर्यवंशी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन व राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी मैनेजमेंट, नागपुर के सहयोग से राष्ट्रीय मौलिक सम्पदा जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यशाला का विषय इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट्स (आईपीआर): पेटेंट एंड डिजाइन प्रोसेस रहा। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विवि कुलपति ने नवाचार को एक निरंतर जारी रहने वाली प्रक्रिया बताया और कम्यूनिकेशन के क्षेत्र में लगातार जारी नई-नई खोजों का उल्लेख करते हुए इसके महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि हर खोज एक लक्षित उद्देश्य को प्राप्त करने में मददगार होती है और इसमें विशेष प्रयास लगते हैं। कार्यक्रम के विशेषज्ञ वक्ता असिसटेंट कंट्रोलर ऑफ पेटेंट्स एंड डिजाइन डॉ. भरत एन सूर्यवंशी ने अपने संबोधन में विस्तार से पेटेंट संबंधी विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पेटेंट कितने प्रकार के होते हैं और उनकी समयावधि व विस्तार की प्रक्रिया क्या होती है। डॉ. सूर्यवंशी ने अपने संबोधन में पेटेंट के महत्व और उससे जुड़े विभिन्न तकनीकी पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

छात्रों को अपने आइडिया के विकास में मदद मिलेगी

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय व शिक्षण संस्थान मुख्य रूप से शोध व अनुसंधान का ही केंद्र है और यहां कार्यरत शिक्षक न सिर्फ अनुसंधान कार्य को अंजाम देते हैं, बल्कि विद्यार्थियों को भी इस दिशा में बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। वीसी ने सीआईआई के प्रयासों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अपने आइडिया के विकास में मदद मिलेगी। इससे पूर्व सीआईआईकी समन्वयक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने केंद्र द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों की जानकारी दी और बताया कि सेंटर किस तरह विवि स्तर पर नवाचार व नवोन्मेषन को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Online workshop on Intellectual Property Rights : Patent & Designs Process

Newspaper: Amar Ujala **Date: 09-02-2022**

किसी देश के विकास के लिए नवाचार अनिवार्य : कुलपति

हकेंवि में मौलिक संपदा अधिकार पर केंद्रित ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। किसी भी देश के विकास के लिए नवाचार का अपना महत्व होता है। नवाचार निरंतर जारी रहने वाली ऐसी प्रक्रिया है, जो एक-दूसरे से जुड़ी होती है। इसलिए आवश्यक है कि इस दिशा में विशेषज्ञ निरंतर प्रयासरत रहें। जहां तक बात शिक्षण संस्थानों की है तो यह हमेशा से ही नवाचार का केंद्र होते हैं।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन (सीआईआई) द्वारा मंगलवार को आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में कही। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी मैनेजमेंट के डॉ. भरत एन सूर्यवंशी मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन व राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी मैनेजमेंट नागपुर के सहयोग से राष्ट्रीय मौलिक संपदा जागरूकता अभियान के तहत आयोजित कार्यशाला का विषय इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स (आईपीआर) पेटेंट एंड डिजाइन प्रोसेस रहा।विश्वविद्यालय के कुलपति ने नवाचार को एक निरंतर जारी रहने वाली प्रक्रिया बताया। कम्युनिकेशन के क्षेत्र में लगातार जारी नई-नई खोजों का उल्लेख करते हुए इसके महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। (फाइल फोटो)

उन्होंने कहा कि हर खोज एक लक्षित उद्देश्य को प्राप्त करने में मददगार होती है और इसमें विशेष प्रयास लगते हैं। विश्वविद्यालय व शिक्षण संस्थान मुख्य रूप से शोध व अनुसंधान का ही केंद्र है और यहां कार्यरत शिक्षक न सिर्फ अनुसंधान कार्य को अंजाम देते हैं, बल्कि विद्यार्थियों को भी इस दिशा में बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

सीआईआई की समन्वयक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सेंटर द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों की जानकारी देते हुए बताया कि सेंटर किस तरह से विश्वविद्यालय स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत हैं। कार्यक्रम के विशेषज्ञ वक्ता असिस्टेंट कंट्रोलर ऑफ पेटेंट्स एंड डिजाइन डॉ. भरत एन सूर्यवंशी ने विस्तार से पेटेंट संबंधी विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी। डॉ. सूर्यवंशी ने पेटेंट महत्व और उससे जुड़े विभिन्न तकनीकी पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

विकास के लिए नवाचार अनिवार्य : टंकेश्वर

हकेंवि में मौलिक संपदा अधिकार पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित की गई

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : किसी भी देश के विकास के लिए नवाचार का महत्व सदैव ही अहम रहा है। नवाचार निरंतर जारी रहने वाली ऐसी प्रक्रिया है, जोकि एक-दूसरे से जुड़ी रहती है। इसलिए आवश्यक है कि इस दिशा में विशेषज्ञ निरंतर प्रयासरत रहें। जहां तक बात शिक्षण संस्थानों की है तो यह हमेशा से ही नवाचार को केंद्र रही हैं। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन (सीआईआई) द्वारा मंगलवार को आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इंटलेक्चुअल प्रापर्टी मैनेजमेंट के डा. भरत एन सूर्यवंशी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन व राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इंटलेक्चुअल प्रापर्टी मैनेजमेंट, नागपुर के सहयोग से राष्ट्रीय मौलिक संपदा जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यशाला का विषय इंटलेक्चुअल प्रापर्टी राइट्स (आईपीआर) पेटेंट एंड डिजाइन प्रोसेस रहा। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति ने नवाचार को एक निरंतर जारी रहने वाली प्रक्रिया बताया । उन्होंने कहा कि हर खोज एक लक्षित उद्देश्य को प्राप्त करने में मददगार होती है और इसमें विशेष प्रयास लगते हैं। कुलपति ने इस मौके पर सीआइआइ के प्रयासों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अपने आइडिया के विकास में मदद मिलेगी। इससे पूर्व सीआईआई की समन्वयक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सेंटर के द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों की जानकारी दी और बताया कि सेंटर किस तरह से विश्वविद्यालय स्तर पर नवाचार व नवोन्मेषन को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। कार्यक्रम के विशेषज्ञ वक्ता असिसटेंट कंट्रोलर ऑफ पेटेंट्स एंड डिजाइन डा. भरत एन सूर्यवंशी ने अपने संबोधन में विस्तार से पेटेंट संबंधी विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पेटेंट कितने प्रकार के होते हैं और उनकी समयावधि व विस्तार की प्रक्रिया क्या होती है। डा. सूर्यवंशी ने अपने संबोधन में पेटेंट के महत्व और उससे जुड़े विभिन्न तकनीकी पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। विवि कुलपति का परिचय डा. सूरज आर्य ने तथा विशेषज्ञ वक्ता का परिचय प्रो. पवन मौर्य ने प्रतिभागियों से कराया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डा. अनूप यादव ने दिया। कार्यक्रम के आयोजन में श्री सुनील अग्रवाल ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। कार्यक्रम में विवि की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी आनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित आनलाइन कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार (बाईं ओर के पहले कालम में बीच में) ● सौ. प्रवक्ता

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 09-02-2022**

हकेंवि में मौलिक सम्पदा अधिकार पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित

विकास के लिए नवाचार अनिवार्य

कम्यूनिकेशन के क्षेत्र में लगातार जारी नई-नई खोजों का उल्लेख किया

हरिभूमि न्यूज ▸▸| महेंद्रगढ़

किसी भी देश के विकास के लिए नवाचार का महत्व सदैव ही अहम रहा है। नवाचार निरंतर जारी रहने वाली ऐसी प्रक्रिया है, जोकि एक-दूसरे से जुड़ी रहती है। इसलिए आवश्यक है कि इस दिशा में विशेषज्ञ निरंतर प्रयासरत रहें। जहां तक बात शिक्षण संस्थानों की है तो यह हमेशा से ही नवाचार को केंद्र रही है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन (सीआईआई) द्वारा मंगलवार को आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी मैनेजमेंट के डॉ. भरत एन सूर्यवंशी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन व राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी मैनेजमेंट, नागपुर के सहयोग से राष्ट्रीय मौलिक सम्पदा जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यशाला का विषय इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट्स (आईपीआर): पेटेंट एंड डिजाइन प्रोसेस रहा। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विवि कुलपति ने नवाचार को एक निरंतर जारी रहने वाली प्रक्रिया बताया और कम्यूनिकेशन के क्षेत्र में लगातार जारी नई-नई खोजों का उल्लेख करते हुए इसके महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि हर खोज एक लक्षित उद्देश्य को प्राप्त करने में मददगार होती है और इसमें विशेष प्रयास लगते हैं। कार्यक्रम के विशेषज्ञ वक्ता असिसटेंट कंट्रोलर ऑफ पेटेंट्स एंड डिजाइन डॉ. भरत एन सूर्यवंशी ने अपने संबोधन में विस्तार से पेटेंट संबंधी विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पेटेंट कितने प्रकार के होते हैं और उनकी समयावधि व विस्तार की प्रक्रिया क्या होती है। डॉ. सूर्यवंशी ने अपने संबोधन में पेटेंट के महत्व और उससे जुड़े विभिन्न तकनीकी पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

महेंद्रगढ़। केंद्रीय विवि की ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

छात्रों को अपने आइडिया के विकास में मदद मिलेगी

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय व शिक्षण संस्थान मुख्य रूप से शोध व अनुसंधान का ही केंद्र है और यहां कार्यरत शिक्षक न सिर्फ अनुसंधान कार्य को अंजाम देते हैं, बल्कि विद्यार्थियों को भी इस दिशा में बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। वीसी ने सीआईआई के प्रयासों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अपने आइडिया के विकास में मदद मिलेगी। इससे पूर्व सीआईआईकी समन्वयक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने केंद्र द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों की जानकारी दी और बताया कि सेंटर किस तरह विवि स्तर पर नवाचार व नवोन्मेषन को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 09-02-2022**

देश के विकास के लिए नवाचार का अहम महत्व: प्रो. टंकेश्वर कुमार

ह.कें.वि. में मौलिक सम्पदा अधिकार पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़, 8 फरवरी (परमजीत, मोहन): किसी भी देश के विकास के लिए नवाचार का महत्व सदैव ही अहम रहा है। नवाचार निरंतर जारी रहने वाली ऐसी प्रक्रिया है जोकि एक-दूसरे से जुड़ी रहती है इसलिए आवश्यक है कि इस दिशा में विशेषज्ञ निरंतर प्रयासरत रहें। जहां तक बात शिक्षण संस्थानों की है तो यह हमेशा से ही नवाचार का केंद्र रही हैं। उक्त विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सैंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन (सी.आई.आई.) द्वारा मंगलवार को आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राजीव गांधी नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटलैक्चुअल प्रॉपर्टी मैनेजमैंट के डा. भरत एन. सूर्यवंशी उपस्थित रहे।

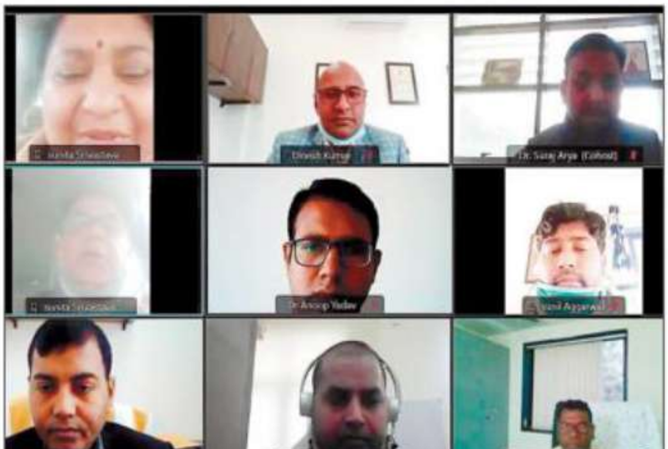

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय के सैंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन व राजीव गांधी नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटलैक्चुअल प्रॉपर्टी मैनेजमैंट, नागपुर के सहयोग से राष्ट्रीय मौलिक सम्पदा जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यशाला का विषय इंटलैक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स (आई.पी.आर.) पेटैंट एंड डिजाइन प्रोसैस रहा। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि हर खोज एक लक्षित उद्देश्य को प्राप्त करने में मददगार होती है। विश्वविद्यालय व शिक्षण संस्थान मुख्य रूप से शोध व अनुसंधान का ही केंद्र हैं और यहां कार्यरत शिक्षक न सिर्फ अनुसंधान कार्य को अंजाम देते हैं, बल्कि विद्यार्थियों को भी इस दिशा में बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। कुलपति ने इस मौके पर सी.आई.आई. के प्रयासों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अपने आइडिया के विकास में मदद मिलेगी। इससे पूर्व सी.आई.आई. की समन्वयक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सैंटर द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों की जानकारी दी और बताया कि सैंटर किस तरह से विश्वविद्यालय स्तर पर नवाचार व नवोन्मेशन को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है।

कार्यक्रम के विशेषज्ञ वक्ता असिस्टैंट कंट्रोलर ऑफ पेटैंट्स एंड डिजाइन डा. भरत एन. सूर्यवंशी ने अपने संबोधन में विस्तार से पेटैंट संबंधी विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पेटैंट कितने प्रकार के होते हैं और उनकी समयावधि व विस्तार की प्रक्रिया क्या होती है। डा. सूर्यवंशी ने अपने संबोधन में पेटैंट के महत्व और उससे जुड़े विभिन्न तकनीकी पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत करवाया। कार्यक्रम के आयोजन में सुनील अग्रवाल ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

देश के विकास के लिए नवाचार का अहम महत्वः प्रो. टंकेश्वर कुमार

ह.कें.वि. में मौलिक सम्पदा अधिकार पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़, 8 फरवरी (परमजीत, मोहन): किसी भी देश के विकास के लिए नवाचार का महत्व सदैव ही अहम रहा है। नवाचार निरंतर जारी रहने वाली ऐसी प्रक्रिया है जोकि एक-दूसरे से जुड़ी रहती है इसलिए आवश्यक है कि इस दिशा में विशेषज्ञ निरंतर प्रयासरत रहें। जहां तक बात शिक्षण संस्थानों की है तो यह हमेशा से ही नवाचार का केंद्र रही हैं। उक्त विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सैंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन (सी.आई.आई.) द्वारा मंगलवार को आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राजीव गांधी नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटलैक्चुअल प्रॉपर्टी मैनेजमैंट के डा. भरत एन. सूर्यवंशी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के सैंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन व राजीव गांधी नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटलैक्चुअल प्रॉपर्टी मैनेजमैंट,

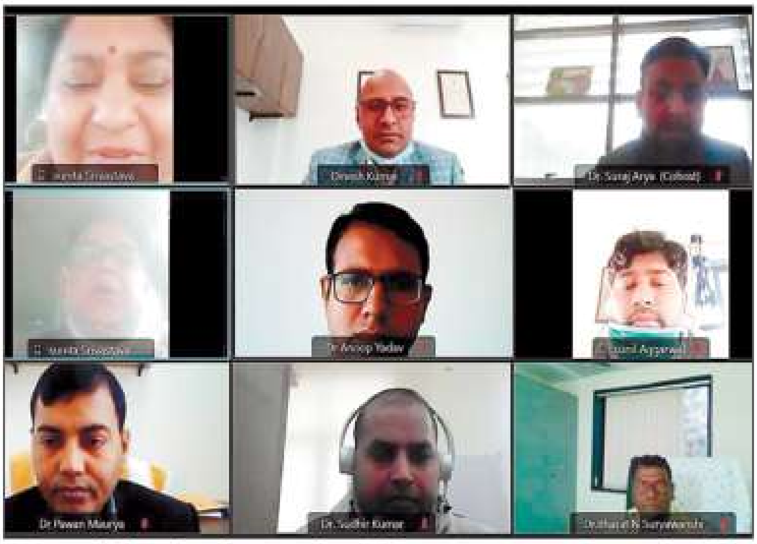

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

नागपुर के सहयोग से राष्ट्रीय मौलिक सम्पदा जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यशाला का विषय इंटलैक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स (आई.पी.आर.) पेटैंट एंड डिजाइन प्रोसैस रहा। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि हर खोज एक लक्षित उद्देश्य को प्राप्त करने में मददगार होती है। विश्वविद्यालय व शिक्षण संस्थान मुख्य रूप से शोध व अनुसंधान का ही केंद्र हैं और यहां कार्यरत शिक्षक न सिर्फ अनुसंधान कार्य को अंजाम देते हैं, बल्कि विद्यार्थियों को भी इस दिशा में बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। कुलपति ने इस मौके पर सी.आई.आई. के प्रयासों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अपने आइडिया के विकास में मदद मिलेगी। इससे पूर्व सी.आई.आई. की समन्वयक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सैंटर द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों की जानकारी दी और बताया कि सैंटर किस तरह से विश्वविद्यालय स्तर पर नवाचार व नवोन्मेशन को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है।

कार्यक्रम के विशेषज्ञ वक्ता असिस्टैंट कंट्रोलर ऑफ पेटैंट्स एंड डिजाइन डा. भरत एन. सूर्यवंशी ने अपने संबोधन में विस्तार से पेटैंट संबंधी विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पेटैंट कितने प्रकार के होते हैं और उनकी समयावधि व विस्तार की प्रक्रिया क्या होती है। डा. सूर्यवंशी ने अपने संबोधन में पेटैंट के महत्व और उससे जुड़े विभिन्न तकनीकी पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत करवाया। कार्यक्रम के आयोजन में सुनील अग्रवाल ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

वेबिनार

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित वेबिनार में बोले कुलपति

नवाचार से कृषि में आएगी गुणात्मक प्रगति

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। कृषि क्षेत्र के विकास में गुणात्मक वृद्धि के लिए आवश्यक है कि हम इस क्षेत्र के लिए उपयोगी नवाचार को बढ़ावा दें और जमीनी स्तर पर प्रौद्योगिकी का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित करें।

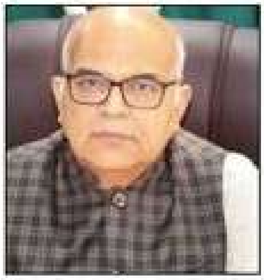

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

कृषि व इससे संबंध क्षेत्रों के विकास से देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ता प्रदान की जा सकती है। आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में कृषि व इससे संबंधित क्षेत्रों का योगदान महत्वपूर्ण है। इस दिशा में अब नए शोध व तकनीकी विकास की प्रक्रिया को प्रोत्साहन देते हुए आगे बढ़ाना होगा और इस कार्य में शिक्षण संस्थानों व उद्योग जगत के बीच आपसी साझेदारी निर्णायक भूमिका निभा सकती है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन सेल (सीआईआईसी), डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

सीआईआईसी की कन्वीनर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सेंटर के माध्यम से नवाचार के विकास में जारी प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इसके विकास से ही हम अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर सकते हैं, जिसके लिए आवश्यक है कि हम इस क्षेत्र में नवाचार व तकनीकी स्तर पर नए बदलाव को लागू करें।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कृषि व स्वास्थ्य आज के समय में ऐसे दो प्रमुख क्षेत्र हैं, जिनमें होने वाले विभिन्न तकनीकी बदलाव, नए प्रयोगों को लागू करने की प्रक्रिया अन्य क्षेत्रों की अपेक्षाकृत तेज रहती है। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत के सहयोग से इन क्षेत्रों के विकास में उल्लेखनीय प्रयासों को अंजाम दिया जा सकता है। मुख्य अतिथि डॉ. जीआर चिंतला कहा कि कृषि क्षेत्र के विकास में नई खोज व प्रौद्योगिकी का विकास अहम भूमिका अदा कर रहा है। इस कार्य में शैक्षणिक मोर्चे पर जारी प्रयासों की जितनी सराहना करें वह कम है। इसके अलावा अन्य वक्ताओं ने अपने विचार रखे।

दैनिक भास्कर

महेंद्रगढ़ भास्कर 12-02-2022

वेबिनार • नाबार्ड के अध्यक्ष व आईआईएफपीटी के निदेशक ने किया संबोधित

नवाचार और प्रौद्योगिकी के उपयोग से कृषि क्षेत्र में होगी गुणात्मक प्रगति : प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़ | भारत में कृषि क्षेत्र के विकास में गुणात्मक वृद्धि के लिए आवश्यक है कि हम इस क्षेत्र के लिए उपयोगी नवाचार को बढ़ावा दे और जमीनी स्तर पर प्रौद्योगिकी का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित करें। कृषि व इससे संबंद्ध क्षेत्रों के विकास से देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ता प्रदान की जा सकती है। सीधे तौर पर कहें तो आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में कृषि व इससे संबंधित क्षेत्रों का योगदान महत्वपूर्ण है। इसलिए हमें इस दिशा में अब नए शोध व तकनीकी विकास की प्रक्रिया को प्रोत्साहन देते हुए आगे बढ़ाना होगा और इस कार्य में शिक्षण संस्थानों व उद्योग जगत के बीच आपसी साझेदारी निर्णायक भूमिका निभा सकती है।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय के सेंटर फोर इनोवेशन एंड इन्कयूबेशन सेल (सीआईआईसी), डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नेशनल बैंक फोर एग्रीकल्चर एंड रूलर डेवलपमेंट (नाबॉर्ड) के अध्यक्ष डॉ.जी.आर.चिंतला, विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फूड प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी (आईआईएफपीटी), तमिलनाडु के निदेशक डॉ.सी आनंधर्मकृष्णनन तथा विशेषज्ञ वक्ता के रूप में आईसीएआर-सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, भोपाल के डॉ.मनोज कुमार त्रिपाठी व जवाहर लाल नेहरू टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी काकीनाडा, आंध्र प्रदेश के डॉ.शशिकांत सारंगम उपस्थित रहें। वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. मनोज कुमार त्रिपाठी ने फूड प्रोसेसिंग सेक्टर, स्टेटस, चैलेंजेस एंड ऑपरच्युनिटीज विषय पर केंद्रित प्रस्तुति के माध्यम से इस क्षेत्र में हो रहे बदलाव व इससे जुड़ी संभावनाओं पर विचार व्यक्त किया। आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञ वक्ता डॉ.शशिकांत सारंगम ने कृषि आधारित खाद्य क्षेत्र में नवाचार व प्रौद्योगिकी के विकास पर केंद्रित विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला।

वेबिनार के अंत में रेणुका ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉ.राजेश कुमार दुबे, एनएसएस ईकाई के कोऑर्डिनेटर डॉ. दिनेश चहल, डॉ.मनीष कुमार, डॉ. मुरलीधर नायक, डॉ. तेजपाल ढेवा, इंजीनियर निशान सिंह, इंजीनियर अक्षत कांत व शिवम कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हरिभूमि

रोहतक -महेन्द्रगढ़

12 Feb 2022

हरियाणा केंद्रीय विवि के कुलपति ने सेमिनार को किया संबोधित, बोले...

नवाचार व प्रौद्योगिकी के उपयोग से कृषि क्षेत्र में होगी गुणात्मक प्रगति

मुख्य अतिथि के रूप में नाबॉर्ड के अध्यक्ष डॉ. जीआर चिंतला ने की शिरकत

महेंद्रगढ़। वेबिनार में भाग लेते केंद्रीय विवि के कुलपति टंकेश्वर एवं अन्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

भारत में कृषि क्षेत्र के विकास में गुणात्मक वृद्धि के लिए आवश्यक है कि हम इस क्षेत्र के लिए उपयोगी नवाचार को बढ़ावा दें और जमीनी स्तर पर प्रौद्योगिकी का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित करें।

कृषि व इससे संबंद्ध क्षेत्रों के विकास से देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ता प्रदान की जा सकती है। सीधे तौर पर कहें तो आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में कृषि व इससे संबंधित क्षेत्रों का योगदान महत्वपूर्ण है। इसलिए हमें इस दिशा में अब नए शोध व तकनीकी विकास की प्रक्रिया को प्रोत्साहन देते हुए आगे बढ़ाना होगा और इस कार्य में शिक्षण संस्थानों व उद्योग जगत के बीच आपसी सांझेदारी निर्णायक भूमिका निभा सकती है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर ने शुक्रवार को विवि के सेंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेल, डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नेशनल बैंक फोर एग्रीकल्चर एंड रूलर डेवलपमेंट (नाबॉर्ड) के अध्यक्ष डॉ. जीआर चिंतला, विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फूड प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी , तमिलनाडु के निदेशक डॉ. सी. आनंधर्माकृष्णनन तथा विशेषज्ञ वक्ता के रूप में आईसीएआर-सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, भोपाल के डॉ. मनोज त्रिपाठी व जवाहर लाल नेहरू टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी काकीनाड़ा आंध्र प्रदेश के डॉ. शशिकांत सारंनगम उपस्थित रहे।

नवाचार के विकास में जारी प्रयासों का उल्लेख किया

इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर इन एग्रीकल्चर एंड एलॉयड सेक्टर विषय पर केंद्रित इस राष्ट्रीय वेबिनार की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात सीआईआईसी की कन्वीनर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सेंटर के माध्यम से नवाचार के विकास में जारी प्रयासों का उल्लेख किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. जीआर चिंतला ने कहा कि कृषि क्षेत्र के विकास में नई खोज व प्रौद्योगिकी का विकास अहम भूमिका अदा कर रहा है और इस कार्य में शैक्षणिक मोर्चे पर जारी प्रयासों की जितनी सराहना करें, वह कम है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश दुबे, एनएसएस इकाई के को-ऑर्डिनेटर डॉ. दिनेश चहल, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. मुरलीधर नायक, डॉ. तेजपाल ढेवा, इंजीनियर निशान सिंह, इंजीनियर अक्षत कांत व शिवम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पंजाब केसरी
SAT, 12 FEBRUARY 2022
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 4

नवाचार व प्रौद्योगिकी के उपयोग से कृषि क्षेत्र में होगी गुणात्मक प्रगति: प्रो. टंकेश्वर कुमार

■ नाबॉर्ड के अध्यक्ष डा. जी.आर. चितला व आई.आई.एफ.पी.टी. के निदेशक डा.सी. आनंधर्माकृष्णनन ने किया संबोधित

हकेंवि में आयोजित राष्ट्रीय वैबिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़, 11 फरवरी (मोहन, परमजीत): भारत में कृषि क्षेत्र के विकास में गुणात्मक वृद्धि के लिए आवश्यक है कि हम इस क्षेत्र के लिए उपयोगी नवाचार को बढ़ावा दें और जमीनी स्तर पर प्रौद्योगिकी का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित करें।

कृषि व इससे संबद्ध क्षेत्रों के विकास से देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ता प्रदान की जा सकती है। सीधे तौर पर कहें तो आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में कृषि व इससे संबंधित क्षेत्रों का योगदान महत्वपूर्ण है। इसलिए हमें इस दिशा में अब नए शोध व तकनीकी विकास की प्रक्रिया को प्रोत्साहन देते हुए आगे बढ़ाना होगा और इस कार्य में शिक्षण संस्थानों व उद्योग जगत के बीच आपसी सांझेदारी निर्णायक भूमिका निभा सकती है।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय के सैंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सैल, डिपार्टमैंट ऑफ इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग व राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वैबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में नाबॉर्ड के अध्यक्ष डा. जी.आर. चिंतला, विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ फूड प्रोसैसिंग टैक्नोलॉजी, तमिलनाडु के निदेशक डा. सी. आनंधर्माकृष्णनन तथा विशेषज्ञ वक्ता के रूप में आई.सी.ए.आर.-सैंट्रल इंस्टीच्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, भोपाल के डा. मनोज कुमार त्रिपाठी व जवाहर लाल नेहरू टैक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी काकीनाडा, आंध्र प्रदेश के डा. शशिकांत सारंनगम उपस्थित रहे। इनोवेशन एंड टैक्नोलॉजी ट्रांसफर इन एग्रीकल्चर एंड एलॉयड सैक्टर विषय पर केंद्रित इस राष्ट्रीय वैबिनार की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात सी.आई.आई.सी. की कन्वीनर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सैंटर के माध्यम से नवाचार के विकास में जारी प्रयासों का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इसके विकास से ही हम अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर सकते हैं, जिसके लिए आवश्यक है कि हम इस क्षेत्र में नवाचार व तकनीकी स्तर पर नए बदलावों को लागू करें।

कृषि क्षेत्र के विकास में नई खोज व प्रौद्योगिकी का विकास अहम भूमिका अदा कर रहा : चिंतला

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कृषि व स्वास्थ्य आज के समय में ऐसे 2 प्रमुख क्षेत्र हैं जिनमें होने वाले विभिन्न तकनीकी बदलावों व नए प्रयोगों को लागू करने की प्रक्रिया अन्य क्षेत्रों की अपेक्षाकृत तेज रहती है। उद्योग जगत के सहयोग से इन क्षेत्रों के विकास में उल्लेखनीय प्रयासों को अंजाम दिया जा सकता है। कार्यक्रम के मुख्यातिथि डा. जी.आर. चिंतला ने कहा कि कृषि क्षेत्र के विकास में नई खोज व प्रौद्योगिकी का विकास अहम भूमिका अदा कर रहा है और इस कार्य में शैक्षणिक मोर्चे पर जारी प्रयासों की जितनी सराहना करें वह कम है। डा. चिंतला ने नाबॉर्ड के प्रयासों की जानकारी भी विस्तार से दी।

इसी क्रम में आई.आई.एफ.पी.टी. के निदेशक डा. सी. आनंधर्माकृष्णनन ने खाद्य संरचना व इससे संबंधित तकनीकी पक्षों पर प्रकाश डाला और इस दिशा में जारी विभिन्न प्रयासों पर विस्तार से जानकारी दी। वैबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित डा. मनोज कुमार त्रिपाठी ने फूड प्रोसैसिंग सैक्टर, स्टेटस, चैलेंजेस एंड ऑपर्च्यूनिटीज विषय पर केंद्रित प्रस्तुति के माध्यम से इस क्षेत्र में हो रहे बदलाव व इससे जुड़ी संभावनाओं पर विचार व्यक्त किया।

आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञ वक्ता डा. शशिकांत सारंनगम ने कृषि आधारित खाद्य क्षेत्र में नवाचार व प्रौद्योगिकी के विकास पर केंद्रित विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से इस क्षेत्र में नए अवसर विकसित हो रहे हैं और इसमें विकास की संभावनाएं उपलब्ध है।

हकेंविवि : मानसिक स्वास्थ्य को लेकर किया सम्मेलन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। कन्नड़ संघ पुणे के कावेरी कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स, पुणे द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) के सहयोग से मानसिक स्वास्थ्य और आर्थिक परिप्रेक्ष्य पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कन्नड़ संघ पुणे के अध्यक्ष कुशल हेगड़े ने सत्र की अध्यक्षता की तथा सचिव मालती कलमाड़ी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

कुलपति ने कहा कि इस तरह के आयोजन मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित नीतियों और दृष्टिकोण निर्धारित करने व जागरूकता फैलाने में निश्चित ही महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में कावेरी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अशोक अग्रवाल ने सम्मेलन की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कन्नड़ संघ पुणे के अध्यक्ष कुशल हेगड़े ने शिक्षा के क्षेत्र में संघ के योगदान के बारे में भी बताया। कन्नड़ संघ पुणे की सचिव मालती कलमाड़ी ने महामारी के कारण मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहे प्रभावों पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि दिव्यांग अधिनियम, 2018, महाराष्ट्र के सदस्य और महात्मा गांधी शिक्षण संस्थान के संस्थापक विजय कांहेकर ने मानसिक बीमारी और मानसिक मंदता के प्रति बदलते दृष्टिकोण पर चर्चा की।

तकनीकी सत्र में मन:प्रबोध की संस्थापक अर्चना देशपांडे ने विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य संबंधी पहलुओं जैसे वैश्विक परिप्रेक्ष्य और आर्थिक बजट, भारत में मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित नीतिगत प्रावधानों, मानसिकता बदलने की आवश्यकता, समाज स्तर पर पहल के बारे में चर्चा की। सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 1000 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय सम्मेलन • शरीर, मन और बुद्धि के एकीकरण पर दिया जोर, 1000 के करीब प्रतिभागी कार्यक्रम से जुड़े

मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे पर मुखर होना सबके लिए आवश्यक

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

कन्नड़ संघ पुणे के कावेरी कॉलेज के तत्वावधान में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से 'मानसिक स्वास्थ्य और आर्थिक परिप्रेक्ष्य' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन आयोजित किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कन्नड़ संघ पुणे के अध्यक्ष कुशल हेगड़े ने सत्र की अध्यक्षता की तथा कन्नड़ संघ, पुणे की सचिव मालती कलमाड़ी विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मेलन में उपस्थित रहीं। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह के आयोजन मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित नीतियों और दृष्टिकोण निर्धारित करने व जागरूकता फैलाने में निश्चित ही महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य, अवसाद, आत्महत्या के बढ़ते मामलों, मानसिक बीमारी की पृष्ठभूमि में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरुकता फैलाना महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस संबंध में आयोजकों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में कावेरी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अशोक अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कॉलेज की विकास यात्रा एवं सम्मेलन की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कन्नड़ संघ पुणे के अध्यक्ष कुशल हेगड़े ने इस महत्त्वपूर्ण विषय पर विचार-विमर्श के लिए सम्मेलन आयोजित करने के लिए आयोजन समिति की सराहना की। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में संघ के योगदान के बारे में भी बताया। कन्नड़ संघ पुणे की सचिव मालती कलमाड़ी ने महामारी के कारण मानसिक स्वास्थ पर पड़ रहे प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे पर मुखर होना आवश्यक है। उन्होंने शरीर, मन और बुद्धि के एकीकरण पर जोर दिया। इसी क्रम में कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि दिव्यांग अधिनियम, 2018, महाराष्ट्र के सदस्य और महात्मा गांधी शिक्षण संस्थान के संस्थापक विजय कान्हेकर ने मानसिक बीमारी और मानसिक मंदता के प्रति बदलते दृष्टिकोण पर चर्चा की।

तकनीकी सत्र में मनःप्रबोध की संस्थापक अर्चना देशपांडे ने विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य संबंधी पहलुओं जैसे वैश्विक परिप्रेक्ष्य और आर्थिक बजट, भारत में मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित नीतिगत प्रावधानों, मानसिकता बदलने की आवश्यकता, समाज स्तर पर पहल के बारे में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने प्रतिभागियों को जमीनी स्तर पर प्रभाव पैदा करने में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। माइंड स्पा की संस्थापक दीप्ति पन्हालकर ने सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य का अभ्यास करने के बारे में अपने सुझाव साझा किए। उन्होंने कहा कि सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य विकसित करने के लिए स्वयं के सोचने के पैटर्न को समझना बहुत महत्वपूर्ण है। कावेरी कॉलेज की उप-प्राचार्य डॉ. मुक्ता करमरकर ने भी बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के लिए मानसिक शक्ति के निर्माण के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ की सहायक आचार्य डॉ. सुनीता तंवर ने प्रस्तुत किया। डॉ. तंवर ने कहा कि महामारी में तनाव, अवसाद आदि जैसी समस्याएं थीं लेकिन इससे हमें बहुत कुछ सीखने को भी मिला है। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा अब वर्जित नहीं है। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना की। सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 1000 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस सम्मेलन सफल बनाने में स्किलस्लेट फाउंडेशन, पुणे ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

National Conference on Mental Health & Economic Perspective

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 15-02-2022**

राष्ट्रीय सम्मेलन • शरीर, मन और बुद्धि के एकीकरण पर दिया जोर, 1000 के करीब प्रतिभागी कार्यक्रम से जुड़े

मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे पर मुखर होना सबके लिए आवश्यक

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

कन्नड़ संघ पुणे के कावेरी कॉलेज के तत्वावधान में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से 'मानसिक स्वास्थ्य और आर्थिक परिप्रेक्ष्य' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन आयोजित किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कन्नड़ संघ पुणे के अध्यक्ष कुशल हेगड़े ने सत्र की अध्यक्षता की तथा कन्नड़ संघ, पुणे की सचिव मालती कलमाड़ी विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मेलन में उपस्थित रहीं। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह के आयोजन मानस्कि स्वास्थ्य से संबंधित नीतियों और दृष्टिकोण निर्धारित करने व जागरूकता फैलाने में निश्चित ही महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य, अवसाद, आत्महत्या के बढ़ते मामलों, मानसिक बीमारी की पृष्ठभूमि में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरुकता फैलाना महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस संबंध में आयोजकों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में कावेरी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अशोक अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कॉलेज की विकास यात्रा एवं सम्मेलन की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कन्नड़ संघ पुणे के अध्यक्ष कुशल हेगड़े ने इस महत्त्वपूर्ण विषय पर विचार-विमर्श के लिए सम्मेलन आयोजित करने के लिए आयोजन समिति की सराहना की। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में संघ के योगदान के बारे में भी बताया। कन्नड़ संघ पुणे की सचिव मालती कलमाड़ी ने महामारी के कारण मानसिक स्वास्थ पर पड़ रहे प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे पर मुखर होना आवश्यक है। उन्होंने शरीर, मन और बुद्धि के एकीकरण पर जोर दिया। इसी क्रम में कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि दिव्यांग अधिनियम, 2018, महाराष्ट्र के सदस्य और महात्मा गांधी शिक्षण संस्थान के संस्थापक विजय कान्हेकर ने मानसिक बीमारी और मानस्कि मंदता के प्रति बदलते दृष्टिकोण पर चर्चा की।

तकनीकी सत्र में मन:प्रबोध की संस्थापक अर्चना देशपांडे ने विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य संबंधी पहलुओं जैसे वैश्विक परिप्रेक्ष्य और आर्थिक बजट, भारत में मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित नीतिगत प्रावधानों, मानसिकता बदलने की आवश्यकता, समाज स्तर पर पहल के बारे में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने प्रतिभागियों को जमीनी स्तर पर प्रभाव पैदा करने में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। माइंड स्पा की संस्थापक दीप्ति पन्हालकर ने सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य का अभ्यास करने के बारे में अपने सुझाव साझा किए। उन्होंने कहा कि सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य विकसित करने के लिए स्वयं के सोचने के पैटर्न को समझना बहुत महत्वपूर्ण है। कावेरी कॉलेज की उप-प्राचार्य डॉ. मुक्ता करमरकर ने भी बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के लिए मानसिक शक्ति के निर्माण के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ की सहायक आचार्य डॉ. सुनीता तंवर ने प्रस्तुत किया। डॉ. तंवर ने कहा कि महामारी में तनाव, अवसाद आदि जैसी समस्याएं थीं लेकिन इससे हमें बहुत कुछ सीखने को भी मिला है। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा अब वर्जित नहीं है। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना की। सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 1000 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस सम्मेलन सफल बनाने में स्किलस्लेट फाउंडेशन, पुणे ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Newspaper: Amar Ujala **Date: 15-02-2022**

हकेंविवि : मानसिक स्वास्थ्य को लेकर किया सम्मेलन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। कन्नड़ संघ पुणे के कावेरी कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स, पुणे द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) के सहयोग से मानसिक स्वास्थ्य और आर्थिक परिप्रेक्ष्य पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कन्नड़ संघ पुणे के अध्यक्ष कुशल हेगड़े ने सत्र की अध्यक्षता की तथा सचिव मालती कलमाड़ी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

कुलपति ने कहा कि इस तरह के आयोजन मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित नीतियों और दृष्टिकोण निर्धारित करने व जागरूकता फैलाने में निश्चित ही महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में कावेरी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अशोक अग्रवाल ने सम्मेलन की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कन्नड़ संघ पुणे के अध्यक्ष कुशल हेगड़े ने शिक्षा के क्षेत्र में संघ के योगदान के बारे में भी बताया। कन्नड़ संघ पुणे की सचिव मालती कलमाड़ी ने महामारी के कारण मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहे प्रभावों पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि दिव्यांग अधिनियम, 2018, महाराष्ट्र के सदस्य और महात्मा गांधी शिक्षण संस्थान के संस्थापक विजय कांहेकर ने मानसिक बीमारी और मानसिक मंदता के प्रति बदलते दृष्टिकोण पर चर्चा की।

तकनीकी सत्र में मनःप्रबोध की संस्थापक अर्चना देशपांडे ने विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य संबंधी पहलुओं जैसे वैश्विक परिप्रेक्ष्य और आर्थिक बजट, भारत में मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित नीतिगत प्रावधानों, मानसिकता बदलने की आवश्यकता, समाज स्तर पर पहल के बारे में चर्चा की। सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 1000 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

आईएपीएस के उपाध्यक्ष बने कुलपति प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विवि (हकेंविवि) के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार अब प्रतिष्ठित इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस के उपाध्यक्ष की भूमिका का भी निर्वहन करेंगे। वर्ष 2022 व 2023 के लिए इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस (आईएपीएस) की कार्यकारी परिषद की घोषणा की गई है। इसमें सूरजमल विवि, उत्तराखंड के कुलपति प्रो. एचएस धामी को अध्यक्ष व हरियाणा केंद्रीय विवि महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को उपाध्यक्ष चुना गया है। आईएपीएस भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में खोज, तकनीकी ज्ञान व मानव समाज की बेहतरी के लिए कार्य करती है। संवाद

इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस के उपाध्यक्ष बने प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़ | ऑफ फिजिकल साइंसेस के उपाध्यक्ष की भूमिका का भी निर्वहन करेंगे। वर्ष 2022 व 2023 के लिए इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस (आईएपीएस) की कार्यकारी परिषद की घोषणा की गई है, जिसमें सूरजमल विवि, उत्तराखंड के कुलपति प्रो. एचएस धामी को अध्यक्ष तथा हकेंवि, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को उपाध्यक्ष चुना गया है। आईएपीएस भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में खोज, वैज्ञानिक व तकनीकी ज्ञान तथा मानव समाज की बेहतरी के लिए कार्य करती है। आईएपीएस एक ऐसा वैज्ञानिक निकाय है। जिसमें भौतिक, गणित, और पृथ्वी विज्ञान की विभिन्न शाखाओं जैसे भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, सांख्यिकी, भूविज्ञान, भूभौतिकी और भूगोल, कंप्यूटर विज्ञान, सूचना विज्ञान, जैव रसायन, बायोफिजिक्स आदि के वैज्ञानिक शामिल हैं। भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में प्रो. टंकेश्वर कुमार के 35 वर्ष के उल्लेखनीय योगदान व उनकी प्रशासनिक नेतृत्व क्षमता देखते हुए उन्हें इस प्रतिष्ठित संस्था का उपाध्यक्ष चुना है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस जैसी प्रतिष्ठित संस्था की कार्यकारी परिषद का उपाध्यक्ष चुना जाना उनके लिए गर्व व सम्मान की बात है।

आयोजन हकेंवि में मंगलवार को आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया

मानवाधिकार मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण: जस्टिस सतीश मित्तल

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि)में मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया। हरियाणा मानवाधिकार आयोग की कार्यप्रणाली पर आधारित इस व्याख्यान को हरियाणा मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस सतीश कुमार मित्तल ने संबोधित किया तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर हरियाणा मानव अधिकार आयोग के कुलसचिव कुलदीप जैन भी उपस्थित रहे। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत आयोजित इस व्याख्यान को संबोधित करते हुए जस्टिस सतीश कुमार मित्तल ने कहा कि मनुष्य योनि में जन्म लेने के साथ मिलने वाला प्रत्येक अधिकार मानवाधिकार की श्रेणी में आता है। ये ऐसे अधिकार हैं जो सीधे प्रकृति से संबंध रखते हैं जैसे जीने का अधिकार केवल कानून सम्मत अधिकार नहीं है बल्कि इसे प्रकृति द्वारा प्रदान किया गया है। जस्टिस मित्तल ने कहा कि मानव अधिकारों में आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों के समक्ष समानता का अधिकार एवं शिक्षा का अधिकार आदि नागरिक और राजनैतिक अधिकार भी सम्मिलित हैं। उन्होंने कहा कि मानव अधिकारों एवं मूल अधिकारों के बीच शरीर और आत्मा का सम्बन्ध है। भारतीय संविधान के साथ-साथ मानव अधिकार अधिनियम में न सिर्फ मानवाधिकारों की गारंटी दी गई है बल्कि इसका उल्लंघन करने पर सजा का भी प्रावधान किया गया है। भारतीय संविधान का उद्देश्य एक ऐसे समाज की स्थापना करना है जो विधि संगत होने के साथ मानव हित में

हकेंवि में जस्टिस एसके मित्तल को स्मृति चिह्न भेंट करती प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ● सौ. हकेंवि

भी हो। जस्टिस मित्तल ने हरियाणा मानव अधिकार आयोग की प्रणाली को भी विस्तार से समझाया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को भी उनसे जुड़े विभिन्न अधिकारों की जानकारी दी तथा आयोग के द्वारा उठाए गए कुछ सार्थक कदमों से भी अवगत कराया। व्याख्यान के बाद जस्टिस सतीश कुमार मित्तल ने सवाल-जवाब सत्र के दौरान प्रतिभागियों की शंकाओं का भी समाधान किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्यों एवं अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारे संविधान ने हमें समता व शिक्षा जैसे अनेक महत्वपूर्ण अधिकार दिए हैं, जो हमें गर्व से जीने की प्रेरणा देते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों के मानवाधिकारों की रक्षा हेतु विश्वविद्यालय में प्री-लिटिगेशन सेल बनाने की घोषणा की, जिसमें विश्वविद्यालय से संबंधित मामले को लेकर कोई भी सहभागी सीधा कुलपति महोदय की अध्यक्षता वाले इस सेल में आउटसाइड कोर्ट सेटलमेंट करा पाने में सक्षम होंगे। इससे पूर्व विश्वविद्यालय की कुलसचिव व आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने जस्टिस सतीश कुमार मित्तल को स्मृति चिह्न भेंट किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने मानवाधिकारों की प्रासंगिकता पर अपने विचार प्रतिभागियों से साझा किए। मुख्य वक्ता व कुलपति का परिचय डा. प्रदीप सिंह ने दिया। मंच का संचालन डा. रेनु यादव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनन्द शर्मा ने प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

****

आइएपीएस के उपाध्यक्ष बने प्रो . टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार अब प्रतिष्ठित इंटरनेशनल एकेडमी आफ फिजिकल साइंसेस के उपाध्यक्ष की भूमिका का भी निर्वहन करेंगे। वर्ष 2022 व 2023 के लिए इंटरनेशनल एकेडमी आफ फिजिकल साइंसेस (आइएपीएस) की कार्यकारी परिषद की घोषणा की गई है, जिसमें सूरजमल विश्वविद्यालय, उत्तराखंड के कुलपति प्रो. एचएस धामी को अध्यक्ष तथा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को उपाध्यक्ष चुना गया है।

आइएपीएस भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में खोज, वैज्ञानिक व तकनीकी ज्ञान तथा मानव समाज की बेहतरी के लिए कार्य करती है। आइएपीएस एक ऐसा वैज्ञानिक निकाय है जिसमें भौतिक, गणित और पृथ्वी विज्ञान की विभिन्न शाखाओं जैसे भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, सांख्यिकी, भूविज्ञान, भूभौतिकी और भूगोल, कंप्यूटर विज्ञान, सूचना विज्ञान, जैव रसायन, बायोफिजिक्स आदि के वैज्ञानिक शामिल हैं। भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में प्रो. टंकेश्वर कुमार

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति टंकेश्वर कुमार •

के 35 वर्ष के उल्लेखनीय योगदान व उनकी प्रशासनिक नेतृत्व क्षमता देखते हुए उन्हें इस प्रतिष्ठित संस्था का उपाध्यक्ष चुना है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस जैसी प्रतिष्ठित संस्था की कार्यकारी परिषद का उपाध्यक्ष चुना जाना उनके लिए गर्व व सम्मान की बात है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि उनके साथ फ्लोरिडा केंद्रीय विश्वविद्यालय, यूएसए के प्रो. राम महापात्रा, सहित दो अन्य उपाध्यक्ष भी चुने गए हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे संस्था के उद्देश्यों को ध्यान में रखकर संस्था की बेहतरी के लिए कार्य करेंगे। कुलपति ने परिषद की नई टीम को भी शुभकामनाएं दी।

'मानवाधिकार मानव जीवन के लिए महत्त्वपूर्ण'

महेन्द्रगढ़, 15 फरवरी (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया। हरियाणा मानवाधिकार आयोग की कार्यप्रणाली पर आधारित इस व्याख्यान को हरियाणा मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस सतीश कुमार मित्तल ने संबोधित किया तथा कार्यक्रम की अध्क्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर हरियाणा मानव अधिकार आयोग के कुलसचिव कुलदीप जैन भी उपस्थित रहे। जस्टिस सतीश कुमार मित्तल ने कहा कि मानवाधिकार सीधे प्रकृति से सम्बन्ध रखते हैं जैसे जीने का अधिकार केवल कानून सम्मत अधिकार नहीं है बल्कि इसे प्रकृति द्वारा प्रदान किया गया है। जस्टिस मित्तल ने कहा कि मानव अधिकारों में आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों के समक्ष समानता एवं शिक्षा का अधिकार, नागरिक और राजनैतिक अधिकार भी शामिल हैं।

दैनिक ट्रिब्यून

मानवाधिकार मानव जीवन के लिए महत्वपूर्णः जस्टिस

हमारे संविधान ने हमें समता और शिक्षा जैसे अनेक महत्त्वपूर्ण अधिकार दिए हैं, जो हमें गर्व से जीने की प्रेरणा देते हैं : कुलपति

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया। हरियाणा मानवाधिकार आयोग की कार्यप्रणाली पर आधारित इस व्याख्यान को हरियाणा मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस सतीश कुमार मित्तल ने संबोधित किया तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने की। इस अवसर पर हरियाणा मानव अधिकार आयोग के कुलसचिव कुलदीप जैन भी उपस्थित रहे। आजादी का अमृत महोत्सव

सजा का भी है प्रावधान

ये ऐसे अधिकार हैं जो सीधे प्रकृति से सम्बन्ध रखते हैं जैसे जीने का अधिकार केवल कानून सम्मत अधिकार नहीं है, बल्कि इसे प्रकृति द्वारा प्रदान किया गया है। जस्टिस मित्तल ने कहा कि मानव अधिकारों में आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों के समक्ष समानता का अधिकार एवं शिक्षा का अधिकार आदि नागरिक और राजनैतिक अधिकार भी सम्मिलित हैं। उन्होंने कहा कि मानव अधिकारों एवं मूल अधिकारों के बीच शरीर और आत्मा का सम्बन्ध है। भारतीय संविधान के साथ-साथ मानव अधिकार अधिनियम में न सिर्फ मानवाधिकारों की गारंटी दी गई है बल्कि इसका उल्लंघन करने पर सजा का भी प्रावधान किया गया है। भारतीय संविधान का उद्देश्य एक ऐसे समाज की स्थापना करना है जो विधि संगत होने के साथ मानव हित में भी हो। जस्टिस मित्तल ने हरियाणा मानव अधिकार आयोग की प्रणाली को भी विस्तार से समझाया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को भी उनसे जुड़े विभिन्न अधिकारों की जानकारी दी तथा आयोग के द्वारा उठाए गए कुछ सार्थक कदमों से भी अवगत कराया। व्याख्यान के बाद जस्टिस्स सतीश कुमार मित्तल ने सवाल-जवाब सत्र के दौरान प्रतिभागियों की शंकाओं का भी समाधान किया।

महेंद्रगढ़। मुख्य अतिथि एवं चेयरमैन सतीश मित्तल को सम्मानित करते हुए कुलपति टंकेश्वर एवं अन्य।

प्रासंगिकता पर प्रतिभागियों से साझा किए विचार

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्यों एवं अधिकारो की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान ने हमें समता व शिक्षा जैसे अनेक महत्त्वपूर्ण अधिकार दिए हैं, जो हमें गर्व से जीने की प्रेरणा देते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों के मानवाधिकारों की रक्षा हेतु विश्वविद्यालय में प्री-लिटिगेशन सेल बनाने की घोषणा की, जिसमें विश्वविद्यालय से संबंधित मामले को लेकर कोई भी सहभागी सीधा कुलपति महोदय की अध्यक्षता वाले इस सेल में आउटसाइड कोर्ट सेटलमेंट करा पाने में सक्षम होंगे। इससे पूर्व विश्वविद्यालय की कुलसचिव व आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने जस्टिस सतीश कुमार मित्तल को स्मृति चिह्न भेंट किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने मानवाधिकारों की प्रासंगिकता पर अपने विचार प्रतिभागियों से साझा किए। मुख्य वक्ता व कुलपति का परिचय डॉ. प्रदीप सिंह ने दिया। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. रेनु यादव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनन्द शर्मा ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश, परीक्षा नियत्रंक प्रो. राजीव कौशिक सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार उपाध्यक्ष हुए मनोनित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर अब प्रतिष्ठित इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस के उपाध्यक्ष की भूमिका का भी निर्वहन करेंगे। वर्ष 2022 व 2023 के लिए इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस (आईएपीएस) की कार्यकारी परिषद की घोषणा की गई है, जिसमें सूरजमल विश्वविद्यालय उत्तराखंड के कुलपति प्रो. एचएस धामी को अध्यक्ष तथा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर को उपाध्यक्ष चुना गया है। आईएपीएस भौतिक विज्ञान के

प्रो. टंकेश्वर, कुलपति

क्षेत्र में खोज, वैज्ञानिक व तकनीकी ज्ञान तथा मानव समाज की बेहतरी के लिए कार्य करती है। आईएपीएस एक ऐसा वैज्ञानिक निकाय है जिसमें भौतिक, गणित, और पृथ्वी विज्ञान की विभिन्न शाखाओं जैसे भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, सांख्यिकी, भूविज्ञान, भूभौतिकी और भूगोल, कंप्यूटर विज्ञान, सूचना विज्ञान, जैव रसायन, बायोफिजिक्स आदि के वैज्ञानिक शामिल हैं।

इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस के उपाध्यक्ष बने प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार

नारनौल , राजेश राज गोयल,

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार अब प्रतिष्ठित इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस के उपाध्यक्ष की भूमिका का भी निर्वहन करेंगे। वर्ष 2022 व 2023 के लिए इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस (आईएपीएस) की कार्यकारी परिषद की घोषणा की गई है, जिसमें सूरजमल विश्वविद्यालय, उत्तराखंड के कुलपति प्रो. एच.एस. धामी को अध्यक्ष तथा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को उपाध्यक्ष चुना गया है। आईएपीएस भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में खोज, वैज्ञानिक व तकनीकी ज्ञान तथा मानव समाज की बेहतरी के लिए कार्य करती है। आईएपीएस एक ऐसा वैज्ञानिक निकाय है जिसमें भौतिक, गणित, और पृथ्वी विज्ञान की विभिन्न शाखाओं जैसे भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, सांख्यिकी, भूविज्ञान,

भूभौतिकी और भूगोल, कंप्यूटर विज्ञान, सूचना विज्ञान, जैव रसायन, बायोफिजिक्स आदि के वैज्ञानिक शामिल हैं। भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में प्रो. टंकेश्वर कुमार के 35 वर्ष के उल्लेखनीय योगदान व उनकी प्रशासनिक नेतृत्व क्षमता देखते हुए उन्हें इस प्रतिष्ठित संस्था का उपाध्यक्ष चुना है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस जैसी प्रतिष्ठित संस्था की कार्यकारी परिषद का उपाध्यक्ष चुना जाना उनके लिए गर्व व सम्मान की बात है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि उनके साथ फ्लोरिडा केंद्रीय विश्वविद्यालय, यूएसए के प्रो. राम महापात्रा, सहित दो अन्य उपाध्यक्ष भी चुने गए हैं।उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे संस्था के उद्देश्यों को ध्यान में रखकर संस्था की बेहतरी के लिए कार्य करेंगे। कुलपति ने परिषद की नई टीम को भी शुभकामनाएं दीं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Public Lecture on Working of Haryana Human Rights Commission

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 16-02-2022**

आयोजन

हकेंवि में मंगलवार को आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया

मानवाधिकार मानव जीवन के लिए महत्वपूर्णः जस्टिस सतीश मित्तल

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया। हरियाणा मानवाधिकार आयोग की कार्यप्रणाली पर आधारित इस व्याख्यान को हरियाणा मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस सतीश कुमार मित्तल ने संबोधित किया तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर हरियाणा मानव अधिकार आयोग के कुलसचिव कुलदीप जैन भी उपस्थित रहे। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत आयोजित इस व्याख्यान को संबोधित करते हुए जस्टिस सतीश कुमार मित्तल ने कहा कि मनुष्य योनि में जन्म लेने के साथ मिलने वाला प्रत्येक अधिकार मानवाधिकार की श्रेणी में आता है। वे ऐसे अधिकार है जो सीधे प्रकृति से संबंध रखते है जैसे जीने का अधिकार केवल कानून सम्मत अधिकार नहीं है बल्कि इसे प्रकृति द्वारा प्रदान किया गया है। जस्टिस मित्तल ने कहा कि मानव अधिकारों में आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों के समक्ष समानता का अधिकार एवं शिक्षा का अधिकार आदि नागरिक और राजनैतिक अधिकार भी सम्मिलित हैं। उन्होंने कहा कि मानव अधिकारों एवं मूल अधिकारों के बीच शरीर और आत्मा का सम्बन्ध है। भारतीय संविधान के साथ-साथ मानव अधिकार अधिनियम में न सिर्फ मानवाधिकारों की गारंटी दी गई है बल्कि इसका उल्लंघन करने पर सजा का भी प्रावधान किया गया है। भारतीय संविधान का उद्देश्य एक ऐसे समाज की स्थापना करना है जो विधि संगत होने के साथ मानव हित में भी हो। जस्टिस मित्तल ने हरियाणा मानव अधिकार आयोग की प्रणाली को भी विस्तार से समझाया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को भी उनसे जुड़े विभिन्न अधिकारों की जानकारी दी तथा आयोग के द्वारा उठाए गए कुछ सार्थक कदमों से भी अवगत कराया। व्याख्यान के बाद जस्टिस सतीश कुमार मित्तल ने सवाल-जवाब सत्र के दौरान प्रतिभागियों की शंकाओं का भी समाधान किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्यों एवं अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारे संविधान ने हमें समता व शिक्षा जैसे अनेक महत्वपूर्ण अधिकार दिए हैं, जो हमें गर्व से जीने की प्रेरणा देते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों के मानवाधिकारों की रक्षा हेतु विश्वविद्यालय में प्री-लिटिगेशन सेल बनाने की घोषणा की, जिसमें विश्वविद्यालय से संबंधित मामले को लेकर कोई भी सहभागी सीधा कुलपति महोदय की अध्यक्षता वाले इस सेल में आउटसाइड कोर्ट सेटलमेंट करा पाने में सक्षम होंगे। इससे पूर्व विश्वविद्यालय की कुलसचिव व आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने जस्टिस सतीश कुमार मित्तल को स्मृति चिह्न भेंट किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने मानवाधिकारों की प्रासंगिकता पर अपने विचार प्रतिभागियों से साझा किए। मुख्य वक्ता व कुलपति का परिचय डा. प्रदीप सिंह ने दिया। मंच का संचालन डा. रेनु यादव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनन्द शर्मा ने प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि मे जस्टिस एसके मित्तल को स्मृति चिह्न भेंट करती प्रो. सुनीता श्रीवास्तव • सौ. हकेंवि

****

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 16-02-2022**

'मानवाधिकार मानव जीवन के लिए महत्त्वपूर्ण'

महेन्द्रगढ़, 15 फरवरी (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया। हरियाणा मानवाधिकार आयोग की कार्यप्रणाली पर आधारित इस व्याख्यान को हरियाणा मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस सतीश कुमार मित्तल ने संबोधित किया तथा कार्यक्रम की अध्क्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर हरियाणा मानव अधिकार आयोग के कुलसचिव कुलदीप जैन भी उपस्थित रहे। जस्टिस सतीश कुमार मित्तल ने कहा कि मानवाधिकार सीधे प्रकृति से सम्बन्ध रखते हैं जैसे जीने का अधिकार केवल कानून सम्मत अधिकार नहीं है बल्कि इसे प्रकृति द्वारा प्रदान किया गया है। जस्टिस मित्तल ने कहा कि मानव अधिकारों में आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों के समक्ष समानता एवं शिक्षा का अधिकार, नागरिक और राजनैतिक अधिकार भी शामिल हैं।

दैनिक ट्रिब्यून

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 16-02-2022**

मानवाधिकार मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण: जस्टिस

हमारे संविधान ने हमें समता और शिक्षा जैसे अनेक महत्त्वपूर्ण अधिकार दिए हैं, जो हमें गर्व से जीने की प्रेरणा देते हैं : कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया। हरियाणा मानवाधिकार आयोग की कार्यप्रणाली पर आधारित इस व्याख्यान को हरियाणा मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस सतीश कुमार मित्तल ने संबोधित किया तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने की। इस अवसर पर हरियाणा मानव अधिकार आयोग के कुलसचिव कुलदीप जैन भी उपस्थित रहे। आजादी का अमृत महोत्सव

सजा का भी है प्रावधान

ये ऐसे अधिकार हैं जो सीधे प्रकृति से सम्बन्ध रखते हैं जैसे जीने का अधिकार केवल कानून सम्मत अधिकार नहीं है, बल्कि इसे प्रकृति द्वारा प्रदान किया गया है। जस्टिस मित्तल ने कहा कि मानव अधिकारों में आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों के समक्ष समानता का अधिकार एवं शिक्षा का अधिकार आदि नागरिक और राजनैतिक अधिकार भी सम्मिलित हैं। उन्होंने कहा कि मानव अधिकारों एवं मूल अधिकारों के बीच शरीर और आत्मा का सम्बन्ध है। भारतीय संविधान के साथ-साथ मानव अधिकार अधिनियम में न सिर्फ मानवाधिकारों की गारंटी दी गई है बल्कि इसका उल्लंघन करने पर सजा का भी प्रावधान किया गया है। भारतीय संविधान का उद्देश्य एक ऐसे समाज की स्थापना करना है जो विधि संगत होने के साथ मानव हित में भी हो। जस्टिस मित्तल ने हरियाणा मानव अधिकार आयोग की प्रणाली को भी विस्तार से समझाया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को भी उनसे जुड़े विभिन्न अधिकारों की जानकारी दी तथा आयोग के द्वारा उठाए गए कुछ सार्थक कदमों से भी अवगत कराया। व्याख्यान के बाद जस्टिस सतीश कुमार मित्तल ने सवाल-जवाब सत्र के दौरान प्रतिभागियों की शंकाओं का भी समाधान किया।

महेंद्रगढ़। मुख्य अतिथि एवं चेयरमैन सतीश मित्तल को सम्मानित करते हुए कुलपति टंकेश्वर एवं अन्य।

प्रासंगिकता पर प्रतिभागियों से साझा किए विचार

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्यों एवं अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान ने हमें समता व शिक्षा जैसे अनेक महत्त्वपूर्ण अधिकार दिए हैं, जो हमें गर्व से जीने की प्रेरणा देते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों के मानवाधिकारों की रक्षा हेतु विश्वविद्यालय में प्री-लिटिगेशन सेल बनाने की घोषणा की, जिसमें विश्वविद्यालय से संबंधित मामले को लेकर कोई भी सहभागी सीधा कुलपति महोदय की अध्यक्षता वाले इस सेल में आउटसाइड कोर्ट सेटलमेंट करा पाने में सक्षम होंगे। इससे पूर्व विश्वविद्यालय की कुलसचिव व आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने जस्टिस सतीश कुमार मित्तल को स्मृति चिह्न भेंट किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने मानवाधिकारों की प्रासंगिकता पर अपने विचार प्रतिभागियों से साझा किए। मुख्य वक्ता व कुलपति का परिचय डॉ. प्रदीप सिंह ने दिया। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. रेनु यादव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनन्द शर्मा ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Professor Tankeshwar Kumar elected as the Vice President of IAPS

Newspaper: Amar Ujala **Date: 16-02-2022**

इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेज के उपाध्यक्ष बने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंविवि) के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार अब प्रतिष्ठित इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेज के उपाध्यक्ष की भूमिका का भी निर्वहन करेंगे। वर्ष 2022 व 2023 के लिए इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस (आईएपीएस) की कार्यकारी परिषद की घोषणा की गई है।

इसमें सूरजमल विश्वविद्यालय, उत्तराखंड के कुलपति प्रो. एचएस धामी को अध्यक्ष तथा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को उपाध्यक्ष चुना गया है। आईएपीएस भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में खोज, वैज्ञानिक व तकनीकी ज्ञान तथा मानव समाज की बेहतरी के लिए कार्य करती है। आईएपीएस एक ऐसा वैज्ञानिक निकाय है जिसमें भौतिक, गणित, और पृथ्वी विज्ञान की विभिन्न शाखाओं जैसे भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, सांख्यिकी, भूविज्ञान, भूभौतिकी और भूगोल, कंप्यूटर विज्ञान, सूचना विज्ञान, जैव रसायन, बायोफिजिक्स आदि के वैज्ञानिक शामिल हैं।

भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में प्रो. टंकेश्वर कुमार के 35 वर्ष के उल्लेखनीय योगदान व उनकी प्रशासिक नेतृत्व क्षमता देखते हुए उन्हें इस प्रतिष्ठित संस्था का उपाध्यक्ष चुना है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेज जैसी प्रतिष्ठित संस्था की कार्यकारी परिषद का उपाध्यक्ष चुना जाना उनके लिए गर्व व सम्मान की बात है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि उनके साथ फ्लोरिडा केंद्रीय विश्वविद्यालय, यूएसए के प्रो. राम महापात्रा, सहित दो अन्य उपाध्यक्ष भी चुने गए हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे संस्था के उद्देश्यों को ध्यान में रखकर संस्था की बेहतरी के लिए कार्य करेंगे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala (Main) **Date: 16-02-2022**

आईएपीएस के उपाध्यक्ष बने कुलपति प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विवि (हकेंविवि) के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार अब प्रतिष्ठित इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस के उपाध्यक्ष की भूमिका का भी निर्वहन करेंगे। वर्ष 2022 व 2023 के लिए इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस (आईएपीएस) की कार्यकारी परिषद की घोषणा की गई है। इसमें सूरजमल विवि, उत्तराखंड के कुलपति प्रो. एचएस धामी को अध्यक्ष व हरियाणा केंद्रीय विवि महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को उपाध्यक्ष चुना गया है। आईएपीएस भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में खोज, तकनीकी ज्ञान व मानव समाज की बेहतरी के लिए कार्य करती है। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 16-02-2022**

इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस के उपाध्यक्ष बने प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़ | ऑफ फिजिकल साइंसेस के उपाध्यक्ष की भूमिका का भी निर्वहन करेंगे। वर्ष 2022 व 2023 के लिए इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस (आईएपीएस) की कार्यकारी परिषद की घोषणा की गई है, जिसमें सूरजमल विवि, उत्तराखंड के कुलपति प्रो. एचएस धामी को अध्यक्ष तथा हकेंवि, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को उपाध्यक्ष चुना गया है। आईएपीएस भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में खोज, वैज्ञानिक व तकनीकी ज्ञान तथा मानव समाज की बेहतरी के लिए कार्य करती है। आईएपीएस एक ऐसा वैज्ञानिक निकाय है। जिसमें भौतिक, गणित, और पृथ्वी विज्ञान की विभिन्न शाखाओं जैसे भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, सांख्यिकी, भूविज्ञान, भूभौतिकी और भूगोल, कंप्यूटर विज्ञान, सूचना विज्ञान, जैव रसायन, बायोफिजिक्स आदि के वैज्ञानिक शामिल हैं। भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में प्रो. टंकेश्वर कुमार के 35 वर्ष के उल्लेखनीय योगदान व उनकी प्रशासनिक नेतृत्व क्षमता देखते हुए उन्हें इस प्रतिष्ठित संस्था का उपाध्यक्ष चुना है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस जैसी प्रतिष्ठित संस्था की कार्यकारी परिषद का उपाध्यक्ष चुना जाना उनके लिए गर्व व सम्मान की बात है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 16-02-2022**

आइएपीएस के उपाध्यक्ष बने प्रो. टंकेश्वर कुमार

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति टंकेश्वर कुमार •

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार अब प्रतिष्ठित इंटरनेशनल एकेडमी आफ फिजिकल साइंसेस के उपाध्यक्ष की भूमिका का भी निर्वहन करेंगे। वर्ष 2022 व 2023 के लिए इंटरनेशनल एकेडमी आफ फिजिकल साइंसेस (आइएपीएस) की कार्यकारी परिषद की घोषणा की गई है, जिसमें सूरजमल विश्वविद्यालय, उत्तराखंड के कुलपति प्रो. एचएस धामी को अध्यक्ष तथा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को उपाध्यक्ष चुना गया है।

आइएपीएस भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में खोज, वैज्ञानिक व तकनीकी ज्ञान तथा मानव समाज की बेहतरी के लिए कार्य करती है। आइएपीएस एक ऐसा वैज्ञानिक निकाय है जिसमें भौतिक, गणित और पृथ्वी विज्ञान की विभिन्न शाखाओं जैसे भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, सांख्यिकी, भूविज्ञान, भूभौतिकी और भूगोल, कंप्यूटर विज्ञान, सूचना विज्ञान, जैव रसायन, बायोफिजिक्स आदि के वैज्ञानिक शामिल हैं। भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में प्रो. टंकेश्वर कुमार के 35 वर्ष के उल्लेखनीय योगदान व उनकी प्रशासनिक नेतृत्व क्षमता देखते हुए उन्हें इस प्रतिष्ठित संस्था का उपाध्यक्ष चुना है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस जैसी प्रतिष्ठित संस्था की कार्यकारी परिषद का उपाध्यक्ष चुना जाना उनके लिए गर्व व सम्मान की बात है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि उनके साथ फ्लोरिडा केंद्रीय विश्वविद्यालय, यूएसए के प्रो. राम महापात्रा, सहित दो अन्य उपाध्यक्ष भी चुने गए हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे संस्था के उद्देश्यों को ध्यान में रखकर संस्था की बेहतरी के लिए कार्य करेंगे। कुलपति ने परिषद की नई टीम को भी शुभकामनाएं दी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 16-02-2022**

प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार उपाध्यक्ष हुए मनोनित

हरिभूमि न्यूज ⏩ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर अब प्रतिष्ठित इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस के उपाध्यक्ष की भूमिका का भी निर्वहन करेंगे। वर्ष 2022 व 2023 के लिए इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस (आईएपीएस) की कार्यकारी परिषद की घोषणा की गई है, जिसमें सूरजमल विश्वविद्यालय उत्तराखंड के कुलपति प्रो. एचएस धामी को अध्यक्ष तथा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर को उपाध्यक्ष चुना गया है। आईएपीएस भौतिक विज्ञान के

प्रो. टंकेश्वर, कुलपति

क्षेत्र में खोज, वैज्ञानिक व तकनीकी ज्ञान तथा मानव समाज की बेहतरी के लिए कार्य करती है। आईएपीएस एक ऐसा वैज्ञानिक निकाय है जिसमें भौतिक, गणित, और पृथ्वी विज्ञान की विभिन्न शाखाओं जैसे भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, सांख्यिकी, भूविज्ञान, भूभौतिकी और भूगोल, कंप्यूटर विज्ञान, सूचना विज्ञान, जैव रसायन, बायोफिजिक्स आदि के वैज्ञानिक शामिल हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Jyoti Darpan **Date: 16-02-2022**

इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस के उपाध्यक्ष बने प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार

नारनौल , राजेश राज गोयल,

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार अब प्रतिष्ठित इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस के उपाध्यक्ष की भूमिका का भी निर्वहन करेंगे। वर्ष 2022 व 2023 के लिए इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस (आईएपीएस) की कार्यकारी परिषद की घोषणा की गई है, जिसमें सूरजमल विश्वविद्यालय, उत्तराखंड के कुलपति प्रो. एच.एस. धामी को अध्यक्ष तथा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को उपाध्यक्ष चुना गया है। आईएपीएस भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में खोज, वैज्ञानिक व तकनीकी ज्ञान तथा मानव समाज की बेहतरी के लिए कार्य करती है। आईएपीएस एक ऐसा वैज्ञानिक निकाय है जिसमें भौतिक, गणित, और पृथ्वी विज्ञान की विभिन्न शाखाओं जैसे भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, सांख्यिकी, भूविज्ञान,

भूभौतिकी और भूगोल, कंप्यूटर विज्ञान, सूचना विज्ञान, जैव रसायन, बायोफिजिक्स आदि के वैज्ञानिक शामिल हैं। भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में प्रो. टंकेश्वर कुमार के 35 वर्ष के उल्लेखनीय योगदान व उनकी प्रशासिक नेतृत्व क्षमता देखते हुए उन्हें इस प्रतिष्ठित संस्था का उपाध्यक्ष चुना है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस जैसी प्रतिष्ठित संस्था की कार्यकारी परिषद का उपाध्यक्ष चुना जाना उनके लिए गर्व व सम्मान की बात है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि उनके साथ फ्लोरिडा केंद्रीय विश्वविद्यालय, यूएसए के प्रो. राम महापात्रा, सहित दो अन्य उपाध्यक्ष भी चुने गए हैं।उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे संस्था के उद्देश्यों को ध्यान में रखकर संस्था की बेहतरी के लिए कार्य करेंगे। कुलपति ने परिषद की नई टीम को भी शुभकामनाएं दी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 16-02-2022**

इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेज के उपाध्यक्ष बने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंविवि) के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार अब प्रतिष्ठित इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेज के उपाध्यक्ष की भूमिका का भी निर्वहन करेंगे। वर्ष 2022 व 2023 के लिए इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस (आईएपीएस) की कार्यकारी परिषद की घोषणा की गई है।

इसमें सूरजमल विश्वविद्यालय, उत्तराखंड के कुलपति प्रो. एचएस धामी को अध्यक्ष तथा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को उपाध्यक्ष चुना गया है। आईएपीएस भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में खोज, वैज्ञानिक व तकनीकी ज्ञान तथा मानव समाज की बेहतरी के लिए कार्य करती है। आईएपीएस एक ऐसा वैज्ञानिक निकाय है जिसमें भौतिक, गणित, और पृथ्वी विज्ञान की विभिन्न शाखाओं जैसे भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, सांख्यिकी, भूविज्ञान, भूभौतिकी और भूगोल, कंप्यूटर विज्ञान, सूचना विज्ञान, जैव रसायन, बायोफिजिक्स आदि के वैज्ञानिक शामिल हैं।

भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में प्रो. टंकेश्वर कुमार के 35 वर्ष के उल्लेखनीय योगदान व उनकी प्रशासिक नेतृत्व क्षमता देखते हुए उन्हें इस प्रतिष्ठित संस्था का उपाध्यक्ष चुना है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेज जैसी प्रतिष्ठित संस्था की कार्यकारी परिषद का उपाध्यक्ष चुना जाना उनके लिए गर्व व सम्मान की बात है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि उनके साथ फ्लोरिडा केंद्रीय विश्वविद्यालय, यूएसए के प्रो. राम महापात्रा, सहित दो अन्य उपाध्यक्ष भी चुने गए हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे संस्था के उद्देश्यों को ध्यान में रखकर संस्था की बेहतरी के लिए कार्य करेंगे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala (Main) **Date: 16-02-2022**

आईएपीएस के उपाध्यक्ष बने कुलपति प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विवि (हकेंविवि) के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार अब प्रतिष्ठित इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस के उपाध्यक्ष की भूमिका का भी निर्वहन करेंगे। वर्ष 2022 व 2023 के लिए इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस (आईएपीएस) की कार्यकारी परिषद की घोषणा की गई है। इसमें सूरजमल विवि, उत्तराखंड के कुलपति प्रो. एचएस धामी को अध्यक्ष व हरियाणा केंद्रीय विवि महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को उपाध्यक्ष चुना गया है। आईएपीएस भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में खोज, तकनीकी ज्ञान व मानव समाज की बेहतरी के लिए कार्य करती है। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 16-02-2022**

इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस के उपाध्यक्ष बने प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़ | ऑफ फिजिकल साइंसेस के उपाध्यक्ष की भूमिका का भी निर्वहन करेंगे। वर्ष 2022 व 2023 के लिए इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस (आईएपीएस) की कार्यकारी परिषद की घोषणा की गई है, जिसमें सूरजमल विवि, उत्तराखंड के कुलपति प्रो. एचएस धामी को अध्यक्ष तथा हकेंवि, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को उपाध्यक्ष चुना गया है। आईएपीएस भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में खोज, वैज्ञानिक व तकनीकी ज्ञान तथा मानव समाज की बेहतरी के लिए कार्य करती है। आईएपीएस एक ऐसा वैज्ञानिक निकाय है। जिसमें भौतिक, गणित, और पृथ्वी विज्ञान की विभिन्न शाखाओं जैसे भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, सांख्यिकी, भूविज्ञान, भूभौतिकी और भूगोल, कंप्यूटर विज्ञान, सूचना विज्ञान, जैव रसायन, बायोफिजिक्स आदि के वैज्ञानिक शामिल हैं। भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में प्रो. टंकेश्वर कुमार के 35 वर्ष के उल्लेखनीय योगदान व उनकी प्रशासनिक नेतृत्व क्षमता देखते हुए उन्हें इस प्रतिष्ठित संस्था का उपाध्यक्ष चुना है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस जैसी प्रतिष्ठित संस्था की कार्यकारी परिषद का उपाध्यक्ष चुना जाना उनके लिए गर्व व सम्मान की बात है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 16-02-2022**

आइएपीएस के उपाध्यक्ष बने प्रो . टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार अब प्रतिष्ठित इंटरनेशनल एकेडमी आफ फिजिकल साइंसेस के उपाध्यक्ष की भूमिका का भी निर्वहन करेंगे। वर्ष 2022 व 2023 के लिए इंटरनेशनल एकेडमी आफ फिजिकल साइंसेस (आइएपीएस) की कार्यकारी परिषद की घोषणा की गई है, जिसमें सूरजमल विश्वविद्यालय, उत्तराखंड के कुलपति प्रो. एचएस धामी को अध्यक्ष तथा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को उपाध्यक्ष चुना गया है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति टंकेश्वर कुमार •

आइएपीएस भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में खोज, वैज्ञानिक व तकनीकी ज्ञान तथा मानव समाज की बेहतरी के लिए कार्य करती है। आइएपीएस एक ऐसा वैज्ञानिक निकाय है जिसमें भौतिक, गणित और पृथ्वी विज्ञान की विभिन्न शाखाओं जैसे भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, सांख्यिकी, भूविज्ञान, भूभौतिकी और भूगोल, कंप्यूटर विज्ञान, सूचना विज्ञान, जैव रसायन, बायोफिजिक्स आदि के वैज्ञानिक शामिल हैं। भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में प्रो. टंकेश्वर कुमार के 35 वर्ष के उल्लेखनीय योगदान व उनकी प्रशासनिक नेतृत्व क्षमता देखते हुए उन्हें इस प्रतिष्ठित संस्था का उपाध्यक्ष चुना है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस जैसी प्रतिष्ठित संस्था की कार्यकारी परिषद का उपाध्यक्ष चुना जाना उनके लिए गर्व व सम्मान की बात है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि उनके साथ फ्लोरिडा केंद्रीय विश्वविद्यालय, यूएसए के प्रो. राम महापात्रा, सहित दो अन्य उपाध्यक्ष भी चुने गए हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे संस्था के उद्देश्यों को ध्यान में रखकर संस्था की बेहतरी के लिए कार्य करेंगे। कुलपति ने परिषद की नई टीम को भी शुभकामनाएं दी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 16-02-2022**

प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार उपाध्यक्ष हुए मनोनित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर अब प्रतिष्ठित इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस के उपाध्यक्ष की भूमिका का भी निर्वहन करेंगे। वर्ष 2022 व 2023 के लिए इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस (आईएपीएस) की कार्यकारी परिषद की घोषणा की गई है, जिसमें सूरजमल विश्वविद्यालय उत्तराखंड के कुलपति प्रो. एचएस धामी को अध्यक्ष तथा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर को उपाध्यक्ष चुना गया है। आईएपीएस भौतिक विज्ञान के

प्रो. टंकेश्वर, कुलपति

क्षेत्र में खोज, वैज्ञानिक व तकनीकी ज्ञान तथा मानव समाज की बेहतरी के लिए कार्य करती है। आईएपीएस एक ऐसा वैज्ञानिक निकाय है जिसमें भौतिक, गणित, और पृथ्वी विज्ञान की विभिन्न शाखाओं जैसे भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, सांख्यिकी, भूविज्ञान, भूभौतिकी और भूगोल, कंप्यूटर विज्ञान, सूचना विज्ञान, जैव रसायन, बायोफिजिक्स आदि के वैज्ञानिक शामिल हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Jyoti Darpan **Date: 16-02-2022**

इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस के उपाध्यक्ष बने प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार

नारनौल , राजेश राज गोयल,

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार अब प्रतिष्ठित इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस के उपाध्यक्ष की भूमिका का भी निर्वहन करेंगे। वर्ष 2022 व 2023 के लिए इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस (आईएपीएस) की कार्यकारी परिषद की घोषणा की गई है, जिसमें सूरजमल विश्वविद्यालय, उत्तराखंड के कुलपति प्रो. एच.एस. धामी को अध्यक्ष तथा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को उपाध्यक्ष चुना गया है। आईएपीएस भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में खोज, वैज्ञानिक व तकनीकी ज्ञान तथा मानव समाज की बेहतरी के लिए कार्य करती है। आईएपीएस एक ऐसा वैज्ञानिक निकाय है जिसमें भौतिक, गणित, और पृथ्वी विज्ञान की विभिन्न शाखाओं जैसे भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, सांख्यिकी, भूविज्ञान, भूभौतिकी और भूगोल, कंप्यूटर विज्ञान, सूचना विज्ञान, जैव रसायन, बायोफिजिक्स आदि के वैज्ञानिक शामिल हैं। भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में प्रो. टंकेश्वर कुमार के 35 वर्ष के उल्लेखनीय योगदान व उनकी प्रशासिक नेतृत्व क्षमता देखते हुए उन्हें इस प्रतिष्ठित संस्था का उपाध्यक्ष चुना है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस जैसी प्रतिष्ठित संस्था की कार्यकारी परिषद का उपाध्यक्ष चुना जाना उनके लिए गर्व व सम्मान की बात है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि उनके साथ फ्लोरिडा केंद्रीय विश्वविद्यालय, यूएसए के प्रो. राम महापात्रा, सहित दो अन्य उपाध्यक्ष भी चुने गए हैं।उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे संस्था के उद्देश्यों को ध्यान में रखकर संस्था की बेहतरी के लिए कार्य करेंगे। कुलपति ने परिषद की नई टीम को भी शुभकामनाएं दी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 16-02-2022**

आयोजन | हकेंवि में मंगलवार को आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया

मानवाधिकार मानव जीवन के लिए महत्वपूर्णः जस्टिस सतीश मित्तल

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया। हरियाणा मानवाधिकार आयोग की कार्यप्रणाली पर आधारित इस व्याख्यान को हरियाणा मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस सतीश कुमार मित्तल ने संबोधित किया तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर हरियाणा मानव अधिकार आयोग के कुलसचिव कुलदीप जैन भी उपस्थित रहे। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत आयोजित इस व्याख्यान को संबोधित करते हुए जस्टिस सतीश कुमार मित्तल ने कहा कि मनुष्य योनि में जन्म लेने के साथ मिलने वाला प्रत्येक अधिकार मानवाधिकार की श्रेणी में आता है। ये ऐसे अधिकार हैं जो सीधे प्रकृति से संबंध रखते हैं जैसे जीने का अधिकार केवल कानून सम्मत अधिकार नहीं है बल्कि इसे प्रकृति द्वारा प्रदान किया गया है। जस्टिस मित्तल ने कहा कि मानव अधिकारों में आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों के समक्ष समानता का अधिकार एवं शिक्षा का अधिकार आदि नागरिक और राजनैतिक अधिकार भी सम्मिलित हैं। उन्होंने कहा कि मानव अधिकारों एवं मूल अधिकारों के बीच शरीर और आत्मा का सम्बन्ध है। भारतीय संविधान के साथ-साथ मानव अधिकार अधिनियम में न सिर्फ मानवाधिकारों की गारंटी दी गई है बल्कि इसका उल्लंघन करने पर सजा का भी प्रावधान किया गया है। भारतीय संविधान का उद्देश्य एक ऐसे समाज की स्थापना करना है जो विधि संगत होने के साथ मानव हित में भी हो। जस्टिस मित्तल ने हरियाणा मानव अधिकार आयोग की प्रणाली को भी विस्तार से समझाया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को भी उनसे जुड़े विभिन्न अधिकारों की जानकारी दी तथा आयोग के द्वारा उठाए गए कुछ सार्थक कदमों से भी अवगत कराया। व्याख्यान के बाद जस्टिस सतीश कुमार मित्तल ने सवाल-जवाब सत्र के दौरान प्रतिभागियों की शंकाओं का भी समाधान किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्यों एवं अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए।

हकेंवि में जस्टिस एसके मित्तल को स्मृति चिह्न भेंट करती प्रो. सुनीता श्रीवास्तव • सौ. हकेंवि

उन्होंने कहा कि हमारे संविधान ने हमें समता व शिक्षा जैसे अनेक महत्वपूर्ण अधिकार दिए हैं, जो हमें गर्व से जीने की प्रेरणा देते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों के मानवाधिकारों की रक्षा हेतु विश्वविद्यालय में प्री-लिटिगेशन सेल बनाने की घोषणा की, जिसमें विश्वविद्यालय से संबंधित मामले को लेकर कोई भी सहभागी सीधा कुलपति महोदय की अध्यक्षता वाले इस सेल में आउटसाइड कोर्ट सेटलमेंट करा पाने में सक्षम होंगे। इससे पूर्व विश्वविद्यालय की कुलसचिव व आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने जस्टिस सतीश कुमार मित्तल को स्मृति चिह्न भेंट किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने मानवाधिकारों की प्रासंगिकता पर अपने विचार प्रतिभागियों से साझा किए। मुख्य वक्ता व कुलपति का परिचय डा. प्रदीप सिंह ने दिया। मंच का संचालन डा. रेनु यादव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनन्द शर्मा ने प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

****

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 16-02-2022**

'मानवाधिकार मानव जीवन के लिए महत्त्वपूर्ण'

महेन्द्रगढ़, 15 फरवरी (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया। हरियाणा मानवाधिकार आयोग की कार्यप्रणाली पर आधारित इस व्याख्यान को हरियाणा मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस सतीश कुमार मित्तल ने संबोधित किया तथा कार्यक्रम की अध्क्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर हरियाणा मानव अधिकार आयोग के कुलसचिव कुलदीप जैन भी उपस्थित रहे। जस्टिस सतीश कुमार मित्तल ने कहा कि मानवाधिकार सीधे प्रकृति से सम्बन्ध रखते हैं जैसे जीने का अधिकार केवल कानून सम्मत अधिकार नहीं है बल्कि इसे प्रकृति द्वारा प्रदान किया गया है। जस्टिस मित्तल ने कहा कि मानव अधिकारों में आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों के समक्ष समानता एवं शिक्षा का अधिकार, नागरिक और राजनैतिक अधिकार भी शामिल हैं।

दैनिक ट्रिब्यून

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 16-02-2022**

हमारे संविधान ने हमें समता और शिक्षा जैसे अनेक महत्त्वपूर्ण अधिकार दिए हैं, जो हमें गर्व से जीने की प्रेरणा देते हैं : कुलपति

मानवाधिकार मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण: जस्टिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया। हरियाणा मानवाधिकार आयोग की कार्यप्रणाली पर आधारित इस व्याख्यान को हरियाणा मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस सतीश कुमार मित्तल ने संबोधित किया तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने की। इस अवसर पर हरियाणा मानव अधिकार आयोग के कुलसचिव कुलदीप जैन भी उपस्थित रहे। आजादी का अमृत महोत्सव

सजा का भी है प्रावधान

ये ऐसे अधिकार हैं जो सीधे प्रकृति से सम्बन्ध रखते हैं जैसे जीने का अधिकार केवल कानून सम्मत अधिकार नहीं है, बल्कि इसे प्रकृति द्वारा प्रदान किया गया है। जस्टिस मित्तल ने कहा कि मानव अधिकारों में आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों के समक्ष समानता का अधिकार एवं शिक्षा का अधिकार आदि नागरिक और राजनैतिक अधिकार भी सम्मिलित हैं। उन्होंने कहा कि मानव अधिकारों एवं मूल अधिकारों के बीच शरीर और आत्मा का सम्बन्ध है। भारतीय संविधान के साथ-साथ मानव अधिकार अधिनियम में न सिर्फ मानवाधिकारों की गारंटी दी गई है बल्कि इसका उल्लंघन करने पर सजा का भी प्रावधान किया गया है। भारतीय संविधान का उद्देश्य एक ऐसे समाज की स्थापना करना है जो विधि संगत होने के साथ मानव हित में भी हो। जस्टिस मित्तल ने हरियाणा मानव अधिकार आयोग की प्रणाली को भी विस्तार से समझाया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को भी उनसे जुड़े विभिन्न अधिकारों की जानकारी दी तथा आयोग के द्वारा उठाए गए कुछ सार्थक कदमों से भी अवगत कराया। व्याख्यान के बाद जस्टिस सतीश कुमार मित्तल ने सवाल-जवाब सत्र के दौरान प्रतिभागियों की शंकाओं का भी समाधान किया।

महेंद्रगढ़। मुख्य अतिथि एवं चेयरमैन सतीश मित्तल को सम्मानित करते हुए कुलपति टंकेश्वर एवं अन्य।

प्रासंगिकता पर प्रतिभागियों से साझा किए विचार

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्यों एवं अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान ने हमें समता व शिक्षा जैसे अनेक महत्त्वपूर्ण अधिकार दिए हैं, जो हमें गर्व से जीने की प्रेरणा देते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों के मानवाधिकारों की रक्षा हेतु विश्वविद्यालय में प्री-लिटिगेशन सेल बनाने की घोषणा की, जिसमें विश्वविद्यालय से संबंधित मामले को लेकर कोई भी सहभागी सीधा कुलपति महोदय की अध्यक्षता वाले इस सेल में आउटसाइड कोर्ट सेटलमेंट करा पाने में सक्षम होंगे। इससे पूर्व विश्वविद्यालय की कुलसचिव व आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने जस्टिस सतीश कुमार मित्तल को स्मृति चिह्न भेंट किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने मानवाधिकारों की प्रासंगिकता पर अपने विचार प्रतिभागियों से साझा किए। मुख्य वक्ता व कुलपति का परिचय डॉ. प्रदीप सिंह ने दिया। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. रेनु यादव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनन्द शर्मा ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंविवि : गुरु रविदास जयंती पर किया वेबिनार

महेंद्रगढ़। गुरु रविदास जयंती के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंविवि) में वेबिनार का आयोजन किया गया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा दृ्घस्व, वेबिनार में केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री विरेंद्र कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। विश्वविद्यालय में ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। मुख्य अतिथि विरेंद्र कुमार ने कहा कि ईश्वर हर जगह विद्यमान है और हमें मानव व मानवता से प्रेम करना चाहिए। विश्वविद्यालय ने थोड़े समय में जो तरक्की की है वह प्रशंसनीय है। संवाद

गुरु रविदास जयंती पर हकेंवि में वेबिनार, केंद्रीय मंत्री ने किया संबोधित

महेंद्रगढ़ | गुरु रविदास जयंती के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को वेबिनार हुआ। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित इस वेबिनार में केंद्रीय सामाजिक न्याय एव अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। अध्यक्षता कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। विश्वविद्यालय में ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि वीरेंद्र कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि ईश्वर हर जगह विद्यमान है और हमें मानव व मानवता से प्रेम करना चाहिए। विवि का परिचय व मंत्री का परिचय प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने और कुलपति का परिचय प्रो. सारिका शर्मा ने दिया। मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ के अधिष्ठाता प्रो. चंचल कुमार शर्मा ने बताया कि वेबिनार के लिए लगभग 300 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया। कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता विभाग के सहायक आचार्य आलेख एस नायक ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुरेंद्र सिंह ने किया। वेबिनार के सफल आयोजन में प्रो. पवन कुमार मौर्य, डॉ. दिलबाग, निशान सिंह ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। वेबिनार में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हरियाणा की भूमि वीर सपूतों की भूमि : विरेंद्र

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : गुरु रविदास जयंती के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में बुधवार को वेबिनार का आयोजन किया गया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित इस वेबिनार में केंद्रीय सामाजिक न्याय एव अधिकारिता मंत्री विरेंद्र कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। विश्वविद्यालय में ऑनलाइन व आफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि विरेंद्र कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि ईश्वर हर जगह विद्यमान है और हमें मानव व मानवता से प्रेम करना चाहिए। हरियाणा की भूमि वीर सपूतों की भूमि है। इसका प्रमाण यहां देश के विभिन्न राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के अध्ययनरत विद्यार्थी व 70 से अधिक पाठ्यक्रम संचालित होना है। यह विश्वविद्यालय प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में दिन दुगनी रात चौगुनी प्रगति कर रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मंत्री महोदय का स्वागत करते हुए कहा कि यह विवि गुरु रविदास के सपनों को पूर्ण रूप से साकार कर रहा है।

समाजहित में कार्य करें युवा : राव दान सिंह

संवाद सूत्र, सतनाली : संत शिरोमणि रविदास जयंती अवसर पर कस्बे के अंबेडकर पार्क में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे स्थानीय विधायक व पूर्व सीपीएस राव दान सिंह ने संत रविदास की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया। इस दौरान पूर्व सीपीएस राव दान सिंह ने कहा कि संत शिरोमणी रविदास समाज में फैले भेद-भाव, छुआछूत के जमकर विरोधी थे। इस दौरान एडवोकेट पवन शेखावत, कैलाशचंद नारनौलिया सहित अनेक गणमान्यजनों ने संत रविदास की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया । इस मौके पर अनेक गणमान्यजन मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। वेबिनार में भाग लेते केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र एवं कुलपति टंकेश्वर। फोटो : हरिभूमि

गुरु रविदास जयंती पर केंद्रीय विवि में वेबिनार कार्यक्रम केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र ने लिया भाग

महेंद्रगढ़। गुरु रविदास जयंती के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को वेबिनार का आयोजन किया गया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार में केंद्रीय सामाजिक न्याय एव अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने की। विश्वविद्यालय में ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वीरेंद्र ने कहा कि ईश्वर हर जगह विद्यमान है और हमें मानव व मानवता से प्रेम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा की भूमि वीर सपूतों की भूमि है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने मंत्री महोदय का स्वागत करते हुए कहा कि यह

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

CUH organised webinar on Guru Ravidas Jayanti

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 17-02-2022**

गुरु रविदास से प्रेरणा लेकर सामाजिक समरसता का संदेश हर घर तक पहुंचाना चाहिए: मंत्री विरेंद्र कुमार

■ गुरु रविदास जयंती पर हकेंवि में कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़, 16 फरवरी (परमजीत, मोहन): गुरु रविदास जयंती के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में बुधवार को वैबिनार का आयोजन किया गया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित इस वैबिनार में केंद्रीय सामाजिक न्याय एव अधिकारिता मंत्री विरेंद्र कुमार ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। विश्वविद्यालय में ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ।

गुरु रविदास जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते केंद्रीय मंत्री विरेंद्र सिंह।

कार्यक्रम में मुख्यातिथि विरेंद्र कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि ईश्वर हर जगह विद्यमान है और हमें मानव व मानवता से प्रेम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा की भूमि वीर सपूतों की भूमि है। मैं यहां पर इस विश्वविद्यालय में जुड़कर अपने आपको युवा महसूस कर रहा हूं। इस विश्वविद्यालय ने थोड़े समय में जो तरक्की की है वह प्रशंसनीय है। इसका प्रमाण यहां देश के विभिन्न राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के अध्ययनरत विद्यार्थी व 70 से अधिक पाठ्यक्रम संचालित होना है। यह विश्वविद्यालय प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में दिन दुगनी रात चौगुनी प्रगति कर रहा है।

मुख्यातिथि ने कहा कि विश्वविद्यालय व सरकार का एक ही लक्ष्य है कि किस तरह से अंत्योदय की भावना के साथ सभी का कल्याण किया जाए व सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के सपने को साकार किया जाए। जो समाज में सबसे नीचे है उन्हें उन्नति का अवसर प्रदान करें। उन्होंने कहा कि हमने गुरु रविदास जी के विचारों को सौ प्रतिशत आत्मसात किया है और नेक नीयत के साथ न केवल हर वादों को निभाया है, वरन उससे भी आगे बढ़कर कार्य किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की बेटियां हर क्षेत्र में आगे हैं, चाहे वह खेल हो या अंतरिक्ष हो। हमें गुरु रविदास जी से प्रेरणा लेकर सामाजिक समरसता का संदेश हर घर तक पहुंचाना चाहिए।

मानवता की सेवा करते हुए हम परमात्मा को प्राप्त कर सकते हैं: प्रो. टंकेश्वर

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मंत्री महोदय का स्वागत करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय गुरु रविदास जी के सपनों को पूर्ण रूप से साकार कर रहा है। हम सभी में परमात्मा विद्यमान है। जरूरत है उसे ढूंढने की। मानवता की सेवा करते हुए हम परमात्मा को प्राप्त कर सकते हैं। विश्वविद्यालय सामाजिक संदेश देने में व सामाजिक जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

विश्वविद्यालय का लक्ष्य है कि किस तरह से गुरु रविदास के सपनों को साकार किया जाए और सभी विद्यार्थियों को समान अवसर मिले तथा जिनको समाज में अभी तक उन्नति के अवसर नहीं मिले उनको आगे लाने के लिए विश्वविद्यालय विशेष प्रयास कर रहा है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय व मंत्री का परिचय प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने और कुलपति महोदय का परिचय प्रो. सारिका शर्मा ने दिया। वैबिनार के सफल आयोजन में प्रो. पवन कुमार मौर्य, डा. दिलबाग, निशान सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वैबिनार में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 17-02-2022**

हकेंवि : गुरु रविदास जयंती पर किया वेबिनार

महेंद्रगढ़। गुरु रविदास जयंती के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंविवि) में वेबिनार का आयोजन किया गया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा दृश्य, वेबिनार में केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री विरेंद्र कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। विश्वविद्यालय में ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। मुख्य अतिथि विरेंद्र कुमार ने कहा कि ईश्वर हर जगह विद्यमान है और हमें मानव व मानवता से प्रेम करना चाहिए। विश्वविद्यालय ने थोड़े समय में जो तरक्की की है वह प्रशंसनीय है। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 17-02-2022**

गुरु रविदास जयंती पर हकेंवि में वेबिनार, केंद्रीय मंत्री ने किया संबोधित

महेंद्रगढ़ | गुरु रविदास जयंती के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को वेबिनार हुआ। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित इस वेबिनार में केंद्रीय सामाजिक न्याय एव अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। अध्यक्षता कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। विश्वविद्यालय में ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि वीरेंद्र कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि ईश्वर हर जगह विद्यमान है और हमें मानव व मानवता से प्रेम करना चाहिए। विवि का परिचय व मंत्री का परिचय प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने और कुलपति का परिचय प्रो. सारिका शर्मा ने दिया। मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ के अधिष्ठाता प्रो. चंचल कुमार शर्मा ने बताया कि वेबिनार के लिए लगभग 300 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया। कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता विभाग के सहायक आचार्य आलेख एस नायक ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुरेंद्र सिंह ने किया। वेबिनार के सफल आयोजन में प्रो. पवन कुमार मौर्य, डॉ. दिलबाग, निशान सिंह ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। वेबिनार में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 17-02-2022**

हरियाणा की भूमि वीर सपूतों की भूमि : विरेंद्र

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : गुरु रविदास जयंती के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में बुधवार को वेबिनार का आयोजन किया गया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित इस वेबिनार में केंद्रीय सामाजिक न्याय एव अधिकारिता मंत्री विरेंद्र कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। विश्वविद्यालय में ऑनलाइन व आफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि विरेंद्र कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि ईश्वर हर जगह विद्यमान है और हमें मानव व मानवता से प्रेम करना चाहिए। हरियाणा की भूमि वीर सपूतों की भूमि है। इसका प्रमाण यहां देश के विभिन्न राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के अध्ययनरत विद्यार्थी व 70 से अधिक पाठ्यक्रम संचालित होना है। यह विश्वविद्यालय प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में दिन दुगनी रात चौगुनी प्रगति कर रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मंत्री महोदय का स्वागत करते हुए कहा कि यह विवि गुरु रविदास के सपनों को पूर्ण रूप से साकार कर रहा है।

समाजहित में कार्य करें युवा : राव दान सिंह

संवाद सूत्र, सतनाली : संत शिरोमणि रविदास जयंती अवसर पर कस्बे के अंबेडकर पार्क में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे स्थानीय विधायक व पूर्व सीपीएस राव दान सिंह ने संत रविदास की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया। इस दौरान पूर्व सीपीएस राव दान सिंह ने कहा कि संत शिरोमणी रविदास समाज में फैले भेद-भाव, छुआछूत के जमकर विरोधी थे। इस दौरान एडवोकेट पवन शेखावत, कैलाशचंद नारनौलिया सहित अनेक गणमान्यजनों ने संत रविदास की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया। इस मौके पर अनेक गणमान्यजन मौजूद रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 17-02-2022**

महेंद्रगढ़। वेबिनार में भाग लेते केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र एवं कुलपति टंकेश्वर। फोटो: हरिभूमि

गुरु रविदास जयंती पर केंद्रीय विवि में वेबिनार कार्यक्रम केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र ने लिया भाग

महेंद्रगढ़। गुरु रविदास जयंती के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को वेबिनार का आयोजन किया गया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार में केंद्रीय सामाजिक न्याय एव अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविवद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने की। विश्वविद्यालय में ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वीरेंद्र ने कहा कि ईश्वर हर जगह विद्यमान है और हमें मानव व मानवता से प्रेम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा की भूमि वीर सपूतों की भूमि है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने मंत्री महोदय का स्वागत करते हुए कहा कि यह

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Rashtriya Khabar **Date: 17-02-2022**

गुरु रविदास जयंती पर हकेवि में कार्यक्रम किए आयोजित

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

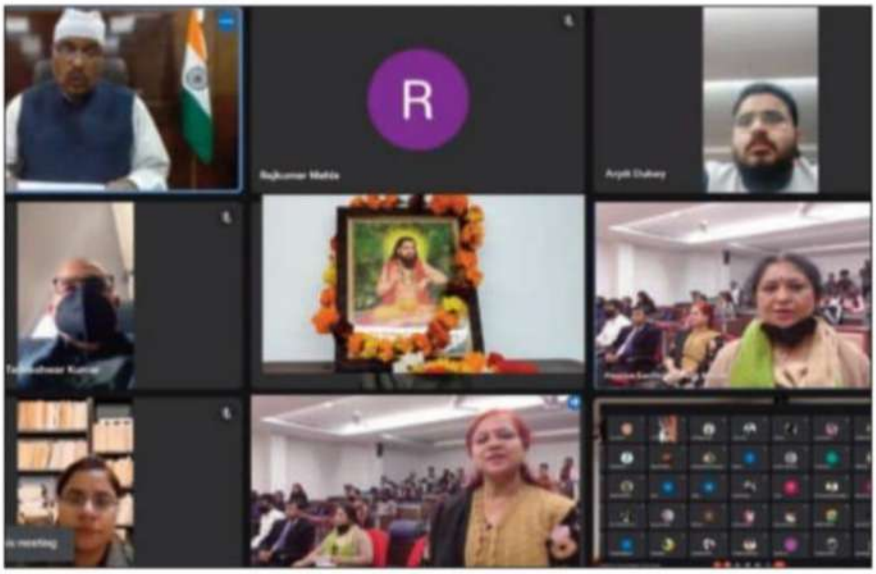

चंडीगढ़। गुरु रविदास जयंती के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को वेबिनार का आयोजन किया गया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित इस वेबिनार में केंद्रीय सामाजिक न्याय एव अधिकारिता मंत्री विरेंद्र कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविवद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। विश्वविद्यालय में ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि विरेंद्र कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि ईश्वर हर जगह विद्यमान है और हमें मानव व मानवता से प्रेम करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हरियाणा की भूमि वीर सपूतों की भूमि है। मैं यहां पर इस विश्वविद्यालय में जुड़कर अपने आप को युवा महसूस कर रहा हूँ। इस विश्वविद्यालय ने थोड़े समय में जो तरक्की की है वह प्रशंसनीय है। इसका प्रमाण यहां देश के विभिन्न राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के अध्ययनरत विद्यार्थी व 70 से अधिक पाठ्यक्रम संचालित होना है। यह विश्वविद्यालय प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में दिन दुगनी रात चौगुनी प्रगति कर रहा है। मुख्य अतिथि ने कहा कि विश्वविद्यालय व सरकार का एक ही लक्ष्य है कि किस तरह से अंत्योदय की भावना के साथ सभी का कल्याण किया जाए व सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के सपने को साकार किया जाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय गुरु रविदास जी के सपनों को पूर्ण रूप से साकार कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी में परमात्मा विद्यमान है। जरूरत है उसे ढूंढने की। मानवता की सेवा करते हुए हम परमात्मा को प्राप्त कर सकते हैं। विश्वविद्यालय सामाजिक संदेश देने में व सामाजिक जागरूकता फैलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

गुरु रविदास से प्रेरणा लेकर सामाजिक समरसता का संदेश हर घर तक पहुंचाना चाहिए: मंत्री विरेंद्र कुमार

■ **गुरु रविदास जयंती पर हकेंवि में कार्यक्रम आयोजित**

महेंद्रगढ़, 16 फरवरी (परमजीत, मोहन): गुरु रविदास जयंती के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में बुधवार को वैबिनार का आयोजन किया गया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित इस वैबिनार में केंद्रीय सामाजिक न्याय एव अधिकारिता मंत्री विरेंद्र कुमार ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। विश्वविद्यालय में ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ।

गुरु रविदास जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते केंद्रीय मंत्री विरेंद्र सिंह।

कार्यक्रम में मुख्यातिथि विरेंद्र कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि ईश्वर हर जगह विद्यमान है और हमें मानव व मानवता से प्रेम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा की भूमि वीर सपूतों की भूमि है। मैं यहां पर इस विश्वविद्यालय में जुड़कर अपने आपको युवा महसूस कर रहा हूं। इस विश्वविद्यालय ने थोड़े समय में जो तरक्की की है वह प्रशंसनीय है। इसका प्रमाण यहां देश के विभिन्न राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के अध्ययनरत विद्यार्थी व 70 से अधिक पाठ्यक्रम संचालित होना है। यह विश्वविद्यालय प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में दिन दुगनी रात चौगुनी प्रगति कर रहा है।

मुख्यातिथि ने कहा कि विश्वविद्यालय व सरकार का एक ही लक्ष्य है कि किस तरह से अंत्योदय की भावना के साथ सभी का कल्याण किया जाए व सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के सपने को साकार किया जाए। जो समाज में सबसे नीचे है उन्हें उन्नति का अवसर प्रदान करे। उन्होंने कहा कि हमने गुरु रविदास जी के विचारों को सौ प्रतिशत आत्मसात किया है और नेक नीयत के साथ न केवल हर वादों को निभाया है, वरन उससे भी आगे बढ़कर कार्य किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की बेटियां हर क्षेत्र में आगे हैं, चाहे वह खेल हो या अंतरिक्ष हो। हमें गुरु रविदास जी से प्रेरणा लेकर सामाजिक समरसता का संदेश हर घर तक पहुंचाना चाहिए।

मानवता की सेवा करते हुए हम परमात्मा को प्राप्त कर सकते हैं: प्रो. टंकेश्वर

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मंत्री महोदय का स्वागत करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय गुरु रविदास जी के सपनों को पूर्ण रूप से साकार कर रहा है। हम सभी में परमात्मा विद्यमान है। जरूरत है उसे ढूंढने की। मानवता की सेवा करते हुए हम परमात्मा को प्राप्त कर सकते हैं। विश्वविद्यालय सामाजिक संदेश देने में व सामाजिक जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

विश्वविद्यालय का लक्ष्य है कि किस तरह से गुरु रविदास के सपनों को साकार किया जाए और सभी विद्यार्थियों को समान अवसर मिले तथा जिनको समाज में अभी तक उन्नति के अवसर नहीं मिले उनको आगे लाने के लिए विश्वविद्यालय विशेष प्रयास कर रहा है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय व मंत्री का परिचय प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने और कुलपति महोदय का परिचय प्रो. सारिका शर्मा ने दिया। वैबिनार के सफल आयोजन में प्रो. पवन कुमार मौर्य, डा. दिलबाग, निशान सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वैबिनार में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

गुरु रविदास जयंती पर हकेवि में कार्यक्रम किए आयोजित

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

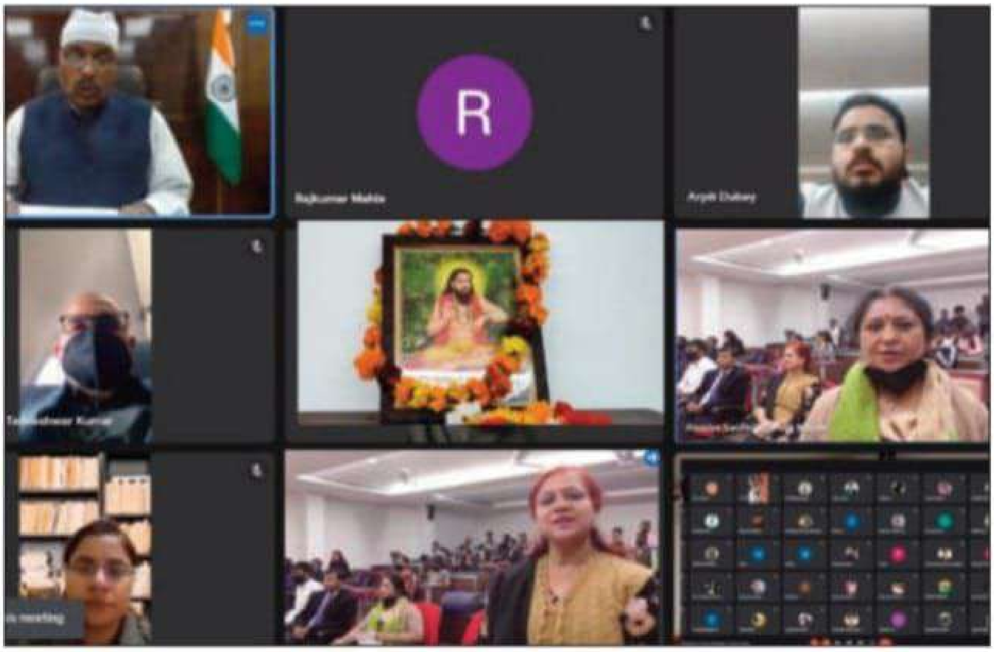

चंडीगढ़। गुरु रविदास जयंती के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को वेबिनार का आयोजन किया गया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित इस वेबिनार में केंद्रीय सामाजिक न्याय एव अधिकारिता मंत्री विरेंद्र कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविवद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। विश्वविद्यालय में ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि विरेंद्र कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि ईश्वर हर जगह विद्यमान है और हमें मानव व मानवता से प्रेम करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हरियाणा की भूमि वीर सपूतों की भूमि है। मैं यहां पर इस विश्वविद्यालय में जुड़कर अपने आप को युवा महसूस कर रहा हूँ। इस विश्वविद्यालय ने थोड़े समय में जो तरक्की की है वह प्रशंसनीय है। इसका प्रमाण यहां देश के विभिन्न राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के अध्ययनरत विद्यार्थी व 70 से अधिक पाठ्यक्रम संचालित होना है। यह विश्वविद्यालय प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में दिन दुगनी रात चौगुनी प्रगति कर रहा है। मुख्य अतिथि ने कहा कि विश्वविद्यालय व सरकार का एक ही लक्ष्य है कि किस तरह से अंत्योदय की भावना के साथ सभी का कल्याण किया जाए व सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के सपने को साकार किया जाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय गुरु रविदास जी के सपनों को पूर्ण रूप से साकार कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी में परमात्मा विद्यमान है। जरूरत है उसे ढूंढने की। मानवता की सेवा करते हुए हम परमात्मा को प्राप्त कर सकते हैं। विश्वविद्यालय सामाजिक संदेश देने में व सामाजिक जागरूकता फैलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran, Indian Express & Financial Express **Date: 18-02-2022**

CENTRAL UNIVERSITY OF HARYANA

NAAC Accredited 'A' Grade University
Mahendergarh (Haryana)-123031

Advt. No.: 02/NT/R/2022 Date: 16-02-2022

EMPLOYMENT NOTICE

Online applications are invited from the eligible candidates for appointment to various non-teaching posts. Online Application Form and other related details are available on the University's Website **www.cuh.ac.in**. Any further information in this regard shall be uploaded on the University's website only. The last date for submission ofonline application is16.03.2022.

Registrar

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

नैक द्वारा 'ए' ग्रेड मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय
महेंद्रगढ़ (हरियाणा)-123031

विज्ञापन सं. 02/एनटी/आर/2022 दिनांक : 16.02.2022

रोजगार सूचना

विभिन्न शिक्षणेत्तर पदों पर नियुक्ति के लिए पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। ऑनलाइन आवेदन पत्र और अन्य विस्तृतविवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.cuh.ac.in** पर उपलब्ध हैं। इस संबंध में किसी भी प्रकार की अन्य जानकारी केवल विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 16.03.2022 है।

कुलसचिव

विकसित देशों को उत्कृष्ट बनाती है वहां की भाषाई एकता

महेंद्रगढ़। इजराइल, फ्रांस, जर्मनी जैसे विकसित देशों को उत्कृष्टता प्राप्त करने में वहां की भाषाई एकता की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है। भारत के पुरातन ज्ञान के प्रति श्रद्धा और भविष्य निर्माण के लिए जारी प्रयासों के निर्धारित लक्ष्यों को पाने में संवाद की भाषा के स्तर पर एकरूपता महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस दिशा में जारी प्रयासों को मूर्त रूप देने में बुद्धिजीवी वर्ग की भूमिका अहम है। यह विचार हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद, पंचकूला के अध्यक्ष प्रो. बीके कुठियाला ने सोमवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति के प्रयासों से ऑनलाइन आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल अधिकारी व कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने विषय की जानकारी दी। और कुलपति का परिचय प्रस्तुत किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अध्यक्षीय संबोधन में मातृभाषा से प्यार और उसके विकास के लिए विभिन्न प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने बताया कि आज इंजीनियरिंग विषयों जैसे तकनीकी विषयों की पढ़ाई हिंदी में हो पा रही है। कुलपति ने विश्व के विकसित राष्ट्रों की प्रगति में उनकी राष्ट्र भाषा के योगदान का भी उल्लेख किया। उन्होंने सभी को मातृभाषा के सम्मान व संरक्षण के लिए भी संकल्प दिलाया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि का परिचय भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार ने प्रस्तुत किया जबकि कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ के प्रो. प्रमोद कुमार ने दिया।

नारनौल से हकेंवि तक बस सेवा शुरू, किया स्वागत

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा रोडवेज नारनौल डिपो ने केन्द्रीय विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए लॉकडाउन के दौरान से बंद बस सेवा को फिर बहाल कर दिया है। छात्र संगठन सदस्य अक्षय मालडा ने बताया कि हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय जाट-पाली में है जो शहर से काफी दूरी पर है। जिस कारण विश्वविद्यालय शुरू होने पर छात्र-छात्राओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। जिसको लेकर छात्र संगठन ने नारनौल डिपो के महाप्रबंधक नवीन शर्मा से बस सेवा पुनः शुरू करने की मांग की थी। सोमवार से बस नारनौल डिपो से केंद्रीय विश्वविद्यालय पहुंची, जहां छात्र संगठन के सदस्यों ने बस चालक व परिचालक को फूल माला-पहनाकर स्वागत किया। विद्यार्थियों ने डिपो महाप्रबंधक नवीन शर्मा, टीएम अमित कुमार, डीआई विक्रम यादव, अड्डा इंचार्ज वेद प्रकाश का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर गजेंद्र, प्रवीन, यशपाल, जतिन, अमित, विनय सोनी, रमेश शर्मा, महेश, निहाल, देवेंद्र सहित अन्य उपस्थित रहे।

हरिभूमि

रोहतक -महेन्द्रगढ़

22 Feb 2022

बेविनार हकेंवि में अंतरर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

मातृभाषा से प्यार और विकास को महत्वपूर्ण बताया

संवाद की एक भाषा का विकास जरूरी मातृभाषा में ज्ञान से होगा राष्ट्र का विकास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

इजराइल, फ्रांस व जर्मनी जैसे विकसित देशों को उत्कृष्टता प्राप्त करने में वहां की भाषाई एकता की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है। भारत के पुरातन ज्ञान के प्रति श्रद्धा और भविष्य निर्माण के लिए जारी प्रयासों के निर्धारित लक्ष्यों को पाने में संवाद की भाषा के स्तर पर एकरूपता महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस दिशा में जारी प्रयासों को मूर्त रूप देने में बुद्धिजीवी वर्ग की भूमिका अहम है। यह विचार हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद

महेंद्रगढ़ । वेबिनार में भाग लेते केंद्रीय विवि के कुलपति टंकेश्वर एवं अन्य।

पंचकुला के अध्यक्ष प्रो. बीके कुठियाला ने सोमवार को हकेंवि में आयोजित अंतर राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने की। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति के प्रयासों से ऑनलाइन आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर व कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने विषय की जानकारी दी और कुलपति का परिचय प्रस्तुत किया। कुलपति ने अध्यक्षीय संबोधन में मातृभाषा से प्यार और उसके विकास के लिए विभिन्न प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। इसी क्रम में कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. बीके कुठियाला ने भाषाई एकता का उल्लेख करते हुए मातृभाषा के विकास और उसमें वर्णित ज्ञान के संरक्षण व संवर्धन पर जोर दिया। प्रो. कुठियाला ने मातृभाषाओं की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए भाषाई एकता की दिशा में जारी विशेष प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान में वर्णित 22 भाषाओं के स्तर पर विशेष एकीकृत शब्दकोश के निर्माण की प्रक्रिया जारी है, जिसके परिणाम स्वरूप पूरे देश में भाषाई एकता की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की विवरण पुस्तिका का किया विमोचन

हकेंवि में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की विवरण पुस्तिका का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़, 22 फरवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के भूगोल विभाग द्वारा अंतर्राट्रीय भौगोलिक संघ (आई.जी.यू.) के सहयोग से 24-25 नवम्बर 2022 को आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की विवरण पुस्तिका का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। आई.जी.यू. के पदाधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति ने इसके सफल आयोजन के लिए प्रेरित किया।

'संपोषणीय, पृथ्वी के भविष्य और मानविकी: अवसर और चुनौतियां' विषय पर केंद्रित इस सम्मेलन की विवरण पुस्तिका के विमोचन के अवसर पर आई.जी.यू. के सहायक महासचिव डॉ. पंकज कुमार भी उपस्थित रहे।

उन्होंने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय भौगोलिक संघ एक अंतर्राष्ट्रीय, गैर-सरकारी, पेशेवर संगठन है जो भूगोल विषय के विकास के लिए समर्पित है। भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार ने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से न सिर्फ भूगोल विषय का विकास होगा बल्कि विषय स्तर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की उपलब्धियों से भी अवगत होने का अवसर प्रतिभागियों को उपलब्ध होगा। इस अवसर पर डा. सूरजमल, डा. नरेश कुमार, डा. संदीप राणा सहित विश्वविद्यालय में सह-आचार्य डा. मनोज कुमार, डा. राजीव कुमार सिंह भी उपस्थित रहे।

INTERNATIONAL MOTHER TONGUE DAY

Mahendragarh: The Central University of Haryana (CUH) organised an online programme to mark International Mother Tongue Day. Vice-Chancellor Prof Tankeswar Kumar said Prof BK Kuthiala, chairman of Haryana State Higher Education Council, Panchkula, was the keynote speaker, who said uniformity at the level of language of dialogue could play an important role in achieving the set goals of India's reverence for ancient knowledge and efforts to build the future. The role of the intelligentsia is important in giving concrete shape to the ongoing efforts in this direction.

तैयारी 25 फरवरी को स्पंदन और राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह का होगा आयोजन

हकेंवि का चार दिवसीय समारोह कल से होगा शुरू

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 25 से 28 फरवरी तक वार्षिकोत्सव, दीक्षांत समारोह, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम होंगे। दीक्षांत समारोह में मुख्यातिथि राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय होंगे।

जबकि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के तहत आयोजित कार्यक्रमों की शृंखला का शुभारंभ पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त प्रो. एचसी वर्मा करेंगे। विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव व स्थापना दिवस पर प्रो. एचसी वर्मा कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चार दिवसीय आयोजनों की शृंखला को विद्यार्थियों में नई चेतना व उत्साह का संचार करने वाला बताया।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के माध्यम से अपनी विकास यात्रा का स्मरण करेगा तो विज्ञान दिवस के माध्यम से एक मंच पर विज्ञान के क्षेत्र में नई सोच के विकास का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़।

कल विज्ञान दिवस से होगी कार्यक्रमों की शुरूआत : विश्वविद्यालय में 25 फरवरी से शुरू हो रहे राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह की संयोजिका प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ष विज्ञान दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने जा रहा है, जिसकी शुरूआत 25 फरवरी को चेंबर्स ऑफ इनोवेशन के तहत विभिन्न विभागीय व स्थानीय स्कूलों के उल्लेखनीय प्रयासों की प्रदर्शनी के साथ होगी। इसका शुभारंभ पद्मश्री प्रो. एचसी वर्मा करेंगे।

27 फरवरी को होगा दीक्षांत समारोह

कुलपति ने बताया कि 25 फरवरी को स्पंदन 2022 व नवाचार विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता के साथ आयोजनों का शुभारंभ होगा। समापन राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ होगा। 27 फरवरी को आयोजित होने वाले आठवें दीक्षांत समारोह के संदर्भ में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस बार विश्वविद्यालय 1078 विद्यार्थियों, शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान करेगा। इसमें 24 शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 19 को पीएचडी, 14 को एमफिल और 1045 को स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि प्रदान की जाएगी। कुलपति ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि दीक्षांत समारोह में मुख्यातिथि राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय होंगे। 26 फरवरी को विश्वविद्यालय के प्रो. मूलचंद सभागार में पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा।

26 फरवरी को होंगी विभिन्न प्रतियोगिताएं

26 फरवरी को पेंटिंग, प्रश्नोत्तरी, भाषण आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। 28 फरवरी को विज्ञान दिवस के अवसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए विश्वविद्यालय में नागालैंड विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. कृष्णमूर्ति कन्नन तथा गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रो. नीरज दिलबागी उपस्थित रहेंगे। 25 फरवरी को आयोजित होने वाले विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव स्पंदन व स्थापना दिवस के संदर्भ में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि इस वर्ष एक दिवसीय स्पंदन कार्यक्रम का शुभारंभ पद्मश्री प्रो. एचसी वर्मा करेंगे। इस अवसर पर ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से विभिन्न संगीत, नृत्य, कविता, नाटक आदि प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

हकेंवि में 4 दिवसीय आयोजनों का शुभारंभ 25 से, स्पंदन और राष्ट्रीय विज्ञान दिवस से होगी शुरूआत

महेंद्रगढ़| हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ 25 फरवरी से 28 फरवरी तक विश्वविद्यालय में वार्षिकोत्सव, दीक्षांत समारोह, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करने जा रहा है। विवि में होने वाले चार दिवसीय इन आयोजनों के अंतर्गत दीक्षांत समारोह के अवसर पर राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी जबकि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला का शुभारंभ पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त प्रो. एचसी वर्मा करेंगे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चार दिवसीय आयोजनों की श्रृंखला को विद्यार्थियों में नई चेतना व उत्साह का संचार करने वाला बताया। इस बार विश्वविद्यालय 1078 विद्यार्थियों शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान करने जा रहा है। इसमें 24 विद्यार्थियों शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 19 को पीएचडी, 14 को एमफिल और 1045 को स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से विभिन्न संगीत, नृत्य, कविता, नाटक आदि प्रस्तुतियां विद्यार्थियों द्वारा दी जाएगी।

हरियाणा केंद्रीय विवि में आयोजनों का शुभारंभ

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ आगामी 25 फरवरी से 28 फरवरी तक विश्वविद्यालय में वार्षिकोत्सव, दीक्षांत समारोह, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करने जा रहा है। विश्वविद्यालय में होने वाले चार दिवसीय इन आयोजनों के अंतर्गत दीक्षांत समारोह के अवसर पर माननीय राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी जबकि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला का शुभारंभ पदमश्री पुरस्कार प्राप्त प्रो. एचसी वर्मा करेंगे। विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव व स्थापना दिवस के अवसर पर प्रो. एचसी वर्मा कार्यक्रम की शोभा

आयोजन

- 25 को स्पंदन व राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के साथ होगी शुरुआत
- 26 फरवरी को पूर्व छात्र मिलन व 27 फरवरी को दीक्षांत समारोह

बढ़ायेंगे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चार दिवसीय आयोजनों की श्रृंखला को विद्यार्थियों में नई चेतना व उत्साह का संचार करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि 25 से 28 फरवरी तक विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के माध्यम से अपनी विकास यात्रा का स्मरण करेगा तो विज्ञान दिवस के माध्यम से एक मंच पर विज्ञान के क्षेत्र में नई सोच के विकास का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा। कुलपति ने बताया कि 25 फरवरी को स्पंदन 2022 व नवाचार विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता के साथ आयोजनों का शुभारंभ होगा तथा समापन राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ होगा। 27 फरवरी को आयोजित होने वाले आठवें दीक्षांत समारोह के संदर्भ में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस बार विश्वविद्यालय 1078 विद्यार्थियों शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान करने जा रहा है। इसमें 24 विद्यार्थियों शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 19 को पीएचडी, 14 को एमफिल और 1045 को स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि प्रदान की जाएगी। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा राज्य के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय हमारे बीच उपस्थित रहेंगे। दीक्षांत समारोह से पूर्व 26 फरवरी को विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मूलचंद सभागार में पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में विवि में 25 फरवरी से शुरू हो रहे राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह की संयोजिका प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ष विज्ञान दिवस के अवसर पर विवि विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने जा रहा है, जिसकी शुरूआत 25 फरवरी को वंडर्स ऑफ इनोवेशन के अंतर्गत विभिन्न विभागीय व स्थानीय स्कूलों के उल्लेखनीय प्रयासों की प्रदर्शनी के साथ होगी। इसका शुभारंभ पदमश्री प्रो. एचसी वर्मा करेंगे। 26 फरवरी को पेंटिंग, प्रश्नोत्तरी, भाषण आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा।

हरिभूमि

रोहतक -महेन्द्रगढ़

24 Feb 2022

25 को स्पंदन व राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह के साथ होगी शुरूआत

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में चार दिवसीय आयोजन का शुभारंभ कल से, 27 को आएंगे महामहिम राज्यपाल

26 को पूर्व छात्र मिलन समारोह व 27 को दीक्षांत समारोह का होगा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 25 फरवरी से 28 फरवरी तक विश्वविद्यालय में वार्षिकोत्सव, दीक्षांत समारोह व राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करने जा रहा है। विश्वविद्यालय में होने वाले चार दिवसीय इन आयोजनों के अंतर्गत दीक्षांत समारोह के अवसर पर राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी, जबकि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला का शुभारंभ पदमश्री पुरस्कार प्राप्त प्रो. एचसी वर्मा करेंगे। विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव व स्थापना दिवस के अवसर पर प्रो. एचसी वर्मा कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे।

नई सोच का मार्ग किया जाएगा प्रशस्त

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने चार दिवसीय आयोजनों की श्रृंखला को विद्यार्थियो में नई चेतना व उत्साह का संचार करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि 25 से 28 फरवरी तक विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के माध्यम से अपनी विकास यात्रा का स्मरण करेगा तो विज्ञान दिवस के माध्यम से एक मंच पर विज्ञान के क्षेत्र में नई सोच के विकास का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा। कुलपति ने बताया कि 25 फरवरी को स्पंदन 2022 व नवाचार विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता के साथ आयोजनों का शुभारंभ होगा तथा समापन राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ होगा। 27 फरवरी को आयोजित होने वाले आठवें दीक्षांत समारोह के संदर्भ में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस बार विश्वविद्यालय 1078 विद्यार्थियो शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान करने जा रहा है। इसमें 24 विद्यार्थियो शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 19 को पीएचडी, 14 को एमफिल और 1045 को स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि प्रदान की जाएगी।

प्रदर्शनी का शुभारंभ पदमश्री प्रो. एचसी वर्मा करेंगे

प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय हमारे बीच उपस्थित रहेंगे। दीक्षांत समारोह से पूर्व 26 फरवरी को विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मूलचंद सभागार में पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में विश्वविद्यालय में 25 फरवरी से शुरू हो रहे राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह की संयोजिका प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ष विज्ञान दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने जा रहा है, जिसकी शुरूआत 25 फरवरी को वंडर्स ऑफ इनोवेशन के अंतर्गत विभिन्न विभागीय व स्थानीय स्कूलों के उल्लेखनीय प्रयासों की प्रदर्शनी के साथ होगी। इसका शुभारम्भ पदमश्री प्रो. एचसी वर्मा करेंगे। 26 फरवरी को पेंटिंग, प्रश्नोत्तरी, भाषण आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। 28 फरवरी को विज्ञान दिवस के अवसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए विश्वविद्यालय में नागालैंड विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. कृष्णमूर्ति कन्नन तथा गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रो. नीरज दिलबागी उपस्थित रहेंगे।

ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रस्तुति

25 फरवरी को आयोजित होने वाले विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव स्पंदन व स्थापना दिवस के संदर्भ में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि इस वर्ष एक दिवसीय स्पंदन कार्यक्रम का शुभारंभ पदमश्री प्रो. एचसी वर्मा के करकमलों से होगा। इस अवसर पर ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से विभिन्न संगीत, नृत्य, कविता, नाटक आदि प्रस्तुतियां विद्यार्थियों द्वारा दी जाएगी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 24-02-2022**

तैयारी

25 फरवरी को स्पंदन और राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह का होगा आयोजन

हकेंवि का चार दिवसीय समारोह कल से होगा शुरू

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 25 से 28 फरवरी तक वार्षिकोत्सव, दीक्षांत समारोह, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम होंगे। दीक्षांत समारोह में मुख्यातिथि राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय होंगे।

जबकि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के तहत आयोजित कार्यक्रमों की शृंखला का शुभारंभ पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त प्रो. एचसी वर्मा करेंगे। विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव व स्थापना दिवस पर प्रो. एचसी वर्मा कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चार दिवसीय आयोजनों की शृंखला को विद्यार्थियों में नई चेतना व उत्साह का संचार करने वाला बताया।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के माध्यम से अपनी विकास यात्रा का स्मरण करेगा तो विज्ञान दिवस के

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़।

माध्यम से एक मंच पर विज्ञान के क्षेत्र में नई सोच के विकास का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा।

कल विज्ञान दिवस से होगी कार्यक्रमों की शुरुआत : विश्वविद्यालय में 25 फरवरी से शुरू हो रहे राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह की संयोजिका प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ष विज्ञान दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने जा रहा है, जिसकी शुरुआत 25 फरवरी को वंडर्स ऑफ इनोवेशन के तहत विभिन्न विभागीय व स्थानीय स्कूलों के उल्लेखनीय प्रयासों की प्रदर्शनी के साथ होगी। इसका शुभारंभ पद्मश्री प्रो. एचसी वर्मा करेंगे।

27 फरवरी को होगा दीक्षांत समारोह

कुलपति ने बताया कि 25 फरवरी को स्पंदन 2022 व नवाचार विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता के साथ आयोजनों का शुभारंभ होगा। समापन राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ होगा। 27 फरवरी को आयोजित होने वाले आठवें दीक्षांत समारोह के संदर्भ में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस बार विश्वविद्यालय 1078 विद्यार्थियों, शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान करेगा। इसमें 24 शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 19 को पीएचडी, 14 को एमफिल और 1045 को स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि प्रदान की जाएगी। कुलपति ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि दीक्षांत समारोह में मुख्यातिथि राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय होंगे। 26 फरवरी को विश्वविद्यालय के प्रो. मूलचंद सभागार में पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा।

26 फरवरी को होंगी विभिन्न प्रतियोगिताएं

26 फरवरी को पेंटिंग, प्रश्नोत्तरी, भाषण आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। 28 फरवरी को विज्ञान दिवस के अवसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए विश्वविद्यालय में नागालैंड विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. कृष्णमूर्ति कन्नन तथा गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रो. नीरज दिलबागी उपस्थित रहेंगे। 25 फरवरी को आयोजित होने वाले विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव स्पंदन व स्थापना दिवस के संदर्भ में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि इस वर्ष एक दिवसीय स्पंदन कार्यक्रम का शुभारंभ पद्मश्री प्रो. एचसी वर्मा करेंगे। इस अवसर पर ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से विभिन्न संगीत, नृत्य, कविता, नाटक आदि प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 24-02-2022**

हकेंवि में 4 दिवसीय आयोजनों का शुभारंभ 25 से, स्पंदन और राष्ट्रीय विज्ञान दिवस से होगी शुरूआत

महेंद्रगढ़| हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ 25 फरवरी से 28 फरवरी तक विश्वविद्यालय में वार्षिकोत्सव, दीक्षांत समारोह, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करने जा रहा है। विवि में होने वाले चार दिवसीय इन आयोजनों के अंतर्गत दीक्षांत समारोह के अवसर पर राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी जबकि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला का शुभारंभ पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त प्रो. एचसी वर्मा करेंगे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चार दिवसीय आयोजनों की श्रृंखला को विद्यार्थियों में नई चेतना व उत्साह का संचार करने वाला बताया। इस बार विश्वविद्यालय 1078 विद्यार्थियों शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान करने जा रहा है। इसमें 24 विद्यार्थियों शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 19 को पीएचडी, 14 को एमफिल और 1045 को स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से विभिन्न संगीत, नृत्य, कविता, नाटक आदि प्रस्तुतियां विद्यार्थियों द्वारा दी जाएगी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 24-02-2022**

हरियाणा केंद्रीय विवि में आयोजनों का शुभारंभ

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ आगामी 25 फरवरी से 28 फरवरी तक विश्वविद्यालय में वार्षिकोत्सव, दीक्षांत समारोह, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करने जा रहा है। विश्वविद्यालय में होने वाले चार दिवसीय इन आयोजनों के अंतर्गत दीक्षांत समारोह के अवसर पर माननीय राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी जबकि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला का शुभारंभ पदमश्री पुरस्कार प्राप्त प्रो. एचसी वर्मा करेंगे। विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव व स्थापना दिवस के अवसर पर प्रो. एचसी वर्मा कार्यक्रम की शोभा

आयोजन

- 25 को स्पंदन व राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के साथ होगी शुरुआत
- 26 फरवरी को पूर्व छात्र मिलन व 27 फरवरी को दीक्षांत समारोह

बढ़ायेंगे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चार दिवसीय आयोजनों की श्रृंखला को विद्यार्थियों में नई चेतना व उत्साह का संचार करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि 25 से 28 फरवरी तक विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के माध्यम से अपनी विकास यात्रा का स्मरण करेगा तो विज्ञान दिवस के माध्यम से एक मंच पर विज्ञान के क्षेत्र में नई सोच के विकास का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा। कुलपति ने बताया कि 25 फरवरी को स्पंदन 2022 व नवाचार विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता के साथ आयोजनों का शुभारंभ होगा तथा समापन राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ होगा। 27 फरवरी को आयोजित होने वाले आठवें दीक्षांत समारोह के संदर्भ में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस बार विश्वविद्यालय 1078 विद्यार्थियों शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान करने जा रहा है। इसमें 24 विद्यार्थियों शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 19 को पीएचडी, 14 को एमफिल और 1045 को स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि प्रदान की जाएगी। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा राज्य के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय हमारे बीच उपस्थित रहेंगे। दीक्षांत समारोह से पूर्व 26 फरवरी को विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मूलचंद सभागार में पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में विवि में 25 फरवरी से शुरू हो रहे राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह की संयोजिका प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ष विज्ञान दिवस के अवसर पर विवि विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने जा रहा है, जिसकी शुरूआत 25 फरवरी को वंडर्स ऑफ इनोवेशन के अंतर्गत विभिन्न विभागीय व स्थानीय स्कूलों के उल्लेखनीय प्रयासों की प्रदर्शनी के साथ होगी। इसका शुभारंभ पदमश्री प्रो. एचसी वर्मा करेंगे। 26 फरवरी को पेंटिंग, प्रश्नोत्तरी, भाषण आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 24-02-2022**

25 को स्पंदन व राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह के साथ होगी शुरूआत

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में चार दिवसीय आयोजन का शुभारंभ कल से, 27 को आएंगे महामहिम राज्यपाल

26 को पूर्व छात्र मिलन समारोह व 27 को दीक्षांत समारोह का होगा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंदगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 25 फरवरी से 28 फरवरी तक विश्वविद्यालय में वार्षिकोत्सव, दीक्षांत समारोह व राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करने जा रहा है। विश्वविद्यालय में होने वाले चार दिवसीय इन आयोजनों के अंतर्गत दीक्षांत समारोह के अवसर पर राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी, जबकि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला का शुभारंभ पदमश्री पुरस्कार प्राप्त प्रो. एचसी वर्मा करेंगे। विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव व स्थापना दिवस के अवसर पर प्रो. एचसी वर्मा कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे।

नई सोच का मार्ग किया जाएगा प्रशस्त

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने चार दिवसीय आयोजनों की श्रृंखला को विद्यार्थियों में नई चेतना व उत्साह का संचार करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि 25 से 28 फरवरी तक विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के माध्यम से अपनी विकास यात्रा का स्मरण करेगा तो विज्ञान दिवस के माध्यम से एक मंच पर विज्ञान के क्षेत्र में नई सोच के विकास का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा। कुलपति ने बताया कि 25 फरवरी को स्पंदन 2022 व नवाचार विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता के साथ आयोजनों का शुभारंभ होगा तथा समापन राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ होगा। 27 फरवरी को आयोजित होने वाले आठवें दीक्षांत समारोह के संदर्भ में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस बार विश्वविद्यालय 1078 विद्यार्थियों शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान करने जा रहा है। इसमें 24 विद्यार्थियों शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 19 को पीएचडी, 14 को एमफिल और 1045 को स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि प्रदान की जाएगी।

प्रदर्शनी का शुभारंभ पदमश्री प्रो. एचसी वर्मा करेंगे

प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय हमारे बीच उपस्थित रहेंगे। दीक्षांत समारोह से पूर्व 26 फरवरी को विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मूलचंद सभागार में पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में विश्वविद्यालय में 25 फरवरी से शुरू हो रहे राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह की संयोजिका प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ष विज्ञान दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने जा रहा है, जिसकी शुरूआत 25 फरवरी को वंडर्स ऑफ इनोवेशन के अंतर्गत विभिन्न विभागीय व स्थानीय स्कूलों के उल्लेखनीय प्रयासों की प्रदर्शनी के साथ होगी। इसका शुभारम्भ पदमश्री प्रो. एचसी वर्मा करेंगे। 26 फरवरी को पेंटिंग, प्रश्नोत्तरी, भाषण आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। 28 फरवरी को विज्ञान दिवस के अवसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए विश्वविद्यालय में नागालैंड विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. कृष्णमूर्ति कन्नन तथा गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रो. नीरज दिलबागी उपस्थित रहेंगे।

ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रस्तुति

25 फरवरी को आयोजित होने वाले विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव स्पंदन व स्थापना दिवस के संदर्भ में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि इस वर्ष एक दिवसीय स्पंदन कार्यक्रम का शुभारंभ पदमश्री प्रो. एचसी वर्मा के करकमलों से होगा। इस अवसर पर ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से विभिन्न संगीत, नृत्य, कविता, नाटक आदि प्रस्तुतियां विद्यार्थियों द्वारा दी जाएगी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 24-02-2022**

हकेंवि में स्पंदन व राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह के साथ कल से होगी 4 दिवसीय आयोजनों की शुरूआत

■ 27 को दीक्षांत समारोह की शोभा बढ़ाएंगे माननीय राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय

महेंद्रगढ़, 23 फरवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ 25 से 28 फरवरी तक वार्षिकोत्सव, दीक्षांत समारोह, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करने जा रहा है। विश्वविद्यालय में होने वाले 4 दिवसीय इन आयोजनों के अंतर्गत दीक्षांत समारोह के अवसर पर माननीय राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी जबकि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की शृंखला का शुभारंभ

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन।

पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त प्रो. एच.सी. वर्मा करेंगे। विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव व स्थापना दिवस के अवसर पर प्रो. एच.सी. वर्मा कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने 4 दिवसीय आयोजनों की शृंखला को विद्यार्थियों में नई चेतना व उत्साह का संचार करने वाला बताया।

कुलपति ने बताया कि 25 फरवरी को स्पंदन 2022 व नवाचार विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता के साथ आयोजनों का शुभारंभ होगा तथा समापन राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ होगा। 27 फरवरी को आयोजित होने वाले 8वें दीक्षांत समारोह के संदर्भ में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस बार विश्वविद्यालय 1078 विद्यार्थियों शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान करने जा रहा है। इसमें 24 विद्यार्थियों शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 19 को पीएच.डी., 14 को एम.फिल और 1045 को स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि प्रदान की जाएगी। प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि दीक्षांत समारोह में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय हमारे बीच उपस्थित रहेंगे। दीक्षांत समारोह से पूर्व 26 फरवरी को विश्वविद्यालय के प्रोफैसर मूलचंद सभागार में पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय में 25 फरवरी से शुरू हो रहे राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह की संयोजिका प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ष विज्ञान दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने जा रहा है, जिसकी शुरूआत 25 फरवरी को वंडर्स ऑफ इनोवेशन के अंतर्गत विभिन्न विभागीय व स्थानीय स्कूलों के उल्लेखनीय प्रयासों की प्रदर्शनी के साथ होगी। इसका शुभारम्भ पदमश्री प्रो. एचसी वर्मा करेंगे।

26 फरवरी को पेंटिंग, प्रश्नोत्तरी, भाषण आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। 28 फरवरी को विज्ञान दिवस के अवसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए विश्वविद्यालय में नागालैंड विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. कृष्णमूर्ति कन्नन तथा गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रो. नीरज दिलबागी उपस्थित रहेंगे।

हकेंवि में स्पंदन व राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह के साथ कल से होगी 4 दिवसीय आयोजनों की शुरूआत

27 को दीक्षांत समारोह की शोभा बढ़ाएंगे माननीय राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय

महेंद्रगढ़, 23 फरवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ 25 से 28 फरवरी तक वार्षिकोत्सव, दीक्षांत समारोह, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करने जा रहा है। विश्वविद्यालय में होने वाले 4 दिवसीय इन आयोजनों के अंतर्गत दीक्षांत समारोह के अवसर पर माननीय राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी जबकि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की शृंखला का शुभारंभ

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन।

पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त प्रो. एच.सी. वर्मा करेंगे। विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव व स्थापना दिवस के अवसर पर प्रो. एच.सी. वर्मा कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने 4 दिवसीय आयोजनों की शृंखला को विद्यार्थियों में नई चेतना व उत्साह का संचार करने वाला बताया।

कुलपति ने बताया कि 25 फरवरी को स्पंदन 2022 व नवाचार विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता के साथ आयोजनों का शुभारंभ होगा तथा समापन राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ होगा। 27 फरवरी को आयोजित होने वाले 8वें दीक्षांत समारोह के संदर्भ में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस बार विश्वविद्यालय 1078 विद्यार्थियों शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान करने जा रहा है। इसमें 24 विद्यार्थियों शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 19 को पीएच.डी., 14 को एम.फिल और 1045 को स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि प्रदान की जाएगी। प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि दीक्षांत समारोह में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय हमारे बीच उपस्थित रहेंगे। दीक्षांत समारोह से पूर्व 26 फरवरी को विश्वविद्यालय के प्रोफैसर मूलचंद सभागार में पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय में 25 फरवरी से शुरू हो रहे राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह की संयोजिका प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ष विज्ञान दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने जा रहा है, जिसकी शुरूआत 25 फरवरी को वंडर्स ऑफ इनोवेशन के अंतर्गत विभिन्न विभागीय व स्थानीय स्कूलों के उल्लेखनीय प्रयासों की प्रदर्शनी के साथ होगी। इसका शुभारम्भ पदमश्री प्रो. एचसी वर्मा करेंगे।

26 फरवरी को पेंटिंग, प्रश्नोत्तरी, भाषण आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। 28 फरवरी को विज्ञान दिवस के अवसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए विश्वविद्यालय में नागालैंड विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. कृष्णमूर्ति कन्नन तथा गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रो. नीरज दिलबागी उपस्थित रहेंगे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस समारोह आज

- वंडर्स ऑफ इनोवेशन का शुभारम्भ करेंगे पदमश्री प्रो. एच.सी. वर्मा
- सांस्कृतिक कार्यक्रम स्पंदन 2022 को होगा रंगारंग आयोजन

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ का 13वां स्थापना दिवस समारोह शुक्रवार 25 फरवरी, 2022 को आयोजित होने जा रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अंतर्गत आयोजित वंर्डस ऑफ इनोवेशन नामक कार्यक्रम की शुरूआत भी होगी। विश्वविद्यालय में इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पदमश्री प्रो. एच.सी. वर्मा उपस्थित रहेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विज्ञान संग कला संस्कृति का मेल विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से देखने को मिलेगा।

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजन समिति की संयोजिका प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि शुक्रवार से शुरू हो रही आयोजन की श्रृंखला का उद्घाटन वंडर्स ऑफ इनोवेशन नामक कार्यक्रम से होगा। इस मौके पर विश्वविद्यालय के इनोवेशन व इंक्यूबेशन सेंटर से वाईफाई के आसपास विभिन्न प्रदर्शनियों के माध्यम से विश्वविद्यालय के विभिन्न विभाग व स्थानीय स्कूल अपने उल्लेखनीय कार्यों का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यक्रमों की यह श्रृंखला 26 फरवरी को विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से जारी रहेगी और 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ सम्पन्न होगी। अवसर पर विश्वविद्यालय के मूलचंद सभागार में प्रो. एच.सी. वर्मा का संबोधन होगा। इसके पश्चात कार्यक्रम के दूसरे चरण में स्पंदन 2022 के अंतर्गत विश्वविद्यालय के परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

दैनिक भास्कर & Central University of Haryana

आज़ादी का अमृत महोत्सव

Presents

महेंद्रगढ़ गौरव अवार्ड - 2022

26.02.2022

करते हैं हम सम्मान

उनका जो भागी बनें महेंद्रगढ़ के विकास में

दैनिक भास्कर एवं हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय करने जा रहा है उनका सम्मान जिन्होंने अपने उत्कृष्ट कार्यों द्वारा महेंद्रगढ़ को हरियाणा में ही नहीं बल्कि पूरे देश में एक अलग ही पहचान दिलाई है।

Date : 26th February, 2022 (11:00 am onwards)

Venue : Prof. Moolchand Sharma Auditorium
Central University of Haryana, Mahendergarh

For More Details

9050005322, 8003622295

Sponsored by

KWALITY WALL'S गोयल इजी बाजार महेंद्रगढ़
01285-221111, 9416281000

DPS MAHENDERGARH
M. 9466627634, 9466627635

लक्ष्मी नारायण हॉस्पिटल
नारनौल रोड, महेन्द्रगढ़ (हरि.)
M. 7015437897, 7023741994

PERFECT SCHOOL UNIFORM
8059005085
Satnali Chowk, Mahendergarh
www.perfectuniformspsu.com

TESTIFIED
An Initiative of theIAShub & IIT Kanpur
3rd Floor, Right Side, 22B, Bada Bazar Rd, Old Rajinder Nagar, New Delhi-110060

SANTOSH CONSTRUCTION CO.
NAVEEN MITTAL M.9416418441

दैनिक भास्कर | दिव्य भास्कर | दिव्य मराठी | MY FM | दैनिक भास्कर | दिव्य भास्कर

India's Largest Newspaper Group | 12 States | 61 Editions | 3 Languages

हकेंवि का स्थापना दिवस समारोह आज सांस्कृतिक कार्यक्रम स्पंदन होगा रंगारंग

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ का 13वां स्थापना दिवस समारोह शुक्रवार 25 फरवरी को आयोजित किया जाएगा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अंतर्गत आयोजित वंडर्स ऑफ इनोवेशन नामक कार्यक्रम की शुरूआत भी होगी। विश्वविद्यालय में इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री प्रो. एचसी वर्मा उपस्थित रहेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विज्ञान संग कला संस्कृति का मेल विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रमों की यह श्रृंखला 26 फरवरी को विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से जारी रहेगी और 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ सम्पन्न होगी।

हकेंविवि में स्थापित की जाएगी भू-गर्भ निगरानी प्रणाली

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंविवि) महेंद्रगढ़ परिसर में सीएसआइआर-राष्ट्रीय भू-भौतिकीय अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के सहयोग से भूगर्भ निगरानी प्रणाली स्थापित की जाएगी। इस प्रणाली की मदद से भूकंप निगरानी सहित भूगर्भ से संबंधित विभिन्न परिवर्तनों पर केंद्रित शोध व अनुसंधान को बल मिलेगी। दोनों संस्थानों ने इस संबंध में आपसी साझेदारी के लिए एक समझौता ज्ञापन किया है। हकेंविवि की ओर से कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा व सीएसआइआर-एनजीआरआइ, हैदराबाद की ओर से मुख्य विज्ञानी डा. वीके गहलौत ने विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर की उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से विवि व इसके आसपास के क्षेत्र में भूगर्भ में होने वाली विभिन्न गतिविधियों की निगरानी व उसके आंकड़ों का संग्रहण कार्य किया जाएगा। इस प्रयास से शोध व अनुसंधान को लेकर भूगर्भीय आंकड़ों की उपलब्धता शिक्षकों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी। दोनों संस्थान मिलकर संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों व कार्यशालाओं का भी आयोजन करेंगे।

हरिभूमि

रोहतक -महेन्द्रगढ़

25 Feb 2022

हकेंवि का सीएसआईआर हैदराबाद के साथ समझौता

विवि में स्थापित होगी भूकंप निगरानी प्रणाली

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में कौंसिल आफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रीयल रिसर्च (सीएसआईआर)-राष्ट्रीय भू-भौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई) हैदराबाद के सहयोग से भू-गर्भ निगरानी प्रणाली स्थापित की जाएगी।

इस प्रणाली की मदद से भूकंप निगरानी सहित भू-गर्भ से संबंधित विभिन्न परिवर्तनों पर केंद्रित शोध व अनुसंधान को बल मिलेगा। दोनों संस्थानों ने इस संबंध में आपसी साझेदारी के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) साइन किया है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा तथा सीएसआईआर-एनजीआरआई हैदराबाद की ओर से मुख्य वैज्ञानिक डॉ. वीके गहलोत ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर की उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से विश्वविद्यालय व इसके आसपास के क्षेत्र में भूगर्भ में होने वाली विभिन्न गतिविधियों की निगरानी और उसके आंकड़ों का संग्रहण कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रयास से शोध व अनुसंधान को लेकर भू-गर्भीय आंकड़ों की उपलब्धता विद्यार्थियों, शिक्षकों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी।

महेंद्रगढ़। एमओयू साइन करते हुए कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर व अन्य। *फोटो: हरिभूमि*

लाभकारी साबित होगा

विवि में भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष ने कहा कि अवश्य ही यह प्रयास विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए लाभकारी साबित होगा। सीएसआईआर-एनजीआरआई के साथ हुए समझौते का लाभ वैज्ञानिक सहयोग के रूप में प्राप्त होगा। मौके पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा व सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रणबीर सिंह भी उपस्थित रहे।

हरिभूमि

रोहतक -महेन्द्रगढ़

25 Feb 2022

हकेंवि का स्थापना दिवस समारोह आज

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का 13वां स्थापना दिवस समारोह शुक्रवार 25 फरवरी को आयोजित होने जा रहा है। मौके पर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अंतर्गत आयोजित वंडर्स ऑफ इनोवेशन नामक कार्यक्रम की शुरूआत भी होगी। विवि में मुख्यतिथि के रूप में पद्मश्री प्रो. एचसी वर्मा उपस्थित रहेंगे। विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि विज्ञान संग कला संस्कृति का मेल विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से देखने को मिलेगा। विवि में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजन समिति की संयोजिका प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि शुक्रवार से प्रोग्राम का उद्घाटन वंडर्स ऑफ इनोवेशन नामक कार्यक्रम से होगा।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर।

CUH signs pact for research with Hyderabad institute

TRIBUNE NEWS SERVICE

MAHENDRAGARH, FEBRUARY 24

The Central University of Haryana (CUH) here has signed an memorandum of understanding with the CSIR-National Geophysical Research Institute (NGRI), Hyderabad, to provide coordination of collaborative research, monitoring and data exchange in the earthquake monitoring and crustal deformation and land movements in and around Mahendergarh region.

The MoU was signed by the Registrar, Prof Sarika Sharma on behalf of the Central University of Haryana while Dr VK Gahalaut, Chief Scientist signed on behalf of the CSIR-(NGRI), Hyderabad.

Prof Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, Central University of Haryana, said a GPS observatory would be set up on the Central University of Haryana campus for monitoring geodetic data and necessary equipment. "Expenses will be borne by the CSIR-NGRI. Several joint training programmes and workshops will be conducted in the benefit of students and researchers," he added.

सफलता उन्हीं को मिलती है, जिनकी जिद बड़ी होती है : प्रो. एचसी वर्मा

वंडर्स ऑफ इनोवेशन के साथ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस कार्यक्रम शुरू

कार्यक्रम का उद्घाटन करते प्रो. एचसी वर्मा और कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार संवाद

विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्य अतिथि प्रो. एचसी वर्मा। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का 14वां स्थापना दिवस कला व विज्ञान के बेजोड़ संगम 'वंडर्स ऑफ इनोवेशन, वार्षिकोत्सव स्पंदन 2022 के साथ शुरू हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो. एचसी वर्मा ने कहा कि जीवन में परेशानियां और चुनौतियां आती रहती हैं, लेकिन सफलता उन्हीं को मिलती है, जिनकी जिद बड़ी होती है।

विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस की शुरुआत सुबह प्रशासनिक भवन में हवन के साथ हुई। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभागीय, स्थानीय स्कूलों की प्रदर्शनी 'वडर्स ऑफ इनोवेशन' का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने किया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजन समिति की संयोजिका, सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन की प्रमुख प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, कुल सचिव प्रो. सारिका शर्मा, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजन सचिव प्रो. राजेश कुमार गुप्ता और विभिन्न विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक आदि उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे हम कौशल विकास को महत्व देते हुए शैक्षणिक बदलावों की दिशा में प्रयास किए हैं और सामाजिक सरोकारों को ध्यान में रखते हुए प्रगति के लिए निरंतर अग्रसर है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2009 में विश्वविद्यालय की स्थापना हुई थी। तब से यह विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश ही नहीं, बल्कि विश्व पटल पर पहचाना जाने लगा है। मुख्य अतिथि ने इससे जुड़ें सभी सहभागियों की जिद से यह विश्वविद्यालय इस मुकाम पर पहुंचा है।

विभिन्न राज्यों के कार्यक्रमों से मोहा मन

विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव स्पंदन 2022 के तहत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया संदन 2022 के तहत विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ. नितिन ग्रुप ने नृत्य प्रस्तुत किया तो आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार, हरियाणा, केरल राज्य की प्रस्तुतियों ने मन मोह लिया। कार्यक्रम में प्रतिष्ठित डॉ. सतीश कश्यप का सांग, डॉ. धर्मेंद्र कौशिक, कुलदीप, अंजलि राघव की प्रस्तुति तथा नागेंद्र एंड ग्रुप के डांस आकर्षण का केंद्र रहे।

विशेष कार्य करने वाले सम्मानित

कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के वार्षिक पुरस्कार भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय पुस्तकालय की बेव साइट व न्यूज लेटर का विमोचन किया गया। वार्षिक पुरस्कारों की घोषणा शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने की। इसमें शैक्षणिक व शिक्षणेतर कर्मचारियों को उनके योगदान के लिए प्रोत्साहित किया गया। शैक्षणिक श्रेणी में बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशन (साइंस एंड इंजीनियरिंग) अवॉर्ड डॉ. देवेंद्र कुमार को, बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशन (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) प्रो. रंजन अनेजा को, बेस्ट रिसर्चर इंपैक्ट (साइंस एंड इंजीनियरिंग) प्रो. बिजेंद्र सिंह को, बेस्ट रिसर्चर इंपैक्ट (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) डॉ. अजय पाल शर्मा को, बेस्ट रिसर्चर एच इंडेक्स (साइंस एंड इंजीनियरिंग) डॉ. मनोज कुमार सिंह को, बेस्ट रिसर्चर एच इंडेक्स (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) प्रो. चंचल कुमार शर्मा को, बेस्ट रिसर्चर इनवेंटर प्रो. हरीश कुमार को तथा बेस्ट रिसर्चर कोलबरेशन प्रो. सुरेंद्र कुमार को प्रदान किया गया। इसी क्रम में शिक्षणेतर श्रेणी में रामबीर गुर्जर, संजय, चेतन कुमार, अमरजीत को तथा आउटसोर्स कर्मचारियों में रेखा, फतेह सिंह, पूनम, कमलेश, मंजीत कुमार, विजय, राकेश व राजेश को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

न्यूज लेटर का विमोचन करते प्रो. एचसी. वर्मा, कुलपति टंकेश्वर कुमार व अन्य। संवाद

वंडर्स ऑफ इनोवेशन के साथ मनाया गया हकेंवि का स्थापना दिवस

सफलता उन्हीं को मिलती है, जिनकी जिद बड़ी : पद्मश्री प्रो. वर्मा

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

जीवन में परेशानियां व चुनौतियां आती रहती हैं, लेकिन सफलता उन्हीं को मिलती है, जिनकी जिद बड़ी होती है, यह विचार शिक्षाविद्, पद्मश्री प्रो. एचसी वर्मा ने व्यक्त किए। वे हकेवि, महेंद्रगढ़ में विश्वविद्यालय के चौदहवें स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में कला व विज्ञान का बेजोड़ संगम वंडर्स ऑफ इनोवेशन व वार्षिकोत्सव स्पंदन 2022 में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने स्थापना दिवस समारोह में विश्वविद्यालय की विभिन्न उपलब्धियों और भविष्य की कार्ययोजना पर प्रकाश डाला। प्रो.वर्मा ने इस अवसर पर प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि जीवन में परेशानियां व चुनौतियां आती रहती हैं, लेकिन सफलता उन्हीं को मिलती है, जिनकी जिद बड़ी होती है। कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के वार्षिक पुरस्कार भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय पुस्तकालय की बेवसाइट व न्यूज लेटर का विमोचन भी हुआ। वार्षिक पुरस्कारों की घोषणा शोध अधिष्ठाता प्रो.नीलम सांगवान ने की। इसमें शैक्षणिक व शिक्षणेतर कर्मचारियों को उनके योगदान के लिए प्रोत्साहित किया गया।

इन लोगों को मिला पुरस्कार

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते प्रो. एच.सी. वर्मा।

शैक्षणिक श्रेणी में बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशन (साइंस एंड इंजीनियरिंग) अवॉर्ड डॉ. देवेंद्र कुमार को बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशन (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) प्रो. रंजन अनेजा को, बेस्ट रिसर्चर इम्पैक्ट (साइंस एंड इंजीनियरिंग) प्रो. बिजेंद्र सिंह को, बेस्ट रिसर्चर इम्पैक्ट (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) डॉ. अजय पाल शर्मा को, बेस्ट रिसर्चर एच इंडेक्स (साइंस एंड इंजीनियरिंग) डॉ. मनोज कुमार सिंह को, बेस्ट रिसर्चर एच इंडेक्स (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) प्रो. चंचल कुमार शर्मा को, बेस्ट रिसर्चर प्रोजेक्ट (साइंस एंड इंजीनियरिंग) प्रो. गुंजन गोयल को, बेस्ट रिसर्चर इंवेंटर प्रो. हरीश कुमार को तथा बेस्ट रिसर्चर कोलाबरेशन प्रो. सुरेंद्र कुमार को प्रदान किया गया। इसी क्रम में शिक्षणेतर श्रेणी में रामबीर गुर्जर, संजय, चेतन कुमार, अमरजीत को तथा आउटसोर्स कर्मचारियों में रेखा, फतेह सिंह, पूनम, कमलेश, मंजीत कुमार, विजय, राकेश व राजेश को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव स्पंदन 2022 के अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा व डॉ. आरती यादव ने स्पंदन 2022 के अंतर्गत विश्वविद्यालय शिक्षक डॉ. नितिन ग्रुप ने नृत्य प्रस्तुत किया तथा आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार, हरियाणा व केरल राज्य की प्रस्तुतियों ने मन मोह लिया। कार्यक्रम में प्रतिष्ठित डॉ. सतीश कश्यप का सांग, डॉ. धर्मेंद्र कौशिक, कुलदीप व अंजलि राघव की प्रस्तुतियां तथा नागेंद्र एंड ग्रुप के डांस आकर्षण का केंद्र रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के सदस्य डॉ. मनोज अवस्थी व प्रो. ताहिर हुसैन, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजन समिति की संयोजिका व सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की प्रमुख प्रो.सुनीता श्रीवास्तव, शोध अधिष्ठाता प्रो.नीलम सांगवान, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, कुलसचिव प्रो.सारिका शर्मा, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजन सचिव प्रो.राजेश कुमार गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक आदि उपस्थित रहे।

हकेंवि में विज्ञान व कला–संस्कृति का संगम

महेंद्रगढ़ में विवि का चौदहवां स्थापना दिवस वार्षिकोत्सव स्पंदन 2022 के माध्यम से मनाया

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में विश्वविद्यालय के चौदहवें स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में कला व विज्ञान का बेजोड़ संगम वंडर्स आफ इनोवेशन व वार्षिकोत्सव स्पंदन 2022 के माध्यम से देखने को मिला। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री प्रो. एचसी वर्मा उपस्थित रहे। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस की शुरुआत प्रातः प्रशासनिक भवन में हवन के साथ हुई। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभागीय व स्थानीय स्कूलों द्वारा प्रस्तुत उनके उल्लेखनीय प्रयासों की प्रदर्शनी वर्डर्स ऑफ इनोवेशन का शुभारंभ पद्मश्री प्रो. एचसी वर्मा के करकमलों से हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजन समिति की संयोजिका व सेंटर फार इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन की प्रमुख प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजन सचिव प्रो. राजेश कुमार गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक आदि उपस्थित रहे। प्रो. वर्मा ने इस अवसर पर प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि 2009 से विश्वविद्यालय प्रगति के पथ पर अग्रसर है और अब वह दिन दूर नहीं जब हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश ही नहीं बल्कि विश्व पटल पर पहचाना जाएगा। इसके पश्चात प्रो.सुनीता श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि प्रो.एचसी वर्मा का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. एचसी वर्मा ने कहा कि जीवन में परेशानियां व चुनौतियां आती रहती हैं लेकिन सफलता उन्हीं को मिलती है, जिनकी जिद बड़ी होती है। उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस तरह से एक बहुत ही छोटे से समय में यह विश्वविद्यालय इस मुकाम तक पहुंचा है, वह इससे जुड़े सभी सहभागियों की जिद का ही नतीजा है। इसलिए अपनी कमजोरी को पहचाने और अपनी क्षमताओं का अधिकतम प्रयोग कर सफलता के लिए जिद करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में एक मिनी इंडिया बसता है और यकीन है कि इसके विद्यार्थी, शोधार्थी व अन्य सहभागी इसे बुलंदियों तक ले जाएंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के वार्षिक पुरस्कार भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय पुस्तकालय की वेबसाइट व न्यूज लेटर का विमोचन भी हुआ। शैक्षणिक श्रेणी में बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशन (साइंस एंड इंजीनियरिंग) अवार्ड डा. देवेंद्र कुमार को बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशन (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) प्रो. रंजन अनेजा को, बेस्ट रिसर्चर इम्पेक्ट (साइंस एंड इंजीनियरिंग) प्रो. बिजेंद्र सिंह को, बेस्ट रिसर्चर इंपेक्ट (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) डा. अजय पाल शर्मा को, बेस्ट रिसर्चर एच इंडेक्स (साइंस एंड इंजीनियरिंग) डा. मनोज कुमार सिंह को, बेस्ट रिसर्चर एच इंडेक्स (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) प्रो. चंचल कुमार शर्मा को, बेस्ट रिसर्चर प्रोजेक्ट (साइंस एंड इंजीनियरिंग) प्रो. गुंजन गोयल को, बेस्ट रिसर्चर इंवेंटर प्रो. हरीश कुमार को तथा बेस्ट रिसर्चर कोलबरेशन प्रो. सुरेंद्र कुमार को प्रदान किया गया। इसी क्रम में शिक्षणेतर श्रेणी में रामबीर गुर्जर, संजय, चेतन कुमार, अमरजीत को तथा आउटसोर्स कर्मचारियों में रेखा, फतेह सिंह, पूनम, कमलेश, मंजीत कुमार, विजय, राकेश व राजेश को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के सदस्य डॉ. मनोज अवस्थी व प्रो. ताहिर हुसैन भी उपस्थित रहे। विवि के वार्षिकोत्सव स्पंदन 2022 के अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा व डा. आरती यादव ने स्पंदन 2022 के अंतर्गत विश्वविद्यालय शिक्षक डा. नितिन ग्रुप ने नृत्य प्रस्तुत किया तथा आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार, हरियाणा व केरल राज्य की प्रस्तुतियों ने मन मोह लिया। कार्यक्रम में प्रतिष्ठित डा. सतीश कश्यप का सांग, डा. धर्मेंद्र कौशिक, कुलदीप व अंजलि राघव की प्रस्तुतियां तथा नागेंद्र एंड ग्रुप के डांस आकर्षण का केंद्र रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में वंडर्स आफ इनोवेशन का उद्घाटन करते हुए प्रो. एचसी. वर्मा साथ में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ.हकेंवि

हकेंवि ने मनाया 14वां स्थापना दिवस

महेन्द्रगढ़ (निस) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को विश्वविद्यालय का चौदहवां स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री प्रो. एचसी वर्मा उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित विभिन्न उपलब्धियों के माध्यम से समूची विकास यात्रा का स्मरण किया और भविष्य की कार्ययोजना पर भी प्रकाश डाला। कुलपति प्रो. कुमार ने वर्ष 2009 में स्थापना के बाद से विश्वविद्यालय प्रगति के पथ पर अग्रसर है और अब वह दिन दूर नहीं जब हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश ही नहीं बल्कि विश्व पटल पर पहचाना जाएगा।

दैनिक ट्रिब्यून
Sat, 26 February 2022
https://epaper.dainiktribu

वंडर्स ऑफ इनोवेशन के साथ मनाया हकेंवि का स्थापना दिवस

हकेंवि में दिखा विज्ञान व कला संस्कृति को बेजोड़ संगम

- मुख्यतिथि के रूप में पद्मश्री प्रो. एचसी वर्मा ने शिरकत की

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय के 14वें स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय में कला व विज्ञान का बेजोड़ संगम वंडर्स ऑफ इनोवेशन व वार्षिकोत्सव स्पंदन-2022 के माध्यम से देखने को मिला। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री प्रो. एचसी वर्मा उपस्थित रहे।

प्रो. एचसी वर्मा ने कहा कि जीवन में परेशानियां व चुनौतियां आती रहती हैं, लेकिन सफलता उन्हीं को मिलती है, जिनकी जिद्द बड़ी होती है। उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस तरह से एक बहुत ही छोटे से समय में यह विश्वविद्यालय इस मुकाम तक पहुंचा है, वह इससे जुड़ें सभी सहभागियों की जिद्द का ही नतीजा है। इसलिए अपनी कमजोरी को पहचानें और अपनी क्षमताओं का अधिकतम प्रयोग कर सफलता के लिए जिद्द करें। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित विभिन्न उपलब्धियों के माध्यम से समूची विकास यात्रा का स्मरण किया और भविष्य की कार्ययोजना पर भी प्रकाश डाला। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस की शुरूआत प्रातः प्रशासनिक भवन में हवन के साथ हुई। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभागीय व स्थानीय स्कूलों द्वारा प्रस्तुत उनके उल्लेखनीय प्रयासों की प्रदर्शनी वंडर्स ऑफ इनोवेशन का शुभारंभ पद्मश्री प्रो. एचसी वर्मा के कर-कमलों से हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजन समिति की संयोजिका व सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन की प्रमुख प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश, कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजन सचिव प्रो. राजेश गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक आदि उपस्थित रहे। प्रो. वर्मा ने इस अवसर पर प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के वार्षिक पुरस्कार भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय पुस्तकालय की बेवसाइट व न्यूज लेटर का विमोचन भी हुआ। वार्षिक पुरस्कारों की घोषणा शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने की। इसमें शैक्षणिक व शिक्षणेतर कर्मचारियों को उनके योगदान के लिए प्रोत्साहित किया गया।

महेंद्रगढ़। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित करते मुख्यातिथि पद्मश्री प्रो. सीएस वर्मा। *फोटो : हरिभूमि*

बेस्ट रिसर्चर कोलबरेशन प्रो. सुरेंद्र को दिया गया

शैक्षणिक श्रेणी में बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशन (साइंस एंड इंजीनियरिंग) अवार्ड डॉ. देवेंद्र को बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशन (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) प्रो. रंजन अनेजा को, बेस्ट रिसर्चर इम्पेक्ट (साइंस एंड इंजीनियरिंग) प्रो. बिजेंद्र सिंह को, बेस्ट रिसर्चर इम्पेक्ट (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) डॉ. अजय पाल शर्मा को, बेस्ट रिसर्चर एच इंडेक्स (साइंस एंड इंजीनियरिंग) डॉ. मनोज सिंह को, बेस्ट रिसर्चर एच इंडेक्स (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) प्रो. चंचल शर्मा को, बेस्ट रिसर्चर प्रोजेक्ट (साइंस एंड इंजीनियरिंग) प्रो. गुंजन गोयल को, बेस्ट रिसर्चर इंवेंटर प्रो. हरीश को तथा बेस्ट रिसर्चर कोलबरेशन प्रो. सुरेंद्र को प्रदान किया गया। इसी क्रम में शिक्षणेतर श्रेणी में रामबीर गुर्जर, संजय, चेतन, अमरजीत को तथा आउटसोर्स कर्मचारियों में रेखा, फतेह सिंह, पूनम, कमलेश, मंजीत कुमार, विजय, राकेश व राजेश को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

मौके पर विवि की कार्यकारी परिषद सदस्य डॉ. मनोज अवस्थी व प्रो. ताहिर हुसैन भी उपस्थित रहे। विवि के वार्षिकोत्सव स्पंदन 2022 के अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विवि के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा व डॉ. आरती यादव ने स्पंदन 2022 के अंतर्गत विश्वविद्यालय शिक्षक डॉ. नितिन ग्रुप ने नृत्य प्रस्तुत किया तथा आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार, हरियाणा व केरल राज्य की प्रस्तुतियों ने मनमोह लिया। कार्यक्रम में प्रतिष्ठित डॉ. सतीश कश्यप का सांग, डॉ. धर्मेंद्र कौशिक, कुलदीप व अंजलि राघव की प्रस्तुतियां तथा नागेंद्र एंड ग्रुप के डांस आकर्षण का केंद्र रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Foundation Day Celebration

Newspaper: Amar Ujala **Date: 26-02-2022**

सफलता उन्हीं को मिलती है, जिनकी जिद बड़ी होती है : प्रो. एचसी वर्मा

वंडर्स ऑफ इनोवेशन के साथ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस कार्यक्रम शुरू

कार्यक्रम का उद्घाटन करते प्रो. एचसी वर्मा और कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार संवाद

विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्य अतिथि प्रो. एचसी वर्मा। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का 14वां स्थापना दिवस कला व विज्ञान के बेजोड़ संगम 'वंडर्स ऑफ इनोवेशन, वार्षिकोत्सव स्पंदन 2022 के साथ शुरू हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो. एचसी वर्मा ने कहा कि जीवन में परेशानियां और चुनौतियां आती रहती हैं, लेकिन सफलता उन्हीं को मिलती है, जिनकी जिद बड़ी होती है।

विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस की शुरुआत सुबह प्रशासनिक भवन में हवन के साथ हुई। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभागीय, स्थानीय स्कूलों की प्रदर्शनी 'वडंर्स ऑफ इनोवेशन' का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने किया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजन समिति की संयोजिका, सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन की प्रमुख प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, कुल सचिव प्रो. सारिका शर्मा, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजन सचिव प्रो. राजेश कुमार गुप्ता और विभिन्न विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक आदि उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे हम कौशल विकास को महत्व देते हुए शैक्षणिक बदलावों की दिशा में प्रयास किए हैं और सामाजिक सरोकारों को ध्यान में रखते हुए प्रगति के लिए निरंतर अग्रसर है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2009 में विश्वविद्यालय की स्थापना हुई थी। तब से यह विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश ही नहीं, बल्कि विश्व पटल पर पहचाना जाने लगा है। मुख्य अतिथि ने इससे जुड़ें सभी सहभागियों की जिद से यह विश्वविद्यालय इस मुकाम पर पहुंचा है।

विभिन्न राज्यों के कार्यक्रमों से मोहा मन

विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव स्पंदन 2022 के तहत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया स्पंदन 2022 के तहत विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ. नितिन ग्रुप ने नृत्य प्रस्तुत किया तो आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार, हरियाणा, केरल राज्य की प्रस्तुतियों ने मन मोह लिया। कार्यक्रम में प्रतिष्ठित डॉ. सतीश कश्यप का सांग, डॉ. धर्मेंद्र कौशिक, कुलदीप, अंजलि राघव की प्रस्तुति तथा नागेंद्र एंड ग्रुप के डांस आकर्षण का केंद्र रहे।

विशेष कार्य करने वाले सम्मानित

कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के वार्षिक पुरस्कार भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय पुस्तकालय की बेव साइट व न्यूज लेटर का विमोचन किया गया। वार्षिक पुरस्कारों की घोषणा शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने की। इसमें शैक्षणिक व शिक्षणेतर कर्मचारियों को उनके योगदान के लिए प्रोत्साहित किया गया। शैक्षणिक श्रेणी में बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशन (साइंस एंड इंजीनियरिंग) अवॉर्ड डॉ. देवेंद्र कुमार को, बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशन (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) प्रो. रंजन अनेजा को, बेस्ट रिसर्चर इंपैक्ट (साइंस एंड इंजीनियरिंग) प्रो. बिजेंद्र सिंह को, बेस्ट रिसर्चर इंपैक्ट (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) डॉ. अजय पाल शर्मा को, बेस्ट रिसर्चर एच इंडेक्स (साइंस एंड इंजीनियरिंग) डॉ. मनोज कुमार सिंह को, बेस्ट रिसर्चर एच इंडेक्स (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) प्रो. चंचल कुमार शर्मा को, बेस्ट रिसर्चर इनवेंटर प्रो. हरीश कुमार को तथा बेस्ट रिसर्चर कोलबरेशन प्रो. सुरेंद्र कुमार को प्रदान किया गया। इसी क्रम में शिक्षणेतर श्रेणी में रामबीर गुर्जर, संजय, चेतन कुमार, अमरजीत को तथा आउटसोर्स कर्मचारियों में रेखा, फतेह सिंह, पूनम, कमलेश, मंजीत कुमार, विजय, राकेश व राजेश को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

न्यूज लेटर का विमोचन करते प्रो. एचसी. वर्मा, कुलपति टंकेश्वर कुमार व अन्य। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 26-02-2022**

वंडर्स ऑफ इनोवेशन के साथ मनाया गया हकेंवि का स्थापना दिवस
सफलता उन्हीं को मिलती है, जिनकी जिद बड़ी : पद्मश्री प्रो. वर्मा

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

जीवन में परेशानियां व चुनौतियां आती रहती हैं, लेकिन सफलता उन्हीं को मिलती है, जिनकी जिद बड़ी होती है, यह विचार शिक्षाविद्, पद्मश्री प्रो. एचसी वर्मा ने व्यक्त किए। वे हकेंवि, महेंद्रगढ़ में विश्वविद्यालय के चौदहवें स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में कला व विज्ञान का बेजोड़ संगम वंडर्स ऑफ इनोवेशन व वार्षिकोत्सव स्पंदन 2022 में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने स्थापना दिवस समारोह में विश्वविद्यालय की विभिन्न उपलब्धियों और भविष्य की कार्ययोजना पर प्रकाश डाला। प्रो.वर्मा ने इस अवसर पर प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि जीवन में परेशानियां व चुनौतियां आती रहती हैं, लेकिन सफलता उन्हीं को मिलती है, जिनकी जिद बड़ी होती है। कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के वार्षिक पुरस्कार भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय पुस्तकालय की वेबसाइट व न्यूज लेटर का विमोचन भी हुआ। वार्षिक पुरस्कारों की घोषणा शोध अधिष्ठाता प्रो.नीलम सांगवान ने की। इसमें शैक्षणिक व शिक्षणेतर कर्मचारियों को उनके योगदान के लिए प्रोत्साहित किया गया।

इन लोगों को मिला पुरस्कार

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते प्रो. एच.सी. वर्मा।

शैक्षणिक श्रेणी में बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशन (साइंस एंड इंजीनियरिंग) अवॉर्ड डॉ. देवेंद्र कुमार को बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशन (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) प्रो. रंजन अनेजा को, बेस्ट रिसर्चर इम्पैक्ट (साइंस एंड इंजीनियरिंग) प्रो. बिजेंद्र सिंह को, बेस्ट रिसर्चर इम्पैक्ट (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) डॉ. अजय पाल शर्मा को, बेस्ट रिसर्चर एच इंडेक्स (साइंस एंड इंजीनियरिंग) डॉ. मनोज कुमार सिंह को, बेस्ट रिसर्चर एच इंडेक्स (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) प्रो. चंचल कुमार शर्मा को, बेस्ट रिसर्चर प्रोजेक्ट (साइंस एंड इंजीनियरिंग) प्रो. गुंजन गोयल को, बेस्ट रिसर्चर इंवेंटर प्रो. हरीश कुमार को तथा बेस्ट रिसर्चर कोलाबरेशन प्रो. सुरेंद्र कुमार को प्रदान किया गया। इसी क्रम में शिक्षणेतर श्रेणी में रामबीर गुर्जर, संजय, चेतन कुमार, अमरजीत को तथा आउटसोर्स कर्मचारियों में रेखा, फतेह सिंह, पूनम, कमलेश, मंजीत कुमार, विजय, राकेश व राजेश को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव स्पंदन 2022 के अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा व डॉ. आरती यादव ने स्पंदन 2022 के अंतर्गत विश्वविद्यालय शिक्षक डॉ. नितिन ग्रुप ने नृत्य प्रस्तुत किया तथा आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार, हरियाणा व केरल राज्य की प्रस्तुतियों ने मन मोह लिया। कार्यक्रम में प्रतिष्ठित डॉ. सतीश कश्यप का सांग, डॉ. धर्मेंद्र कौशिक, कुलदीप व अंजलि राघव की प्रस्तुतियां तथा नागेंद्र एंड ग्रुप के डांस आकर्षण का केंद्र रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के सदस्य डॉ. मनोज अवस्थी व प्रो. ताहिर हुसैन, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजन समिति की संयोजिका व सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की प्रमुख प्रो.सुनीता श्रीवास्तव, शोध अधिष्ठाता प्रो.नीलम सांगवान, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, कुलसचिव प्रो.सारिका शर्मा, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजन सचिव प्रो.राजेश कुमार गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक आदि उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 24-02-2022**

हरियाणा केंद्रीय विवि में आयोजनों का शुभारंभ

आयोजन

- 25 को स्पंदन व राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के साथ होगी शुरुआत
- 26 फरवरी को पूर्व छात्र मिलन व 27 फरवरी को दीक्षांत समारोह

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ आगामी 25 फरवरी से 28 फरवरी तक विश्वविद्यालय में वार्षिकोत्सव, दीक्षांत समारोह, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करने जा रहा है। विश्वविद्यालय में होने वाले चार दिवसीय इन आयोजनों के अंतर्गत दीक्षांत समारोह के अवसर पर माननीय राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी जबकि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला का शुभारंभ पदमश्री पुरस्कार प्राप्त प्रो. एचसी वर्मा करेंगे। विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव व स्थापना दिवस के अवसर पर प्रो. एचसी वर्मा कार्यक्रम की शोभा बढ़ायेंगे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चार दिवसीय आयोजनों की श्रृंखला को विद्यार्थियों में नई चेतना व उत्साह का संचार करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि 25 से 28 फरवरी तक विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के माध्यम से अपनी विकास यात्रा का स्मरण करेगा तो विज्ञान दिवस के माध्यम से एक मंच पर विज्ञान के क्षेत्र में नई सोच के विकास का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा। कुलपति ने बताया कि 25 फरवरी को स्पंदन 2022 व नवाचार विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता के साथ आयोजनों का शुभारंभ होगा तथा समापन राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ होगा। 27 फरवरी को आयोजित होने वाले आठवें दीक्षांत समारोह के संदर्भ में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस बार विश्वविद्यालय 1078 विद्यार्थियों शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान करने जा रहा है। इसमें 24 विद्यार्थियों शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 19 को पीएचडी, 14 को एमफिल और 1045 को स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि प्रदान की जाएगी। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा राज्य के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय हमारे बीच उपस्थित रहेंगे। दीक्षांत समारोह से पूर्व 26 फरवरी को विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मूलचंद सभागार में पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में विवि में 25 फरवरी से शुरू हो रहे राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह की संयोजिका प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ष विज्ञान दिवस के अवसर पर विवि विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने जा रहा है, जिसकी शुरूआत 25 फरवरी को वंडर्स ऑफ इनोवेशन के अंतर्गत विभिन्न विभागीय व स्थानीय स्कूलों के उल्लेखनीय प्रयासों की प्रदर्शनी के साथ होगी। इसका शुभारंभ पदमश्री प्रो. एचसी वर्मा करेंगे। 26 फरवरी को पेंटिंग, प्रश्नोत्तरी, भाषण आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 24-02-2022**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में चार दिवसीय आयोजन का शुभारंभ कल से, 27 को आएंगे महामहिम राज्यपाल

25 को स्पंदन व राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह के साथ होगी शुरूआत

26 को पूर्व छात्र मिलन समारोह व 27 को दीक्षांत समारोह का होगा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 25 फरवरी से 28 फरवरी तक विश्वविद्यालय में वार्षिकोत्सव, दीक्षांत समारोह व राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करने जा रहा है। विश्वविद्यालय में होने वाले चार दिवसीय इन आयोजनों के अंतर्गत दीक्षांत समारोह के अवसर पर राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी, जबकि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला का शुभारंभ पदमश्री पुरस्कार प्राप्त प्रो. एचसी वर्मा करेंगे। विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव व स्थापना दिवस के अवसर पर प्रो. एचसी वर्मा कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे।

नई सोच का मार्ग किया जाएगा प्रशस्त

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने चार दिवसीय आयोजनों की श्रृंखला को विद्यार्थियों में नई चेतना व उत्साह का संचार करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि 25 से 28 फरवरी तक विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के माध्यम से अपनी विकास यात्रा का स्मरण करेगा तो विज्ञान दिवस के माध्यम से एक मंच पर विज्ञान के क्षेत्र में नई सोच के विकास का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा। कुलपति ने बताया कि 25 फरवरी को स्पंदन 2022 व नवाचार विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता के साथ आयोजनों का शुभारंभ होगा तथा समापन राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ होगा। 27 फरवरी को आयोजित होने वाले आठवें दीक्षांत समारोह के संदर्भ में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस बार विश्वविद्यालय 1078 विद्यार्थियों शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान करने जा रहा है। इसमें 24 विद्यार्थियों शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 19 को पीएचडी, 14 को एमफिल और 1045 को स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि प्रदान की जाएगी।

प्रदर्शनी का शुभारंभ पदमश्री प्रो. एचसी वर्मा करेंगे

प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय हमारे बीच उपस्थित रहेंगे। दीक्षांत समारोह से पूर्व 26 फरवरी को विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मूलचंद सभागार में पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में विश्वविद्यालय में 25 फरवरी से शुरू हो रहे राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह की संयोजिका प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ष विज्ञान दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने जा रहा है, जिसकी शुरूआत 25 फरवरी को वंडर्स ऑफ इनोवेशन के अंतर्गत विभिन्न विभागीय व स्थानीय स्कूलों के उल्लेखनीय प्रयासों की प्रदर्शनी के साथ होगी। इसका शुभारम्भ पदमश्री प्रो. एचसी वर्मा करेंगे। 26 फरवरी को पेंटिंग, प्रश्नोत्तरी, भाषण आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। 28 फरवरी को विज्ञान दिवस के अवसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए विश्वविद्यालय में नागालैंड विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. कृष्णमूर्ति कन्नन तथा गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रो. नीरज दिलबागी उपस्थित रहेंगे।

ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रस्तुति

25 फरवरी को आयोजित होने वाले विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव स्पंदन व स्थापना दिवस के संदर्भ में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि इस वर्ष एक दिवसीय स्पंदन कार्यक्रम का शुभारंभ पदमश्री प्रो. एचसी वर्मा के करकमलों से होगा। इस अवसर पर ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से विभिन्न संगीत, नृत्य, कविता, नाटक आदि प्रस्तुतियां विद्यार्थियों द्वारा दी जाएगी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 24-02-2022**

हकेंवि में स्पंदन व राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह के साथ कल से होगी 4 दिवसीय आयोजनों की शुरूआत

27 को दीक्षांत समारोह की शोभा बढ़ाएंगे माननीय राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन।

महेंद्रगढ़, 23 फरवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ 25 से 28 फरवरी तक वार्षिकोत्सव, दीक्षांत समारोह, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करने जा रहा है। विश्वविद्यालय में होने वाले 4 दिवसीय इन आयोजनों के अंतर्गत दीक्षांत समारोह के अवसर पर माननीय राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी जबकि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की शृंखला का शुभारंभ पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त प्रो. एच.सी. वर्मा करेंगे। विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव व स्थापना दिवस के अवसर पर प्रो. एच.सी. वर्मा कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने 4 दिवसीय आयोजनों की शृंखला को विद्यार्थियों में नई चेतना व उत्साह का संचार करने वाला बताया।

कुलपति ने बताया कि 25 फरवरी को स्पंदन 2022 व नवाचार विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता के साथ आयोजनों का शुभारंभ होगा तथा समापन राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ होगा। 27 फरवरी को आयोजित होने वाले 8वें दीक्षांत समारोह के संदर्भ में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस बार विश्वविद्यालय 1078 विद्यार्थियों शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान करने जा रहा है। इसमें 24 विद्यार्थियों शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 19 को पीएच.डी., 14 को एम.फिल और 1045 को स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि प्रदान की जाएगी। प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि दीक्षांत समारोह में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय हमारे बीच उपस्थित रहेंगे। दीक्षांत समारोह से पूर्व 26 फरवरी को विश्वविद्यालय के प्रोफैसर मूलचंद सभागार में पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय में 25 फरवरी से शुरू हो रहे राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह की संयोजिका प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ष विज्ञान दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने जा रहा है, जिसकी शुरूआत 25 फरवरी को वंडर्स ऑफ इनोवेशन के अंतर्गत विभिन्न विभागीय व स्थानीय स्कूलों के उल्लेखनीय प्रयासों की प्रदर्शनी के साथ होगी। इसका शुभारम्भ पदमश्री प्रो. एचसी वर्मा करेंगे।

26 फरवरी को पेंटिंग, प्रश्नोत्तरी, भाषण आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। 28 फरवरी को विज्ञान दिवस के अवसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए विश्वविद्यालय में नागालैंड विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. कृष्णमूर्ति कन्नन तथा गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रो. नीरज दिलबागी उपस्थित रहेंगे।

वंडर्स ऑफ इनोवेशन के साथ मनाया हकेंवि का स्थापना दिवस

हकेंवि में दिखा विज्ञान व कला-संस्कृति को बेजोड़ संगम

महेंद्रगढ़, 25 फरवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में विश्वविद्यालय के 14वें स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में कला व विज्ञान का बेजोड़ संगम वंडर्स ऑफ इनोवेशन व वार्षिकोत्सव स्पंदन 2022 के माध्यम से देखने को मिला। इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में पद्मश्री प्रो. एच.सी. वर्मा उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित विभिन्न उपलब्धियों के माध्यम से समूची विकास यात्रा का स्मरण किया और भविष्य की कार्ययोजना पर भी प्रकाश डाला।

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभागीय व स्थानीय स्कूलों द्वारा प्रस्तुत उनके उल्लेखनीय प्रयासों की प्रदर्शनी वडंर्स ऑफ इनोवेशन का शुभारंभ प्रो. एच.सी. वर्मा के कर-कमलों से हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजन समिति की संयोजिका व सैंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन की प्रमुख प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजन सचिव प्रो. राजेश कुमार गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक आदि उपस्थित रहे। प्रो. वर्मा ने इस अवसर पर प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

वंडर्स ऑफ इनोवेशन का उद्घाटन करते हुए प्रो. एच.सी. वर्मा, साथ में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, (दाएं) विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते ।

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार, हरियाणा व केरल की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति ने वर्ष 2009 में स्थापना के बाद से विश्वविद्यालय की विकास यात्रा और उसके विभिन्न पड़ावों का उल्लेख अपने उद्बोधन में किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रगति के पथ पर अग्रसर है और अब वह दिन दूर नहीं जब हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश ही नहीं बल्कि विश्व पटल पर पहचाना जाएगा। इसके पश्चात प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने मुख्यातिथि प्रो.एच.सी. वर्मा का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि प्रो. एच.सी. वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि जीवन में परेशानियां व चुनौतियां आती रहती हैं लेकिन सफलता उन्हीं को मिलती है, जिनकी जिद बड़ी होती है। उन्होंने इस मौके पर हरियाणा की पावन धरती का भी स्मरण किया और कहा कि इस पवित्र धरती पर विद्यमान विश्वविद्यालय में एक मिनी इंडिया बसता है और मुझे यकीन है कि इसके विद्यार्थी, शोधार्थी व अन्य सहभागी इसे बुलंदियों तक ले जाएंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के वार्षिक पुरस्कार भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के सदस्य डॉ. मनोज अवस्थी व प्रो. ताहिर हुसैन भी उपस्थित रहे। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार, हरियाणा व केरल राज्य की प्रस्तुतियों ने मन मोह लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के सदस्य डॉ. मनोज अवस्थी व प्रो. ताहिर हुसैन भी उपस्थित रहे। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार, हरियाणा व केरल राज्य की प्रस्तुतियों ने मन मोह लिया।

सम्मानित होने वाली शख्सियतें

इस अवसर पर विश्वविद्यालय पुस्तकालय की बैबसाइट व न्यूज लैटर का विमोचन भी हुआ। वार्षिक पुरस्कारों की घोषणा शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने की। इसमें शैक्षणिक व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को उनके योगदान के लिए प्रोत्साहित किया गया। शैक्षणिक श्रेणी में बैस्ट रिसर्चर पब्लिकेशन (साइंस एंड इंजीनियरिंग) अवार्ड डा. देवेंद्र कुमार, बैस्ट रिसर्चर पब्लिकेशन (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) प्रो. रंजन अनेजा, बैस्ट रिसर्चर इम्पैक्ट (साइंस एंड इंजीनियरिंग) प्रो. बिजेंद्र सिंह, बैस्ट रिसर्चर इम्पैक्ट (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) डा. अजय पाल शर्मा, बैस्ट रिसर्चर एच. इंडेक्स (साइंस एंड इंजीनियरिंग) डा. मनोज कुमार सिंह, बैस्ट रिसर्चर एच. इंडेक्स (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) प्रो. चंचल कुमार शर्मा, बैस्ट रिसर्चर प्रोजैक्ट (साइंस एंड इंजीनियरिंग) प्रो. गुंजन गोयल, बैस्ट रिसर्चर इंवैंटर प्रो. हरीश कुमार तथा बैस्ट रिसर्चर कोलबरेशन प्रो. सुरेंद्र कुमार को प्रदान किया गया। इसी क्रम में शिक्षणेत्तर श्रेणी में रामबीर गुर्जर, संजय, चेतन कुमार, अमरजीत तथा आऊटसोर्स कर्मचारियों में रेखा, फतेह सिंह, पूनम, कमलेश, मंजीत कुमार, विजय, राकेश व राजेश को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

हकेंविवि का आठवां दीक्षांत समारोह आज

प्रदेश के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय होंगे समारोह के मुख्यातिथि, 1078 विद्यार्थी और शोधार्थी करेंगे डिग्री प्राप्त

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का आठवां दीक्षांत समारोह 27 फरवरी को आयोजित होने जा रहा है। समारोह में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय मुख्य अतिथि तथा राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि आठवें दीक्षांत समारोह में 1078 विद्यार्थियों, शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक, स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान की जाएंगी।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक ने बताया कि आठवें दीक्षांत समारोह में पिछले एक साल में उत्तीर्ण कुल 1078 विद्यार्थियों, शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। डॉ. कौशिक के अनुसार इस बार 19 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि, 14 को एम.फिल और 1045 विद्यार्थियों को ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री प्रदान की जाएगी। जहां तक स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की बात है तो दीक्षांत समारोह में 24 छात्र-छात्राओं को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। जहां तक छात्र-छात्राओं की बात है तो इस दीक्षांत समारोह में डिग्री पाने वाले कुल 1078 विद्यार्थियों, शोधार्थियों में 604 छात्र, 474 छात्राएं शामिल है। इसी तरह ग्रेजुएशन एवं पोस्ट ग्रेजुएशन की उपाधि पाने वाले कुल 1045 विद्यार्थियों में 975 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं। यूजी पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 148 तथा बीवॉक में 72 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 825 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएगी।

दयानंद सरस्वती शोधपीठ में हवन करते शिक्षक व अन्य। संवाद

स्वामी दयानंद की जयंती पर किया वन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट पाली में स्वामी दयानंद सरस्वती जयंती के उपलक्ष्य में दयानंद सरस्वती शोधपीठ, संस्कृत विभाग, योग विभाग द्वारा हवन किया गया। कार्यक्रम में ऑनलाइन, ऑफलाइन दोनों माध्यमों से 40 से अधिक विद्यार्थी जुड़े। शोधपीठ के निदेशक प्रो. रणवीर सिंह भी उपस्थित रहे। योग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अजयपाल, संस्कृत विभाग से डॉ. रविदत्त शर्मा, डॉ. बिपिन कुमार झा उपस्थिति रहे। यज्ञकर्म डॉ. रविकुमार शास्त्री के द्वारा सम्पादित किया गया। डॉ. रविकुमार शास्त्री ने बताया कि स्वामी दयानंद सरस्वती आधुनिक भारत के महान चिंतक, समाज-सुधारक, आर्य समाज के संस्थापक थे। इस मौके पर प्रदीप, कृष्ण, अक्षय मालडा, संदीप सेठ, देवेंद्र, सरिता, स्मिता, गीता, चंचल, नवीन कुमारी, सविता, भरपाई देवी, दीक्षा, भारती, पूनम, नीरू, सुनील, रवींद्र चौहान, प्रदीप, रोहित, सोमवीर, निहाल, नित्यानंद, देवेंद्र मौजूद रहे। संवाद

टैगोर स्कूल की छात्रा को सम्मानित करते विश्वविद्यालय स्टाफ सदस्य। संवाद

विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में छात्रों ने मारी बाजी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में कला व विज्ञान का बेजोड़ संगम वंडर्स ऑफ इनोवेशन व वार्षिक महोत्सव कार्यक्रम में टैगोर स्कूल के विद्यार्थियों ने सराहनीय प्रदर्शन किया। मनीष यादव ने बताया कि साइंस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में भाग लेने से पहले सभी टीमों का स्क्रीनिंग टेस्ट लिया गया। टैगोर स्कूल के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए प्रिया, हर्ष ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों के विद्यालय पहुंचने पर विद्यालय के चेयरमैन डॉ. बीएल यादव ने विद्यार्थियों का स्वागत किया। विद्यालय की प्राचार्या डॉ. निशा यादव ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। इस अवसर पर वीरेंद्र सिंह, निशांत शर्मा, सुनील यादव, सुभाष यादव, वर्षा यादव मौजूद रही। संवाद

हकेंवि का 8वां दीक्षांत समारोह आज, राज्यपाल दत्तात्रेय होंगे मुख्यातिथि

महेंद्रगढ़ | हकेंवि, महेंद्रगढ़ का आठवां दीक्षांत समारोह आज 27 फरवरी को आयोजित होगा। जिसमें राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय मुख्यातिथि तथा राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल विशिष्ट अतिथि होंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि 8वां दीक्षांत समारोह में 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान की जाएंगी।

महाशिवरात्रि फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी पर मनाई जाती है

इस बार 1 मार्च मंगलवार को यह महापर्व मनाया जाएगा

भास्कर न्यूज़ | सतनाली मंडी

हिंदू धर्म में महाशिवरात्रि का त्यौहार उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। भगवान भोलेनाथ की भक्ति के लिए यह दिन बेहद खास माना जाता है। जानकारी देते हुए क्षेत्र प्रसिद्ध ज्योतिर्विद पं. कृष्ण कुमार शर्मा नांवा ने बताया कि महाशिवरात्रि हर साल फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी पर मनाई जाती है और इस बार 1 मार्च मंगलवार को यह महापर्व मनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि वैसे तो हर सप्ताह सोमवार का दिन भगवान शिव की आराधना का दिन माना जाता है और हर महीने में मासिक शिवरात्रि मनाई जाती है लेकिन साल में शिवरात्रि का मुख्य पर्व जिसे व्यापक रुप से देश भर में मनाया जाता है, दो बार आता है। एक फाल्गुन के महीने में तो दूसरा श्रावण मास में। उन्होंने बताया कि फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी की शिवरात्रि को तो महाशिवरात्रि पर्व के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि महाशिवरात्रि में भगवान शिव के रुद्राभिषेक का खास महत्त्व है। इसलिए इस पावन दिन रुद्राभिषेक करने से भोलेनाथ को प्रसन्न किया जा सकता है। मान्यता है कि भगवान शिव का रुद्राभिषेक करने से मन की इच्छाएं पूरी होती हैं। साथ ही ग्रह संबंधित सभी दोष दूर होते हैं।

महाशिवरात्रि पर बना पंचग्रही योग

शर्मा नांवा ने बताया कि ज्योतिषशास्त्र के अनुसार इस बार महाशिवरात्रि पर पंचग्रही योग बन रहा है। उन्होंने बताया कि यह एक विशेष योग है जो हर वर्ष नहीं बनता है और इस योग में पूजा अर्चना कल्याणकारी कही गई है। उन्होंने बताया कि यह योग 12वें भाव और मकर राशि में बनेगा अर्थात मकर राशि में मंगल, शनि के साथ बुध, शुक्र और चंद्रमा ग्रह रहेंगे। इसके अलावा महाशिवरात्रि के दिन धनिष्ठा नक्षत्र तथा परिध योग भी रहेगा। उन्होंने बताया कि परिध योग को शत्रुओं पर विजय पाने के लिए बेहद शुभ माना जाता है। इसके अलावा परिध योग के बाद शिव योग भी रहेगा जो पूजा अर्चना के लिए बेहद मंगलकारी माना गया है।

28 फरवरी को रहेगा सोमप्रदोष व्रत : पं. कृष्ण कुमार

शर्मा नांवा ने बताया कि इस बार 28 फरवरी को सोमप्रदोष व्रत रहेगा। उन्होंने बताया कि संतान सुख के लिए ये व्रत अति शुभ माना गया है। इसके अलावा इसी दिन शनि का पूर्व दिशा में उदय होने के कारण शिवरात्रि पर्व पर देश के विभिन्न स्थानों में वर्षा के योग भी बन रहे हैं।

ऐसे करें भगवान शिव को प्रसन्न:

शर्मा नांवा ने बताया कि शिवरात्रि को सुबह स्नान करने के उपरांत भगवान शिव को पंचामृत से स्नान करवाएं। उसके उपरांत भगवान शिव को श्वेत चंदन का तिलक लगाकर अक्षत, बिल्वपत्र, धतूरा, जायफल, अर्कपुष्प, दूर्वा, फल, मिष्ठान आदि अर्पित करें तथा केसरयुक्त खीर का भोग लगाएं। इसके अलावा पंचाक्षर नमः शिवाय के मंत्र का जाप करते हुए भगवान शिव को यथासंभव गंगाजल अर्पित करें। उन्होंने बताया कि सच्चे मन से भगवान शिव की पूजा करने से भगवान शिव अति शीघ्र प्रसन्न हो जाते हैं।

महेंद्रगढ़ गौरव अवॉर्ड : शिक्षक, चिकित्सक व सामाजिक कार्यकर्ताओं को मिला सम्मान

देश व प्रदेश के विकास में अहम भूमिका निभाने वाले लोगों का भास्कर ने महेंद्रगढ़ गौरव अवॉर्ड देकर किया सम्मानित

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

दैनिक भास्कर व केंद्रीय विश्वविद्यालय ने संयुक्त रूप से क्षेत्र के उन लोगों का शनिवार सम्मान किया जिन्होंने देश व प्रदेश के विकास में अहम भूमिका निभाई है। केंविवि के पं. मूलचंद ऑडिटोरियम में हुई महेंद्रगढ़ गौरव अवॉर्ड सम्मान समारोह में कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार मुख्यातिथि थे। अध्यक्षता विवि की रजिस्ट्रार सारिका शर्मा ने की। भास्कर के हरियाणा रिजनल हेड अशोक शर्मा व रेवाड़ी यूनिट हेड विजेंद्र यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम ने बांधा समा

कार्यक्रम के दौरान केविवि के छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सबकी वाहवाही लूटी। छात्राओं ने अपने कार्यक्रम से ना केवल मिनी भारत की संस्कृति से सबको रू-ब-रू करवाया, अपितु देश में बदल रहे हालातों पर अपने दृष्टिकोण को बताया। हरियाणवीं, राजस्थानी, बिहार लोकनृत्य व केरल लोकनृत्य की प्रस्तुति ने सभी ने सराहा।

शहर के सामाजिक सरोकार रखने वाले शिक्षक, चिकित्सक व सोशल वर्कर को महेंद्रगढ़ गौरव अवॉर्ड देने के बाद विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ केवल विद्यार्थियों को पढ़ाता ही नहीं है बल्कि उनकी क्षमताओं का विकास कर उन्हें देश का एक जिम्मेदार नागरिक भी बनाता है। यह बेहद गर्व की बात है कि महेंद्रगढ़ का नाम देश-दुनिया में ऊंचा करने वाले होनहार आज दैनिक भास्कर समूह के सहयोग से विश्वविद्यालय के सभागार में उपस्थित हुए हैं। अवश्य ही यह नई शुरूआत कही जाएगी और यकीनन इस साथ को आगे बढ़ाने का प्रयास हम करेंगे। विश्वविद्यालय सरकार के विभिन्न प्रयासों को मूर्त रूप देने का कार्य करता है।

रजिस्ट्रार सारिका शर्मा ने कहा कि किसी भी प्रदेश व देश का विकास वहां की शिक्षा पर निर्भर करता है। शिक्षा का स्तर अच्छा हो तो विकास के मार्ग खुलते हैं। साथ ही स्वास्थ्य भी उतना ही जरूरी है, जितनी शिक्षा। सामाजिक सरोकार भी विकास का आधार है। भास्कर व केंविवि का प्रयास है कि इन सबके समावेश से समाज निर्माण में जो महती भूमिका अदा कर रहे हैं, उन्हें सम्मान मिले। इसी प्रयास को को मूर्त रूप दिया गया है। इस मौके पर डॉ. अजयपाल, निदेशक, आउटरीच कार्यक्रम, डॉ. मनीष कुमार, सदस्य, आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति ने भी अपने विचार रखे।

इनको मिला महेंद्रगढ़ गौरव अवॉर्ड

भास्कर व केविवि की ओर से सुभाषचंद अग्रवाल, चेयरमैन हैप्पी स्कूल, जगदीश यादव, चेयरमैन सूरज ग्रुप ऑफ स्कूल, मनीष राव, सीईओ आरपीएस ग्रुप ऑफ एजुकेशन, राव बहादुर सिंह, चेयरमैन यदुवंशी स्कूल ऑफ एजुकेशन, राजेंद्र यादव, पूर्व उप जिला शिक्षा अधिकारी, डॉ. बीएल यादव, चेयरमैन टैगोर ग्रुप ऑफ स्कूल, कर्मवीर यादव, एमडी कृष्णा ग्रुप ऑफ एजुकेशन, अनुश्री राव, एमडी दिल्ली पब्लिक स्कूल, महेंद्रगढ़, जगदेव यादव, एमडी, एसडी ककराला स्कूल, सत्यवीर यादव, चेयरमैन, यूरो ग्रुप ऑफ स्कूल, रोशन लाल, एमडी आरआरसीएम ग्रुप ऑफ स्कूल, सुरेन्द्र यादव, एमडी, राव जयराम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, सुनील यादव, चेयरमैन देवयानी इंटरनेशनल स्कूल, एमके यादव, संस्थापक दि आईएएस हब दिल्ली, अमित यादव, चेयरमैन, जीनियस एकेडमी, विक्रम लाम्बा, चेयरमैन नालंदा सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रमेश सैनी, चेयरमैन बचपन प्ले स्कूल, महेंद्रगढ़, डॉ. मेजर सूरत सिंह, सर्जन, डॉ. राजीव यादव, हड्डी रोग विशेषज्ञ, डॉ. प्रदीप यादव, सर्जन, डॉ. राजवीर यादव, आई विशेषज्ञ, मंजू कौशिक, राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता, मुकेश महता, अध्यक्ष रोटरी क्लब, संदीप मालड़ा, समाजसेवी, रामजीवन मित्तल, समाजसेवी, महेंद्र सिंह देवनगर, समाजसेवी, नवीन मित्तल, समाजसेवी, नरेश गोयल चेयरमैन, समाजसेवी, सुमित गोयल, समाजसेवी महेंद्रगढ़ गौरव अवार्ड से नवाजा गया। इस कार्यक्रम में गोयल ईजी बाजार, डीपीएस स्कूल, लक्ष्मीनारायण अस्पताल, परफेक्ट स्कूल यूनिफार्म, दि आईएएस हब व संतोष कंस्ट्रक्शन कंपनी का सहयोग रहा।

राज्य स्तरीय पशु प्रदर्शनी में नीतू की गाय और बिजेंद्र की झोटी ने पाया पहले स्थान

दूसरे दिन की प्रतियोगिता में जिले के 5 पशुओं ने जीते नकद ईनाम

भास्कर न्यूज़ | नारनौल

भिवानी में आयोजित राज्य स्तरीय पशु प्रदर्शनी में दूसरे दिन आरंभ हुई पशुओं की विभिन्न कैटेगरी की प्रतियोगिताओं में जिले के 5 पशुओं ने ईनाम जीते हैं। इनमें कनीना खंड के गांव गुढा निवासी नीतू पत्नी पवन कुमार की एचएफ क्रॉस नस्ल की दो गायों ने ईनाम जीता है। इनमें एक गाय दुधारू कैटेगरी में प्रथम तथा एक गाय ड्राई कैटेगरी में तृतीय स्थान पर रही। इनको क्रमशः 51 हजार व 21 हजार का ईनाम दिया जाएगा। महेंद्रगढ़ खंड के गांव जोनावास निवासी बिरेंद्र सिंह की झोटी मुर्राह हीफर कैटेगरी में राज्यभर में प्रथम रही। उसको भी 51 हजार रुपए का ईनाम दिया जाएगा। वहीं गांव बाछौद निवासी हनुमान पुत्र रतिराम की गाय ने हरियाणा हीफर कैटेगरी में 2 दूसरे स्थान पर रहते हुए 11 हजार रुपए का ईनाम जीता है। गांव फैजअलीपुर निवासी मुनेश की मुर्राह भैंस ने ड्राई कैटेगरी में तीसरा स्थान हासिल कर 21 हजार रुपए का ईनाम जीता है। प्रतियोगिता देर रात तक चलेगी।

जिसके परिणाम रविवार को घोषित किए जाएंगे। ईनाम जीतने वाले पशुओं के पालकों को रविवार को समापन समारोह के मुख्यातिथि मुख्यमंत्री मनोहरलाल सम्मानित करेंगे तथा ईनाम जीतने वाले पशुओं का उनके समक्ष रैंप शो होगा। दूसरे दिन पहुंचे 500 से अधिक पशुपालक व किसान उपनिदेशक डॉ. नसीब सिंह का कहना है कि प्रदर्शनी को लेकर पशुपालकों व किसानों में खासा उत्साह है। दूसरे दिन शनिवार को जिले से 500 से अधिक पशुपालक व किसान भिवानी पहुंचे। जबकि पहले दिन शुक्रवार को यह आकड़ा 450 था। तीसरे दिन रविवार को यह संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। पशुपालकों व किसानों को लाने ले जाने के लिए विभाग द्वारा रोडवेज बसों की व्यवस्था की गई है। बसों के अलावा अपने पर्सनल व्हीकल्स से भी काफी संख्या में पशुपालक व किसान प्रदर्शनी में पहुंच रहे हैं।

बिहाली गोशाला के वार्षिक उत्सव में लोक कलाकारों ने दी रंगारंग प्रस्तुति

भास्कर न्यूज़ | मंडी अटेली

श्री कृष्ण गोपाल गोशाला बिहारी में वार्षिकोत्सव की दूसरे दिन शनिवार को शुरुआत नारायण सिंह यादव रामपुरा की अध्यक्षता में हुई। इस मौके पर विधायक अटेली सीताराम यादव विशेष रूप से मौजूद रहे।

मनोज कारना पार्टी ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसमें दीपा चौधरी, धर्मी तंवर, रचना तिवारी, बॉबी बघेल ने अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की शुरुआत अजय बनाना ने सरस्वती वंदना से की। दीपा चौधरी ने इंसान की इच्छा पर रागनी तृष्णा रूपी झगड़ा से या तृष्णा न्यारी गाया तथा रचना तिवारी ने लोकनृत्य से समां बांधा। कार्यक्रम में गोशाला के लिए कायशा ग्राम की तरफ से 5 लाख 71 हजार तथा बजाड़ की ओर से 3 लाख 86 हजार रुपए दान स्वरूप दिए गए। वहीं नारायण सिंह श्यामपुरा ने 11 हजार तथा बलवीर सिंह प्रधान बिहाली ने 11 हजार रुपए, रामपुरा गांव की तरफ से 5 लाख गोशाला को प्रदान किए। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि चेयरमैन डॉ. बीर सिंह यादव, प्राचार्य डॉ. सुमेर सिंह, बलबीर बाबू रूप में उपस्थित रहे।

नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर आज

भास्कर न्यूज़ | नारनौल

शहर के सिंघाना रोड पर राजा गार्डन के पास क्लीनिक में 27 फरवरी सुबह 10 बजे से मेगा मेडिकल कैंप लगाया जाएगा। शिविर का शुभारंभ नांगल चौधरी के विधायक डॉ. अभय सिंह यादव करेंगे। देवेंद्र यादव ने बताया कि आईरिस क्लीनिक में लगने वाले शिविर में जयपुर के हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. संदीप यादव, अस्थमा एवं श्वांस रोग विशेषज्ञ डॉ. लोकेश मान, हार्मोंस एवं डाइबिटीज विशेषज्ञ डॉ. अंचिन, न्यूरो विशेषज्ञ डॉ. अनुराग चौधरी, यूरोलोजिस्ट डॉ. सुरेश, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. एसएम बाजिया तथा गुर्दा रोग विशेषज्ञ डॉ. निशा गौड़ मरीजों की जांच कर उन्हें उचित परामर्श देंगी।

स्वामी दयानंद के जन्मदिवस पर हवन

भास्कर न्यूज़ | नारनौल

स्वामी दयानन्द सरस्वती के 198वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को एनएलएस डीएवी स्कूल नारनौल में सामूहिक हवन का आयोजन किया गया। यह हवन प्राचार्य विरेंद्र कुमार की उपस्थिति में कप्तान जगराम आर्य व रमेश शास्त्री द्वारा संपन्न किया गया। प्राचार्य ने सभी बच्चों को सत्यार्थ प्रकाश पुस्तक का अध्ययन करने का आह्वान किया।

उन्होंने स्वामी दयानन्द सरस्वती के जन्मदिवस पर वेदों के महत्व तथा स्वामीजी के जीवन व कार्यों की जानकारी दी तथा बच्चो को वैदिक मान्यताओं को अपनाने की प्रेरणा दी। इस मौके पर स्कूल के सभी बच्चों व अध्यापकों ने यज्ञ में मंत्रोच्चारण के साथ आहुति डाली तथा सभी ने समाज के लिए समर्पित जीवन जीने एवं अंध विश्वास से दूर रहने की प्रेरणा ली। स्वामीजी ने निरोग रहने के लिए योग पर बल दिया था, उसी पर अमल करते हुए बच्चों द्वारा सूर्य नमस्कार व योगासन भी किया गया।

श्याम निशान पदयात्रा आज

भास्कर न्यूज़ | नारनौल

श्री श्याम परिवार के तत्वावधान में रविवार श्याम निशान पदयात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा चमत्कारी बालाजी मंदिर से चलकर जोरासीधाम स्थित श्याम बाबा मंदिर पहुंचेगी। अजय कुमार ने बताया कि निशान यात्रा से पूर्व चमत्कारी बालाजी मंदिर मे निशान उठाने वाले भक्तजनों से श्याम बाबा के पावन निशान की सपत्निक पूजा अर्चना करवाई जाएगी, जिसके बाद श्याम बाबा की विशाल निशान पदयात्रा प्रारंभ होगी, जिसमें सैकड़ों भक्तजन निशान उठाकर हिस्सा लेंगे। ढोल-नगाड़ों के साथ नाचते गाते हुए भक्तजन जोरासी धाम पहुंचकर श्याम बाबा के चरणों में निशान समर्पित कर अपनी यात्रा पूर्ण करेंगे। जिसके बाद वहां श्याम बाबा का भंडारा किया जाएगा।

विद्यार्थियों को किया सम्मानित

भास्कर न्यूज़ | नारनौल

परमाणु खनिज अन्वेषण और अनुसंधान निदेशालय हैदराबाद द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत ऑनलाइन आयोजित की गई राष्ट्रीय निबंधन लेखन व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में कॉलेज के दो विद्यार्थियों मनीषा चौधरी व विकास ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उनकी इस उपलब्धि पर शनिवार को कॉलेज में उनको सम्मानित किया गया। प्राचार्या डॉ. पूर्ण प्रभा ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उन्हें आगे भी अच्छा प्रदर्शन करने और महाविद्यालय का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

शिविर में किया रक्तदान

आकोदा | संस्कार भारती ग्रुप ऑफ इंस्टी ट्यूशन में शुक्रवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। संस्था के चेयरमैन सुदेश यादव व सीमा यादव ने रक्तदान को महादान बताते हुए इस शिविर की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से दिल की सेहत में सुधार होता है व दिल की बीमारियों और स्ट्रोक का खतरा भी कम हो जाता है। रक्तदान शिविर के दौरान संस्था की प्रिंसिपल सरोज यादव, योगेश, विकास आदि ने भी रक्तदान किया। वहीं संस्था की छात्राओं ने भी आगे आकर रक्तदान कर अपना योगदान दिया।

सामान्य ज्ञान क्विज में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

महेंद्रगढ़ | राव सुलतान सिंह सीनियर सेकेंडरी स्कूल निंबेडा में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता हुई। जिसमें कक्षा छठी से 12वीं तक के बच्चों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में टीम डी के विद्यार्थी खुशी, प्रिया, साक्षी, सोनू, पायल, यशु, कर्मवीर, अंजलि, मनजीत, कंचन, जयप्रकाश पहले स्थान पर रहे। टीम सी के विद्यार्थी खुशी, नवीन, कुसुम, शीतल, पूजा, आरती, कविता, ममता, प्रिया, आरती, कविता, तमन्ना, दीपिका, अभिषेक और डेविड दूसरे स्थान पर रहे।

शादी के 35 साल बाद 68 वर्ष की आयु में सन्तान प्राप्ति

निल शुक्राणु बच्चेदानी की रसौली का आयुर्वेदिक इलाज

अम्बाला छावनी : 12 बार टेस्ट ट्यूब बेबी (आई.वी.एफ.) तथा 10 बार आई.यू.आई. कराने के बाद भी बच्चा न हुआ पर दम्पत्ति ने हिम्मत नहीं हारी। 68 वर्ष की उम्र में किस्मत बदल गई। घर में बच्चे की किलकारियों से एक नई रोशनी आ गई।

आखिर पति-पत्नी ने नब्ज दिखा कर अपना आयुर्वेदिक इलाज डॉ.के.सी.शर्मा, अमेरिकन अस्पताल, सर्राफा बाजार, अम्बाला छावनी फोन नम्बर 94160 15050 से करवाया व सन्तान प्राप्ति हुई। इससे पहले उन्होंने अपना इलाज शिमला, मुम्बई, गुड़गांव, हरियाणा, पंजाब व हिमाचल प्रदेश के मशहूर अस्पतालों से व एम्स दिल्ली तथा पीजीआई अस्पताल चंडीगढ़ से करवाया था पर निराशा ही मिली। एक दिन जालंधर में रहने वाली सहेली ने बताया कि उसको भी शादी के 35 साल बाद बच्चे की प्राप्ति डॉ.के.सी.शर्मा, अमेरिकन हॉस्पिटल, सर्राफा बाजार, अम्बाला छावनी फोन नं 94160 15050 को नब्ज दिखा कर आयुर्वेदिक इलाज करवा कर हुई थी। पति उम्र 68 वर्ष के शुक्राणु निल, सैक्स-मर्दाना कमजोरी, धात व शीघ्रपतन था। पत्नी उम्र 57 वर्ष को फैलोपियन ट्यूब बंद थी, पीरियड आगे-पीछे, बच्चेदानी में रसौली, फाइब्रॉइड व ओवरी में सिस्ट थे, अंडा-ओवम नहीं बनता था, पी.सी.ओ.डी. था। उसकी सलाह मान कर अमेरिकन हॉस्पिटल में नब्ज दिखा कर आयुर्वेदिक इलाज करवाया और सन्तान की प्राप्ति हुई। वहां से आयुर्वेदिक इलाज करवा कर कई स्त्रियों को 28 साल से रुकी माहवारी भी आ चुकी है एवं कई निःसंतान महिलाओं की गोद भर चुकी है।

निल शुक्राणु, सैक्स कमजोरी व ओवरी सिस्ट, यूटेरस में रसौली, फेलोपियन ट्यूब बन्द, बार बार एबॉर्शन मिसकैरेज होना, बच्चे की दिल की धड़कन न बनना ग्रोथ न होना, शादी से पहले और शादी के बाद मर्दाना एवं सैक्स कमजोरी का आयुर्वेदिक इलाज, कई स्त्रियों को 28 साल से रुकी माहवारी आई

जयंती • जिलेभर में मनाई गई स्वामी दयानंद सरस्वती की जयंती

जयंती पर स्वामी दयानंद को किया नमन

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट-पाली में स्वामी दयानंद सरस्वती जयन्ती के उपलक्ष्य में दयानंद सरस्वती शोधपीठ, संस्कृत विभाग व योग विभाग द्वारा हवन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों माध्यमों से 40 से अधिक विद्यार्थी जुड़े। इसमें शोधपीठ के निदेशक प्रो. रणबीर सिंह भी उपस्थित रहे।

हकेंवि में स्वामी दयानंद की जयंती पर हवन करते प्रबंधन व विद्यार्थी।

कार्यक्रम में योग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अजयपाल, संस्कृत विभाग से डॉ. रविदत्त शर्मा और डॉ. विपिन कुमार झा उपस्थित रहे। यज्ञ-कर्म डॉ. रविकुमार शास्त्री द्वारा सम्पादित किया गया। डॉ. रविकुमार शास्त्री ने स्वामी दयानंद सरस्वती के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे आधुनिक भारत के महान चिन्तक, समाज-सुधारक तथा आर्य समाज के संस्थापक थे। उन्होंने वेदों की सत्ता को सदा सर्वोपरि माना। विषम परिस्थितियों में महर्षि दयानंद सरस्वती ने वेदों का अलख जगाई। इस मौके पर प्रदीप, कृष्ण, अक्षय मालडा, संदीप सेठ, देवेन्द्र, सरिता, समिता, गीता, चंचल, नवीन कुमारी, सविता, भरपाई देवी, दीक्षा, भारती, पूनम, नीरू, सुनील, रवीन्द्र , प्रदीप, रोहित, सोमवीर, निहाल, नित्यानन्द, देवेन्द्र व अन्य लोग उपस्थित रहे।

स्वामी दयानंन की जयंती पर हवन आयोजित

महेंद्रगढ़ | डीएवी पब्लिक स्कूल में शनिवार को स्वामी दयानंद सरस्वती की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय द्वारा हवन का आयोजन किया गया। इस दौरान व विद्यालय प्राचार्य राजेन्द्र अरोड़ा ने स्वामी की शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि स्वामी दयानंद सरस्वती आधुनिक भारत के महान समाज सुधारक थे। उन्होंने कहा कि सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने में समाज में अपना योगदान दिया।

farnazfever.com

हरिभूमि
रोहतक -महेन्द्रगढ़
27 Feb 2022

केंद्रीय विश्वविद्यालय में हवन यज्ञ आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट पाली में स्वामी दयानंद सरस्वती जयंती के उपलक्ष्य में दयानंद सरस्वती शोधपीठ, संस्कृत विभाग व योग विभाग के संयुक्त प्रयत्न से हवन किया गया। इसमें ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों माध्यमों से 40 से अधिक विद्यार्थी जुड़े। इसमें शोधपीठ के निदेशक प्रो. रणवीर सिंह उपस्थित रहे। वहीं कार्यक्रम में योग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अजयपाल, संस्कृत विभाग से डॉ. रविदत्त शर्मा और डॉ. बिपिन झा भी उपस्थित रहे। यज्ञकर्म डॉ. रवि शास्त्री द्वारा संपादित किया गया। डॉ. रवि शास्त्री ने स्वामी दयानंद सरस्वती के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे आधुनिक भारत के महान चिंतक, समाज-सुधारक थे।

'रोजगार चाहने वाला नहीं, देने वाला बनें'

हकेंवि दीक्षांत समारोह : राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय बोले, राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए कड़ी मेहनत करें विद्यार्थी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। देश और समाज को उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। सरकार कौशल विकास और स्टार्टअप के क्षेत्र में रोजगार के लिए बहुत खर्च कर रही है। हमें नौकरी चाहने वाला बनने के बजाय नौकरी देने वाला बनना चाहिए।

यह विचार रविवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि प्रदेश के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने व्यक्त किए। इस मौके पर राज्यपाल ने चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर और स्मारिका का विमोचन भी किया गया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल के अलावा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव, पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है।

उन्होंने कहा कि आज आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट बोर्ड, ब्लॉक चेन, कंप्यूटरिंग उपकरण आदि जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। राज्यपाल ने कोरोना महामारी के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की। विशिष्ट अतिथि प्रो. केके अग्रवाल ने कहा कि एक से अधिक विषयों का ज्ञान आवश्यक है। इसमें अंतः विषयी और लाइफ लॉन्ग लर्निंग पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शोध स्थानीय एवं राष्ट्रीय विकास में मदद देने वाला होना चाहिए।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षांत साम्रोह की स्मारिका का विमोचन करते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य। संवाद

छात्रा को स्वर्ण पदक देते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

24 स्वर्ण पदक सहित 1078 विद्यार्थियों को मिलीं उपाधियां

समारोह में कुल 1078 विद्यार्थियों और शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। स्नातक पाठ्यक्रमों के तहत बीटेक के 148 तथा बीवॉक में 72 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 825 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। 19 शोधार्थियों को पीएचडी एवं 14 को एमफिल की उपाधि प्रदान की गई। 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 604 छात्र और 474 छात्राएं शामिल हैं। 975 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं।

विवि ने अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश को दृढ़ रखा

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि महामारी की विभिन्न चुनौतियों एवं बाधाओं के बावजूद विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के अपने उद्देश्य को दृढ़ रखा। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कुल सचिव प्रो. सारिका शर्मा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्वर्ण पदक पाकर खिले होनहारों के चेहरे, अलग-अलग रही सफलता की कहानी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में रविवार को आयोजित आठवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त कर विद्यार्थियों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मेहनत का फल कैसा होता है यह उनके चमकते चेहरों को देखकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता था। किसी ने सफलता का श्रेय गुरुजनों को दिया तो किसी ने परिवार के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। हर किसी की सफलता की कहानी अलग-अलग थी।

सफलता का श्रेय गुरुजन और परिवार को दिया

शिक्षकों को दिया सफलता का श्रेय

दरभंगा की साक्षी अग्रवाल ने मास्टर ऑफ बायो टेक्नोलॉजी में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने अपने विचार सांझा करते हुए अपनी इस सफलता का श्रेय शिक्षकों को दिया और कहा कि उनके बताए मार्ग पर चलकर ही उन्हें यह उपलब्धि प्राप्त हुई। साक्षी ने कहा कि वे शिक्षकों की सदैव ऋणी रहेंगी।

संघर्ष से हुई शुरूआत तो सफलता ने दिया फल

झारखंड की विजया भारती ने प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी में अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने कहा कि शुरुआत भले ही संघर्ष के साथ हुई लेकिन सफलता बेहद फलदायी रही। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को दिया।

साथियों के सहयोग से भेदा लक्ष्य

बिहार के पटना के रोहित राज ने बायो मेडिकल साइंस में स्वर्ण पदक हासिल करने के बाद कहा कि वे विश्वविद्यालय में मिली शिक्षा और साथियों के सहयोग से इस लक्ष्य को भेद पाए। उन्होंने यहां मिले ज्ञान के लिए शिक्षकों को हृदय से आभार जताया।

विवि में मिला बेहतर शैक्षणिक माहौल तो पाई सफलता

भौतिकी की छात्रा खुशबू और आयुषी ने स्वर्ण पदक दिखाते हुए कहा कि उनकी सफलता का सबसे अहम कारण विश्वविद्यालय में मिला शैक्षणिक माहौल रहा। राजस्थान की रहने वाली इन दोनों बेटियों ने अपनी जैसी अन्य छात्राओं को जीवन में परिश्रम के लिए सतत प्रयास करने की सीख दी।

दैनिक भास्कर एवं केंद्रीय विश्वविद्यालय ने किया हस्तियों का सम्मान

महेंद्रगढ़ गौरव अवार्ड - 2022

समारोह में मुख्यातिथि प्रो. टकेंश्वर कुमार जी, कुलपति कैंविवि हरियाणा रहें तथा कार्यक्रम कि अध्यक्षता प्रो. सारिका शर्मा जी, रजिस्ट्रार कैंविवि हरियाणा ने की।

Central University of Haryana

मुख्यातिथि प्रो. टकेंश्वर कुमार जी, कुलपति कैंविवि दीप प्रज्जवलित करते हुए

मुख्यातिथि प्रो. टकेंश्वर कुमार जी, कुलपति कैंविवि समारोह संबोधित करते हुए

मुख्यातिथि प्रो. टकेंश्वर कुमार जी, कुलपति कैंविवि को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए भास्कर टीम

महेन्द्रगढ़ गौरव अवार्ड-2022 सम्मान समारोह मे सम्मान ग्रहण करने वाले हस्तियों के साथ मुख्यातिथि प्रो. टकेंश्वर कुमार जी, कुलपति कैंविवि हरियाणा एवं प्रो. सारिका शर्मा जी, रजिस्ट्रार कैंविवि हरियाणा

अशोक शर्मा जी, रिजनल हेड, दैनिक भास्कर हरियाणा व प्रो. सारिका शर्मा जी, रजिस्ट्रार कैंविवि दीप प्रज्जवलित करते हुए

प्रो. सारिका शर्मा जी, रजिस्ट्रार कैंविवि समारोह संबोधित करते हुए

प्रो. सारिका शर्मा जी, रजिस्ट्रार कैंविवि को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए भास्कर टीम

सुभाषचंद अग्रवाल, चेयरमैन हैप्पी स्कूल को सम्मानित करते हुए प्रो. टकेंश्वर कुमार जी

मनीष राव, सीईओ आरपीएस ग्रुप ऑफ एजुकेशन को सम्मानित करते हुए प्रो. टकेंश्वर कुमार जी

राव करण सिंह, वाइस चेयरमैन यदुवंशी ग्रुप ऑफ एजुकेशन को सम्मानित करते हुए प्रो. टकेंश्वर कुमार जी

राजेंद्र यादव, पूर्व उप जिला शिक्षा अधिकारी को सम्मानित करते हुए प्रो. टकेंश्वर कुमार जी

डॉ. बीएल यादव, चेयरमैन, टैगोर ग्रुप ऑफ एजुकेशन को सम्मानित करते हुए सुनिल शर्मा जी

कर्मवीर राव, एमडी श्री कृष्णा ग्रुप ऑफ एजुकेशन को सम्मानित करते हुए प्रो. टकेंश्वर कुमार जी

अनुश्री राव, एमडी दिल्ली पब्लिक स्कूल, महेन्द्रगढ़ को सम्मानित करते हुए प्रो. टकेंश्वर कुमार जी

जगदेव यादव, एमडी, एस.डी. स्कूल, ककराला को सम्मानित करते हुए प्रो. टकेंश्वर कुमार जी

सत्यवीर यादव, चेयरमैन, यूरो ग्रुप ऑफ स्कूल को सम्मानित करते हुए प्रो. टकेंश्वर कुमार जी

रोशन लाल, एमडी आर.आर.सी.एम. ग्रुप ऑफ एजुकेशन को सम्मानित करते हुए प्रो. टकेंश्वर कुमार जी

सुरेन्द्र यादव, एमडी, राव जयराम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस को सम्मानित करते हुए राकेश यादव व सुनिल शर्मा जी

सुनील यादव, चेयरमैन देवयानी इंटरनेशनल स्कूल को सम्मानित करते हुए प्रो. टकेंश्वर कुमार जी

एमके यादव, संस्थापक AI Testified को सम्मानित करते हुए प्रो. टकेंश्वर कुमार जी

अमित यादव, चेयरमैन, जीनियस एकेडमी को सम्मानित करते हुए प्रो. टकेंश्वर कुमार जी

रमेश सैनी, चेयरमैन बचपन प्ले स्कूल, महेंद्रगढ़ को सम्मानित करते हुए प्रो. टकेंश्वर कुमार जी

डॉ. मेजर सूरत सिंह, सर्जन, शरबती सर्जीकल मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल को सम्मानित करते हुए प्रो. टकेंश्वर कुमार जी

डॉ. राजीव यादव, हड्डी रोग विशेषज्ञ, यादव आर्थो हॉस्पिटल को सम्मानित करते हुए आनंद शर्मा जी

डॉ. प्रदीप यादव, सर्जन, लक्ष्मी नारायण हॉस्पिटल को सम्मानित करते हुए राकेश यादव व सुनिल शर्मा जी

डॉ. राजबीर यादव, आई विशेषज्ञ, सावित्री आई हॉस्पिटल को सम्मानित करते हुए प्रो. टकेंश्वर कुमार जी

मंजू कौशिक, राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता को सम्मानित करते हुए प्रो. टकेंश्वर कुमार जी

मुकेश महता, अध्यक्ष रोटरी क्लब को सम्मानित करते हुए प्रो. टकेंश्वर कुमार जी

संदीप मालड़ा, समाजसेवी को सम्मानित करते हुए प्रो. टकेंश्वर कुमार जी

रामजीवन मित्तल, समाजसेवी को सम्मानित करते हुए प्रो. टकेंश्वर कुमार जी

सुमित गोयल, समाजसेवी को सम्मानित करते हुए प्रो. टकेंश्वर कुमार जी

हकेंवि महेंद्रगढ़ के 8वें दीक्षांत समारोह का आयोजन, राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय रहे मुख्यातिथि

24 को स्वर्ण पदक, 19 को पीएचडी, 14 को एमफिल व 1045 विद्यार्थियों को दी गई स्नातक और स्नातकोत्तर की उपाधि

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि महेंद्रगढ़ के आठवें दीक्षांत समारोह का रविवार आयोजन हुआ। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मुख्यातिथि के तौर पर शिरकत की। राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धासुमन भी अर्पित किए। विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलगीत के साथ हुई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर व स्मारिका का विमोचन भी किया गया। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार कौशल विकास व स्टार्ट-अप के क्षेत्र में रोजगार के लिए सराहनीय कार्य कर रही है। हमें नौकरी चाहने वाले की बजाय नौकरी देने वाले बनने की जरूरत है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट बोर्ड, ब्लॉकचेन, कंप्यूटिंग उपकरण आदि जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। मुख्य अतिथि ने कोरोना महामारी के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की।

दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. केके अग्रवाल ने कहा कि एक से अधिक विषयों का ज्ञान आवश्यक है। इसमें अंतः विषयी और लाइफ लांग लर्निंग पाठ्यक्रम महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शोध स्थानीय एवं राष्ट्रीय विकास में मदद देने वाला होना चाहिए। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़ में हकेंवि के आठवें दीक्षांत सामरोह की स्मारिका का विमोचन करते राज्यपाल।

स्वर्ण पदक विजेताओं की सूची

विद्यार्थी का नाम	विभाग का नाम
1 देवाशीष पॉल, विद्या निष्णात	(शिक्षा)
2 निशांत गौड़, प्रौद्योगिकी स्नातक	(निर्माणअभियांत्रिकी)
3 रूपेश कुमार गर्ग, प्रौद्योगिकी स्नातक	(कम्प्यूटर विज्ञान अभियांत्रिकी)
4 मोहम्मद शाहबाज खान, प्रौद्योगिकी स्नातक	(विद्युत अभियांत्रिकी)
5 विजया भारती, प्रौद्योगिकी स्नातक	(मुद्रण एवं पैकेजिंग प्रौद्योगिकी)
6 रोहित राज, व्यवसाय स्नातक	(जैव-चिकित्सकीय विज्ञान)
7 कुमारी अपर्णा, व्यवसाय स्नातक	(औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन)
8 ऐश्वर्या जोशी, व्यवसाय स्नातक	(खुदरा एवं रसद प्रबंधन)
9 मोनिका, शिक्षा स्नातक	(बीएड)
10 सूरज गौतम, कला निष्णात	(अर्थशास्त्र)
11 मानशी तंवर, कला निष्णात	(मनोविज्ञान)
12 सुश्री स्निग्धा, दंडपाट	(पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान निष्णात)
13 तनुजा मोहंती, विज्ञान निष्णात	(जैव-रसायनविज्ञान)
14 साक्षी अग्रवाल, विज्ञान निष्णात	(जैव-प्रौद्योगिकी)
15 स्नेहलता, विज्ञान निष्णात	(रसायन विज्ञान)
16 शिवांगी गुसाईं, विज्ञान निष्णात	(पर्यावरण विज्ञान)
17 सैयद इर्तिजा मजीद, विज्ञान निष्णात	(भूगोल)
18 शर्मिला, विज्ञान निष्णात	(गणित)
19 मधु यादव, विज्ञान निष्णात	(सूक्ष्मजीव विज्ञान)
20 दीपिका, विज्ञान निष्णात	(पोषण जीवविज्ञान)
21 आयुषी मिगलानी, विज्ञान निष्णात	(भौतिकी)
22 खुशबू शर्मा, विज्ञान निष्णात	(भौतिकी)
23 सलोनी गोयल, विज्ञान निष्णात	(सांख्यिकी)
24 तेजेंद्र, विज्ञान निष्णात	(योग)

24 स्वर्ण पदक सहित 1078 विद्यार्थियों को उपाधियां

हकेंवि के आठवें दीक्षांत समारोह में कुल 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 148 तथा बीकॉम में 72 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 825 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 19 शोधार्थियों को पीएचडी एवं 14 को एमफिल की उपाधि प्रदान की गई। 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 604 छात्र और 474 छात्राएं शामिल हैं। 975 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं।

हकेंवि के दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाकर खिले होनहारों के चेहरे

स्वर्ण पदक विजेता विद्यार्थियों ने सफलता का श्रेय मेहनत, शिक्षकों और गुरुजनों को दिया

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में रविवार को आयोजित आठवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की खुशी देखते ही बन रही थी। मेहनत का फल कैसा होता है यह उनके चमकते चेहरों को देखकर सहज ही पता चल रहा था। किसी ने सफलता का श्रेय गुरुजनों को दिया तो किसी ने परिवार के योगदान को महत्त्वपूर्ण बताया। हर किसी की सफलता की कहानी अलग-अलग थी।

साक्षी को बायोटक्नोलॉजी में मिला स्वर्ण

दरभंगा की साक्षी अग्रवाल ने मास्टर ऑफ बायोटेक नोलॉजी में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने अपने विचार साझा करते हुए अपनी इस सफलता का श्रेय शिक्षकों को दिया और कहा कि उनके बताए मार्ग पर चलकर ही उन्हें यह उपलब्धि प्राप्त हुई। साक्षी ने कहा कि वे शिक्षकों की सदैव ऋणी रहेंगी।

भौतिकी में खुशबू और आयुषी को स्वर्ण

भौतिकी की छात्राएं खुशबू और आयुषी ने स्वर्ण पदक दिखाते हुए कहा कि उनकी सफलता का सबसे अहम कारण विश्वविद्यालय में मिला शैक्षणिक माहौल रहा। राजस्थान की रहने वाली इन दोनों बेटियों ने अपनी जैसी अन्य छात्राओं को जीवन में परिश्रम के लिए सतत प्रयास करने की सीख दी।

रोहित राज को बायोमेडिकल में मिला स्वर्ण

बिहार के पटना के रोहित राज ने बायोमेडिकल साइंसेज में स्वर्ण पदक हासिल करने के बाद कहा कि वे विश्वविद्यालय में मिली शिक्षा और साथियों के सहयोग से इस लक्ष्य को भेद पाए। उन्होंने यहां मिले ज्ञान के लिए शिक्षकों को हृदय से आभार जताया।

विजया भारती को प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी में मिला स्वर्ण

झारखंड की विजया भारती ने प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी में अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने कहा कि शुरुआत भले ही संघर्ष के साथ हुई लेकिन सफलता बेहद फलदायी रही। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को दिया।

'संतुलन-दूत' का हुआ मंचन

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति ने की

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने की।

मुख्यातिथि के रूप में पद्मश्री प्रो. एचसी वर्मा उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों और सम्मानित अतिथियों की मौजूदगी में हिंदी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. पंकज कुमार 'सत्यार्थी' द्वारा लिखित एवं निर्देशित काव्य-नाटक 'संतुलन–दूत' का मंचन किया गया। स्त्री-प्रधान नाटक 'संतुलन-दूत' के मुख्य पात्र का अभिनय ईशा सिंह, रजनी ठाकुर, अनमोल रतन तथा अनुज यादव ने किया। प्रस्तुत मंचन में सचिन, नैना, नारायण तथा विश्वविद्यालय के अन्य छात्र–छात्राओं ने अपनी भागीदारी दर्ज की।

सभी कलाकारों ने अपने जीवंत अभिनय से वहां उपस्थित दर्शकों को नाटक के माध्यम से स्त्री विषय पर सोचने को विवश किया। विश्व-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी की स्वीकृति के समर्थन में लिखा गया यह नाटक दर्शकों के भीतर महिला समाज के प्रति जागरूकता पैदा करता है। शोषण के लगभग सभी आयाम पर प्रहार करता यह नाटक अपने मूल में स्त्री-समस्याओं को रेखांकित करते हुए समाज के भीतर चेतना प्रदान करता है जिससे स्त्री-समस्याओं के प्रति गहराई से विचार किया जा सके।

रोजगार चाहने वाले नहीं देने वाले बनें : राज्यपाल

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के आठवें दीक्षांत समारोह का आयोजन रविवार को हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धा सुमन भी अर्पित किए। विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलगीत के साथ हुई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर व स्मारिका का

विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज और देश को डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। उन्होंने कहा कि सरकार कौशल विकास व स्टार्ट अप के क्षेत्र में रोजगार के लिए बहुत खर्च कर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट बोर्ड, ब्लाकचेन, कंप्यूटिंग उपकरण आदि जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। मुख्य अतिथि ने कोरोना महामारी के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को

बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की। दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. केके अग्रवाल ने कहा कि एक से अधिक विषयों का ज्ञान आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शोध स्थानीय एवं राष्ट्रीय विकास में मदद देने वाला होना चाहिए। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में विवि की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का उनकी उपस्थिति के लिए हृदय से आभार प्रकट किया। इस अवसर पर कुलपति ने उपाधि व स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विवि की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति ने बताया कि महामारी की विभिन्न चुनौतियों एवं बाधाओं के बावजूद विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के अपने उद्देश्य को दृढ़ रखा। विश्वविद्यालय की शोध उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि विवि आने वाले वर्षों में अपने अनुसंधान एवं नवाचार कार्यों में अग्रणी स्थिति में होगा। दीक्षांत समारोह में विवि की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विवि की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विवि की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डा. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि के आठवें दीक्षांत समारोह की स्मारिका का विमोचन करते हुए राज्यपाल ● सा संस्था

हकेंवि के आठवें दीक्षांत समारोह मे स्वर्ण पदक देते हुए राज्यपाल ● साभार संस्था

24 स्वर्ण सहित 1078 विद्यार्थियों को उपाधियां

हकेंवि के आठवें दीक्षांत समारोह में कुल 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 148 तथा बीवाक में 72 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 825 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 19 शोधार्थियों को पीएचडी एवं 14 को एमफिल की उपाधि प्रदान की गई।

हकेंवि का आठवां दीक्षांत समारोह

'नौकरी चाहने वाले नहीं देने वाले बनें छात्र'

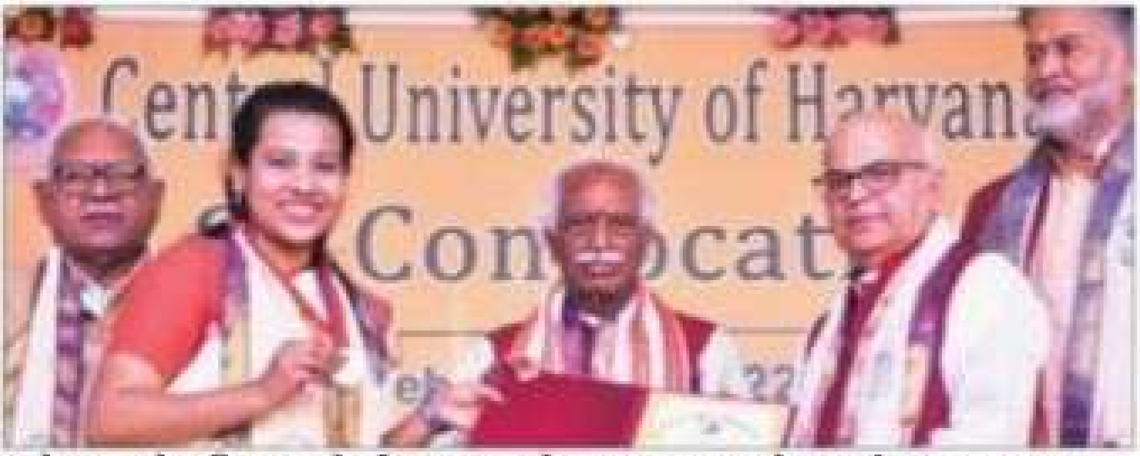

महेंद्रगढ़ में रविवार को दीक्षांत समारोह एक छात्रा को स्वर्ण पदक प्रदान करते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय। -निस

महेन्द्रगढ़, 27 फरवरी (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) का आठवां दीक्षांत समारोह रविवार को हुआ। मुख्य अतिथि राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल शामिल हुए। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे।

दीक्षांत समारोह में 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को संबोधित किया और कहा कि समाज और देश को डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। उन्होंने कहा कि हमें नौकरी चाहने की बजाय नौकरी देने वाले बनने की जरूरत है। आज आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट बोर्ड, ब्लॉकचेन, कंप्यूटिंग उपकरण आदि जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं।

प्रो. केके अग्रवाल ने कहा कि एक से अधिक विषयों का ज्ञान आवश्यक है। शोध स्थानीय एवं राष्ट्रीय विकास में मदद देने वाला होना चाहिए। इस अवसर पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर मौजूद थे।

दैनिक ट्रिब्यून Mon, 28 February 2022
https://epaper.dainiktribu

केंद्रीय विवि के दीक्षांत समारोह

स्वर्ण पदक विजेताओं को किया सम्मानित

- राज्यपाल दत्तात्रेय एवं कुलपति टंकेश्वर ने सम्मान बढ़ाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

केंद्रीय विश्वविद्यालय जांट-पाली के आठवें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने स्वर्ण पदक विजेताओं को भी सम्मानित किया, जिनमें देवाशीष पॉल विद्या निष्णात (शिक्षा), निशांत गौड़ प्रौद्योगिकी स्नातक (निर्माण अभियांत्रिकी), रूपेश गर्ग प्रौद्योगिकी स्नातक (कंप्यूटर विज्ञान अभियांत्रिकी), मोहम्मद शाहबाज खान प्रौद्योगिकी स्नातक (विद्युत अभियांत्रिकी), विजया भारत प्रौद्योगिकी स्नातक (मुद्रण एवं पैकेजिंग प्रौद्योगिकी), रोहित राज व्यवसाय स्नातक (जैव-चिकित्सकीय विज्ञान), अपर्णा व्यवसाय स्नातक (औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन), ऐश्वर्या जोशी व्यवसाय स्नातक (खुदरा एवं रसद प्रबंधन), मोनिका शिक्षा स्नातक (बीएड), सूरज गौतम कला निष्णात (अर्थशास्त्र), मानशी तंवर कला निष्णात (मनोविज्ञान), सुश्री स्निग्धा दंडपाट पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान निष्णात, तनुजा मोहंती विज्ञान निष्णात (जैव-रसायन विज्ञान), साक्षी अग्रवाल विज्ञान निष्णात (जैव-प्रौद्योगिकी), स्नेहलता विज्ञान निष्णात (रसायन विज्ञान), शिवांगी गुसाईं विज्ञान निष्णात (पर्यावरण विज्ञान), सैयद इर्तिजा मजीद विज्ञान निष्णात (भूगोल), शर्मिला विज्ञान निष्णात (गणित), मधु यादव विज्ञान निष्णात (सूक्ष्म जीव विज्ञान), दीपिका विज्ञान निष्णात (पोषण जीवविज्ञान), आयुषी मिगलानी विज्ञान निष्णात (भौतिकी), खुशबू शर्मा विज्ञान निष्णात (भौतिकी), सलोनी गोयल विज्ञान निष्णात (सांख्यिकी) एवं तेजेंद्र विज्ञान निष्णात (योग) शामिल हैं।

महेंद्रगढ़। दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक से सम्मानित करते राज्यपाल। फोटो: हरिभूमि

इन सभी को राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय एवं कुलपति टंकेश्वर समेत अन्य अतिथियों ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

शहीद चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित

रोजगार चाहने वाले नहीं देने वाले बनें : राज्यपाल

- हकेंवि के आठवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय
- 24 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 19 को पीएचडी, 14 को एमफिल और 1045 विद्यार्थियों को मिली स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि

महेंद्रगढ़। केंद्रीय विवि में विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर व स्मारिका का विमोचन करते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय एवं अतिथिगण। फोटो : हरिभूमि

24 स्वर्ण पदक सहित 1078 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

हकेंवि के आठवें दीक्षांत समारोह में कुल 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी., एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 148 तथा बीवॉक में 72 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 825 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 19 शोधार्थियों को पीएचडी एवं 14 को एमफिल की उपाधि प्रदान की गई। 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 604 छात्र और 474 छात्राएं शामिल हैं। 975 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज और देश को डिग्री प्राप्त करने वाले इन विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। हमें नौकरी चाहने वाले की बजाय नौकरी देने वाले बनने की जरूरत है। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव एवं पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धासुमन भी अर्पित किए। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर व स्मारिका का विमोचन भी किया गया। राज्यपाल ने आगे कहा कि हमें समाज और राष्ट्र के लिए योगदान देने के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार कौशल विकास व स्टार्ट अपस के क्षेत्र में रोजगार हेतु बहुत खर्च कर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है। मुख्य अतिथि ने कोरोना महामारी के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर व उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की। विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल ने कहा कि एक से अधिक विषयों का ज्ञान आवश्यक है। इसमें अंतःविषयी और लाइफ लांग लर्निंग पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शोध स्थानीय एवं राष्ट्रीय विकास में मदद देने वाला होना चाहिए। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा सभी आगंतुकों का स्वागत किया। उन्होंने उपाधि व स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति ने बताया कि महामारी की विभिन्न चुनौतियों एवं बाधाओं के बावजूद विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के अपने उद्देश्य को दृढ़ रखा। समारोह में कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

आह्वान | हकेंवि के 8वें दीक्षांत समारोह में शामिल होने पहुंचे राज्यपाल दत्तात्रेय

रोजगार चाहने वाले नहीं देने वाले बनें : राज्यपाल

जगत क्रान्ति ⏭ ईश्वर तिवारी

महेन्द्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के आठवें दीक्षांत समारोह का आयोजन रविवार को हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धासुमन भी अर्पित किए। विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलगीत के साथ हुई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर व स्मारिका का विमोचन भी किया गया। राज्यपाल ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज और देश को डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। हमें समाज और राष्ट्र के लिए योगदान देने के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार कौशल विकास व स्टार्ट अपस के क्षेत्र में रोजगार हेतु बहुत खर्च कर रही है।

उन्होंने कहा कि हमें नौकरी चाहने की बजाय नौकरी देने वाले बनने की जरूरत है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है।

उन्होंने कहा कि आज आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट बोर्ड, ब्लॉकचेन, कंप्यूटिंग उपकरण आदि जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। हकेवि के आठवें दीक्षांत समारोह में कुल 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियाँ व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 604 छात्र और 474 छात्राएं शामिल हैं।

रोजगार चाहने वाले नहीं देने वाले बनें : राज्यपाल

➪ 24 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 19 को पीएचडी, 14 को एमफिल और 1045 विद्यार्थियों को मिली स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि

जगमार्ग न्यूज़

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के आठवें दीक्षांत समारोह का आयोजन रविवार 27 फरवरी को हुआ।

इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल माननीय बंडारू दत्तात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. के के अग्रवाल दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धासुमन भी अर्पित किए।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलगीत के साथ हुई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर व स्मारिका का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल माननीय बंडारू दत्तात्रेय ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज और देश को डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। हमें समाज और राष्ट्र के लिए योगदान देने के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार कौशल विकास व स्टार्ट अपस के क्षेत्र में रोजगार हेतु बहुत खर्च कर रही है। हमें नौकरी चाहने वाले की बजाय नौकरी देने वाले बनने की जरूरत है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट बोर्ड, ब्लॉकचेन, कंप्यूटिंग उपकरण आदि जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। मुख्य अतिथि ने कोरोना महामारी के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की।

8th Convocation

Newspaper: Amar Ujala **Date: 28-02-2022**

'रोजगार चाहने वाला नहीं, देने वाला बनें'

हकेंवि दीक्षांत समारोह : राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय बोले, राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए कड़ी मेहनत करें विद्यार्थी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। देश और समाज को उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। सरकार कौशल विकास और स्टार्टअप के क्षेत्र में रोजगार के लिए बहुत खर्च कर रही है। हमें नौकरी चाहने वाला बनने के बजाय नौकरी देने वाला बनना चाहिए।

यह विचार रविवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि प्रदेश के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने व्यक्त किए। इस मौके पर राज्यपाल ने चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर और स्मारिका का विमोचन भी किया गया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल के अलावा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव, पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है।

उन्होंने कहा कि आज आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट बोर्ड, ब्लॉक चेन, कंप्यूटरिंग उपकरण आदि जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। राज्यपाल ने कोरोना महामारी के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की। विशिष्ट अतिथि प्रो. केके अग्रवाल ने कहा कि एक से अधिक विषयों का ज्ञान आवश्यक है। इसमें अंतः विषयी और लाइफ लॉन्ग लर्निंग पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शोध स्थानीय एवं राष्ट्रीय विकास में मदद देने वाला होना चाहिए।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षांत सामरोह की स्मारिका का विमोचन करते राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय, कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य। संवाद

छात्रा को स्वर्ण पदक देते राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय, कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

24 स्वर्ण पदक सहित 1078 विद्यार्थियों को मिलीं उपाधियां

समारोह में कुल 1078 विद्यार्थियों और शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। स्नातक पाठ्यक्रमों के तहत बीटेक के 148 तथा बीवॉक में 72 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 825 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। 19 शोधार्थियों को पीएचडी एवं 14 को एमफिल की उपाधि प्रदान की गई। 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 604 छात्र और 474 छात्राएं शामिल हैं। 975 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं।

विवि ने अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश को दृढ़ रखा

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि महामारी की विभिन्न चुनौतियों एवं बाधाओं के बावजूद विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के अपने उद्देश्य को दृढ़ रखा। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कुल सचिव प्रो. सारिका शर्मा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्वर्ण पदक पाकर खिले होनहारों के चेहरे, अलग-अलग रही सफलता की कहानी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में रविवार को आयोजित आठवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त कर विद्यार्थियों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मेहनत का फल कैसा होता है यह उनके चमकते चेहरों को देखकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता था। किसी ने सफलता का श्रेय गुरुजनों को दिया तो किसी ने परिवार के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। हर किसी की सफलता की कहानी अलग-अलग थी।

सफलता का श्रेय गुरुजन और परिवार को दिया

शिक्षकों को दिया सफलता का श्रेय

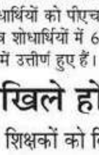

दरभंगा की साक्षी अग्रवाल ने मास्टर ऑफ बायो टेक्नोलॉजी में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने अपने विचार सांझा करते हुए अपनी इस सफलता का श्रेय शिक्षकों को दिया और कहा कि उनके बताए मार्ग पर चलकर ही उन्हें यह उपलब्धि प्राप्त हुई। साक्षी ने कहा कि वे शिक्षकों की सदैव ऋणी रहेंगी।

संघर्ष से हुई शुरूआत तो सफलता ने दिया फल

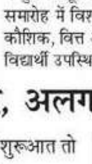

झारखंड की विजया भारती ने प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी में अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने कहा कि शुरुआत भले ही संघर्ष के साथ हुई लेकिन सफलता बेहद फलदायी रही। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को दिया।

साथियों के सहयोग से भेदा लक्ष्य

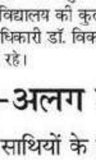

बिहार के पटना के रोहित राज ने बायो मेडिकल साइंस में स्वर्ण पदक हासिल करने के बाद कहा कि वे विश्वविद्यालय में मिली शिक्षा और साथियों के सहयोग से इस लक्ष्य को भेद पाए। उन्होंने यहां मिले ज्ञान के लिए शिक्षकों को हृदय से आभार जताया।

विवि में मिला बेहतर शैक्षणिक माहौल तो पाई सफलता

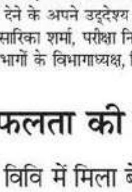

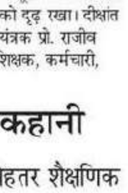

भौतिकी की छात्रा खुशबू और आयुषी ने स्वर्ण पदक दिखाते हुए कहा कि उनकी सफलता का सबसे अहम कारण विश्वविद्यालय में मिला शैक्षणिक माहौल रहा। राजस्थान की रहने वाली इन दोनों बेटियों ने अपनी जैसी अन्य छात्राओं को जीवन में परिश्रम के लिए सतत प्रयास करने की सीख दी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 28-02-2022**

हकेंवि महेंद्रगढ़ के 8वें दीक्षांत समारोह का आयोजन, राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय रहे मुख्यातिथि

24 को स्वर्ण पदक, 19 को पीएचडी, 14 को एमफिल व 1045 विद्यार्थियों को दी गई स्नातक और स्नातकोत्तर की उपाधि

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हकेंवि महेंद्रगढ़ के आठवें दीक्षांत समारोह का रविवार आयोजन हुआ। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मुख्यातिथि के तौर पर शिरकत की। राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धासुमन भी अर्पित किए। विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलगीत के साथ हुई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर व स्मारिका का विमोचन भी किया गया। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार कौशल विकास व स्टार्ट-अप के क्षेत्र में रोजगार के लिए सराहनीय कार्य कर रही है। हमें नौकरी चाहने वाले की बजाय नौकरी देने वाले बनने की जरूरत है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट बोर्ड, ब्लॉकचेन, कंप्यूटिंग उपकरण आदि जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। मुख्य अतिथि ने कोरोना महामारी के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की।

दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. केके अग्रवाल ने कहा कि एक से अधिक विषयों का ज्ञान आवश्यक है। इसमें अंतः विषयी और लाइफ लांग लर्निंग पाठ्यक्रम महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शोध स्थानीय एवं राष्ट्रीय विकास में मदद देने वाला होना चाहिए। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़ में हकेंवि के आठवें दीक्षांत सामरोह की स्मारिका का विमोचन करते राज्यपाल।

स्वर्ण पदक विजेताओं की सूची

विद्यार्थी का नाम	विभाग का नाम
1 देवाशीष पॉल, विद्या निष्णात	(शिक्षा)
2 निशांत गौड़, प्रौद्योगिकी स्नातक	(निर्माणअभियांत्रिकी)
3 रूपेश कुमार गर्ग, प्रौद्योगिकी स्नातक	(कम्प्यूटर विज्ञान अभियांत्रिकी)
4 मोहम्मद शाहबाज खान, प्रौद्योगिकी स्नातक	(विद्युत अभियांत्रिकी)
5 विजया भारती, प्रौद्योगिकी स्नातक	(मुद्रण एवं पैकेजिंग प्रौद्योगिकी)
6 रोहित राज, व्यवसाय स्नातक	(जैव-चिकित्सकीय विज्ञान)
7 कुमारी अपर्णा, व्यवसाय स्नातक	(औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन)
8 ऐश्वर्या जोशी, व्यवसाय स्नातक	(खुदरा एवं रसद प्रबंधन)
9 मोनिका, शिक्षा स्नातक	(बीएड)
10 सूरज गौतम, कला निष्णात	(अर्थशास्त्र)
11 मानशी तंवर, कला निष्णात	(मनोविज्ञान)
12 सुश्री स्निग्धा, दंडपाट	(पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान निष्णात)
13 तनुजा मोहंती, विज्ञान निष्णात	(जैव-रसायनविज्ञान)
14 साक्षी अग्रवाल, विज्ञान निष्णात	(जैव-प्रौद्योगिकी)
15 स्नेहलता, विज्ञान निष्णात	(रसायन विज्ञान)
16 शिवांगी गुसाई, विज्ञान निष्णात	(पर्यावरण विज्ञान)
17 सैयद इर्तिजा मजीद, विज्ञान निष्णात	(भूगोल)
18 शर्मिला, विज्ञान निष्णात	(गणित)
19 मधु यादव, विज्ञान निष्णात	(सूक्ष्मजीव विज्ञान)
20 दीपिका, विज्ञान निष्णात	(पोषण जीवविज्ञान)
21 आयुषी मिगलानी, विज्ञान निष्णात	(भौतिकी)
22 खुशबू शर्मा, विज्ञान निष्णात	(भौतिकी)
23 सलोनी गोयल, विज्ञान निष्णात	(सांख्यिकी)
24 तेजेंद्र, विज्ञान निष्णात	(योग)

24 स्वर्ण पदक सहित 1078 विद्यार्थियों को उपाधियां

हकेवि के आठवें दीक्षांत समारोह में कुल 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 148 तथा बीकॉम में 72 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 825 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 19 शोधार्थियों को पीएचडी एवं 14 को एमफिल की उपाधि प्रदान की गई। 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 604 छात्र और 474 छात्राएं शामिल हैं। 975 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 28-02-2022**

हकेंवि के दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाकर खिले होनहारों के चेहरे

स्वर्ण पदक विजेता विद्यार्थियों ने सफलता का श्रेय मेहनत, शिक्षकों और गुरुजनों को दिया

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में रविवार को आयोजित आठवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की खुशी देखते ही बन रही थी। मेहनत का फल कैसा होता है यह उनके चमकते चेहरों को देखकर सहज ही पता चल रहा था। किसी ने सफलता का श्रेय गुरुजनों को दिया तो किसी ने परिवार के योगदान को महत्त्वपूर्ण बताया। हर किसी की सफलता की कहानी अलग-अलग थी।

साक्षी को बायोटक्नोलॉजी में मिला स्वर्ण

दरभंगा की साक्षी अग्रवाल ने मास्टर ऑफ बायोटेक नोलॉजी में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने अपने विचार साझा करते हुए अपनी इस सफलता का श्रेय शिक्षकों को दिया और कहा कि उनके बताए मार्ग पर चलकर ही उन्हें यह उपलब्धि प्राप्त हुई। साक्षी ने कहा कि वे शिक्षकों की सदैव ऋणी रहेंगी।

भौतिकी में खुशबू और आयुषी को स्वर्ण

भौतिकी की छात्राएं खुशबू और आयुषी ने स्वर्ण पदक दिखाते हुए कहा कि उनकी सफलता का सबसे अहम कारण विश्वविद्यालय में मिला शैक्षणिक माहौल रहा। राजस्थान की रहने वाली इन दोनों बेटियों ने अपनी जैसी अन्य छात्राओं को जीवन में परिश्रम के लिए सतत प्रयास करने की सीख दी।

रोहित राज को बायोमेडिकल में मिला स्वर्ण

बिहार के पटना के रोहित राज ने बायोमेडिकल साइंसेज में स्वर्ण पदक हासिल करने के बाद कहा कि वे विश्वविद्यालय में मिली शिक्षा और साथियों के सहयोग से इस लक्ष्य को भेद पाए। उन्होंने यहां मिले ज्ञान के लिए शिक्षकों को हृदय से आभार जताया।

विजया भारती को प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी में मिला स्वर्ण

झारखंड की विजया भारती ने प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी में अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने कहा कि शुरुआत भले ही संघर्ष के साथ हुई लेकिन सफलता बेहद फलदायी रही। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को दिया।

'संतुलन-दूत' का हुआ मंचन

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति ने की

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने की।

मुख्यातिथि के रूप में पद्मश्री प्रो. एचसी वर्मा उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों और सम्मानित अतिथियों की मौजूदगी में हिंदी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. पंकज कुमार 'सत्यार्थी' द्वारा लिखित एवं निर्देशित काव्य-नाटक 'संतुलन–दूत' का मंचन किया गया। स्त्री-प्रधान नाटक 'संतुलन-दूत' के मुख्य पात्र का अभिनय ईशा सिंह, रजनी ठाकुर, अनमोल रतन तथा अनुज यादव ने किया। प्रस्तुत मंचन में सचिन, नैना, नारायण तथा विश्वविद्यालय के अन्य छात्र–छात्राओं ने अपनी भागीदारी दर्ज की।

सभी कलाकारों ने अपने जीवंत अभिनय से वहां उपस्थित दर्शकों को नाटक के माध्यम से स्त्री विषय पर सोचने को विवश किया। विश्व-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी की स्वीकृति के समर्थन में लिखा गया यह नाटक दर्शकों के भीतर महिला समाज के प्रति जागरूकता पैदा करता है। शोषण के लगभग सभी आयाम पर प्रहार करता यह नाटक अपने मूल में स्त्री-समस्याओं को रेखांकित करते हुए समाज के भीतर चेतना प्रदान करता है जिससे स्त्री-समस्याओं के प्रति गहराई से विचार किया जा सके।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 28-02-2022**

रोजगार चाहने वाले नहीं देने वाले बनें : राज्यपाल

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के आठवें दीक्षांत समारोह का आयोजन रविवार को हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धा सुमन भी अर्पित किए। विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलगीत के साथ हुई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर व स्मारिका का

विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज और देश को डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। उन्होंने कहा कि सरकार कौशल विकास व स्टार्ट अप के क्षेत्र में रोजगार के लिए बहुत खर्च कर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट बोर्ड, ब्लाकचेन, कंप्यूटिंग उपकरण आदि जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। मुख्य अतिथि ने कोरोना महामारी के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को

बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की। दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. केके अग्रवाल ने कहा कि एक से अधिक विषयों का ज्ञान आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शोध स्थानीय एवं राष्ट्रीय विकास में मदद देने वाला होना चाहिए। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में विवि की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का उनकी उपस्थिति के लिए हृदय से आभार प्रकट किया। इस अवसर पर कुलपति ने उपाधि व स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विवि की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति ने बताया कि महामारी की विभिन्न चुनौतियों एवं बाधाओं के बावजूद विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के अपने उद्देश्य को दृढ़ रखा। विश्वविद्यालय की शोध उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि विवि आने वाले वर्षों में अपने अनुसंधान एवं नवाचार कार्यों में अग्रणी स्थिति में होगा। दीक्षांत समारोह में विवि की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विवि की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विवि की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डा. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि के आठवें दीक्षांत समारोह की स्मारिका का विमोचन करते हुए राज्यपाल ● सा संस्था

हकेवि के आठवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक देते हुए राज्यपाल ● साभार संस्था

24 स्वर्ण सहित 1078 विद्यार्थियों को उपाधियां

हकेवि के आठवें दीक्षांत समारोह में कुल 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 148 तथा बीवाक में 72 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 825 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 19 शोधार्थियों को पीएचडी एवं 14 को एमफिल की उपाधि प्रदान की गई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: The Tribune **Date: 28-02-2022**

हकेंवि का आठवां दीक्षांत समारोह

'नौकरी चाहने वाले नहीं देने वाले बनें छात्र'

महेंद्रगढ़ में रविवार को दीक्षांत समारोह एक छात्रा को स्वर्ण पदक प्रदान करते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय। -निस

महेन्द्रगढ़, 27 फरवरी (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) का आठवां दीक्षांत समारोह रविवार को हुआ। मुख्य अतिथि राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल शामिल हुए। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे।

दीक्षांत समारोह में 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को संबोधित किया और कहा कि समाज और देश को डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। उन्होंने कहा कि हमें नौकरी चाहने की बजाय नौकरी देने वाले बनने की जरूरत है। आज आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट बोर्ड, ब्लॉकचेन, कंप्यूटिंग उपकरण आदि जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं।

प्रो. केके अग्रवाल ने कहा कि एक से अधिक विषयों का ज्ञान आवश्यक है। शोध स्थानीय एवं राष्ट्रीय विकास में मदद देने वाला होना चाहिए। इस अवसर पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर मौजूद थे।

दैनिक ट्रिब्यून Mon, 28 February 2022 https://epaper.dainiktribu

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 28-02-2022**

केंद्रीय विवि के दीक्षांत समारोह

स्वर्ण पदक विजेताओं को किया सम्मानित

- राज्यपाल दत्तात्रेय एवं कुलपति टंकेश्वर ने सम्मान बढ़ाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

केंद्रीय विश्वविद्यालय जांट-पाली के आठवें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने स्वर्ण पदक विजेताओं को भी सम्मानित किया, जिनमें देवाशीष पॉल विद्या निष्णात (शिक्षा), निशांत गौड़ प्रौद्योगिकी स्नातक (निर्माण अभियांत्रिकी), रूपेश गर्ग प्रौद्योगिकी स्नातक (कंप्यूटर विज्ञान अभियांत्रिकी), मोहम्मद शाहबाज खान प्रौद्योगिकी स्नातक (विद्युत अभियांत्रिकी), विजया भारत प्रौद्योगिकी स्नातक (मुद्रण एवं पैकेजिंग प्रौद्योगिकी), रोहित राज व्यवसाय स्नातक (जैव-चिकित्सकीय विज्ञान), अपर्णा व्यवसाय स्नातक (औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन), ऐश्वर्या जोशी व्यवसाय स्नातक (खुदरा एवं रसद प्रबंधन), मोनिका शिक्षा स्नातक (बीएड), सूरज गौतम कला निष्णात (अर्थशास्त्र), मानशी तंवर कला निष्णात (मनोविज्ञान), सुश्री स्निग्धा दंडपाट पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान निष्णात, तनुजा मोहंती विज्ञान निष्णात (जैव-रसायन विज्ञान), साक्षी अग्रवाल विज्ञान निष्णात (जैव-प्रौद्योगिकी), स्नेहलता विज्ञान निष्णात (रसायन विज्ञान), शिवांगी गुसाईं विज्ञान निष्णात (पर्यावरण विज्ञान), सैयद इर्तिजा मजीद विज्ञान निष्णात (भूगोल), शर्मिला विज्ञान निष्णात (गणित), मधु यादव विज्ञान निष्णात (सूक्ष्म जीव विज्ञान), दीपिका विज्ञान निष्णात (पोषण जीवविज्ञान), आयुषी मिगलानी विज्ञान निष्णात (भौतिकी), खुशबू शर्मा विज्ञान निष्णात (भौतिकी), सलोनी गोयल विज्ञान निष्णात (सांख्यिकी) एवं तेजेंद्र विज्ञान निष्णात (योग) शामिल हैं।

इन सभी को राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय एवं कुलपति टंकेश्वर समेत अन्य अतिथियों ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

महेंद्रगढ़। दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक से सम्मानित करते राज्यपाल। फोटो: हरिभूमि

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 28-02-2022**

हकेंवि का 8वां दीक्षांत समारोह

रोजगार चाहने वाले नहीं देने वाले बनें: राज्यपाल

महेंद्रगढ़, 27 फरवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के 8वें दीक्षांत समारोह का आयोजन रविवार को हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. के.के. अग्रवाल दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धासुमन भी अर्पित किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय का न्यूज लैटर व स्मारिका का विमोचन भी किया गया। मुख्यातिथि ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज और देश को डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। हमें समाज और राष्ट्र के लिए योगदान देने के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। सरकार कौशल विकास व स्टार्ट अप के क्षेत्र में रोजगार हेतु बहुत खर्च कर रही है। हमें नौकरी चाहने वाले की बजाय नौकरी देने वाले बनने की जरूरत है।

हकेंवि के 8वें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्रदान करते राज्यपाल, (दाएं) सामरोह की स्मारिका का विमोचन करते राज्यपाल व अन्य।

विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में अनुसंधान एवं नवाचार कार्यों में अग्रणी स्थिति में होगा: प्रो. टंकेश्वर कुमार

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और मुख्यातिथि व विशिष्ट अतिथि का उनकी उपस्थिति के लिए हृदय से आभार प्रकट किया। कुलपति ने उपाधि व स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही कुलपति ने उनके माता-पिता व शिक्षकों की भी सराहना की, जिन्होंने विद्यार्थियों की आकांक्षाओं को साकार करने में मदद की। विश्वविद्यालय की शोध उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में अपने अनुसंधान एवं नवाचार कार्यों में अग्रणी स्थिति में होगा। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डा. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

24 स्वर्ण पदक सहित 1078 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

हकेंवि के 8वें दीक्षांत समारोह में कुल 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टैक में 148 तथा बी.वॉक में 72 तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 825 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 19 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं 14 को एम.फिल की उपाधि प्रदान की गई। 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 604 छात्र और 474 छात्राएं शामिल हैं। 975 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस, स्मार्ट बोर्ड, ब्लॉकचेन, कंप्यूटिंग उपकरण आदि जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की। दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. के.के. अग्रवाल ने कहा कि एक से अधिक विषयों का ज्ञान आवश्यक है। इसमें अंत:विषयी और लाइफ लांग लर्निंग पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शोध स्थानीय एवं राष्ट्रीय विकास में मदद देने वाला होना चाहिए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Rashtriya Khabar **Date: 28-02-2022**

रोजगार चाहने वाले नहीं देने वाले बनें : राज्यपाल

हकेवि के आठवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के आठवें दीक्षांत समारोह का आयोजन रविवार को हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. के.के. अग्रवाल दीक्षांत समारोह में शामिल हुए।

दीक्षांत समारोह में हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धासुमन भी अर्पित किए। विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलगीत के साथ हुई। विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर व

स्मारिका का विमोचन भी किया गया। मुख्य अतिथि राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज और देश को डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। हमें समाज और राष्ट्र के लिए योगदान देने के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार कौशल विकास व स्टार्टअप्स के क्षेत्र में रोजगार हेतु बहुत खर्च कर रही है। हमें नौकरी चाहने वाले की बजाय नौकरी देने वाले बनने की जरूरत है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट बोर्ड, ब्लॉकचेन, कंप्यूटिंग उपकरण आदि जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र

24 स्वर्ण पदक सहित 1078 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

हकेवि के आठवें दीक्षांत समारोह में कुल 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टेक. में 148 तथा बी.वॉक. में 72 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 825 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 19 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं 14 को एम.फिल. की उपाधि प्रदान की गई। 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 604 छात्र और 474 छात्राएं शामिल हैं। 975 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं।

में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। मुख्य अतिथि ने कोरोना महामारी के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की। दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. के.के. अग्रवाल ने कहा कि एक से अधिक विषयों का ज्ञान आवश्यक है। इसमें अंतःविषयी और लाइफ लांग लर्निंग पाठ्यक्रम महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शोध स्थानीय एवं राष्ट्रीय विकास में मदद देने वाला होना चाहिए। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का उनकी उपस्थिति के लिए हृदय से आभार प्रकट किया। इस अवसर पर कुलपति ने उपाधि व स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही कुलपति ने उनके माता-पिता व शिक्षकों की भी सराहना की, जिन्होंने विद्यार्थियों की आकांक्षाओं को साकार करने में मदद की।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति ने बताया कि महामारी की विभिन्न चुनौतियों एवं बाधाओं के बावजूद विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के अपने उद्देश्य को दृढ़ रखा। विश्वविद्यालय की शोध उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में अपने अनुसंधान एवं नवाचार कार्यों में अग्रणी स्थिति में होगा। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Rashtriya Sahara   Date: 28-02-2022

रोजगार चाहने वाले नहीं देने वाले बनें : दत्तात्रेय

नारनौल/महेंद्रगढ़ (एसएनबी)। राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय ने कहा कि समाज और देश को डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। हमें समाज और राष्ट्र में योगदान देने के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार कौशल विकास व स्टार्टअप के क्षेत्र में रोजगार हेतु बहुत खर्च कर रही है। हमें नौकरी चाहने वाले की बजाय नौकरी देने वाले बनने की जरूरत है। यह उद्गार रविवार को राज्यपाल ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ के आठवें दीक्षांत समारोह के आयोजन अवसर पर व्यक्त किए।

कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धासुमन भी अर्पित किए। दीक्षांत समारोह की शुरुआत कुलगीत के साथ हुई। इस अवसर पर विवि का न्यूज लेटर व स्मारिका का विमोचन भी किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने पीएम मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है।

हकेवि के आठवें दीक्षांत समारोह में कई विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक समेत अन्य को मिली उपाधि

प्रो. केके अग्रवाल ने कहा कि एक से अधिक विषयों का ज्ञान आवश्यक है। इसमें अंतःविषयी और लाइफ लांग लर्निंग पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शोध स्थानीय एवं राष्ट्रीय विकास में मदद देने वाला होना चाहिए। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में विवि की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का उनकी उपस्थिति के लिए हृदय से आभार प्रकट किया। इस अवसर पर कुलपति ने उपाधि व स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर 24 स्वर्ण पदक सहित 1078 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 28-02-2022**

शहीद चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित

रोजगार चाहने वाले नहीं देने वाले बनें : राज्यपाल

- हकेंवि के आठवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय
- 24 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 19 को पीएचडी, 14 को एमफिल और 1045 विद्यार्थियों को मिली स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज और देश को डिग्री प्राप्त करने वाले इन विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। हमें नौकरी चाहने वाले की बजाय नौकरी देने वाले बनने की जरूरत है। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव एवं पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धासुमन भी अर्पित किए। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर व स्मारिका का विमोचन भी किया गया। राज्यपाल ने आगे कहा कि हमें समाज और राष्ट्र के लिए योगदान देने के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार कौशल विकास व स्टार्ट अपस के क्षेत्र में रोजगार हेतु बहुत खर्च कर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है। मुख्य अतिथि ने कोरोना महामारी के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कायार्ं के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर व उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की। विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल ने कहा कि एक से अधिक विषयों का ज्ञान आवश्यक है। इसमें अंतःविषयी और लाइफ लांग लर्निंग पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शोध स्थानीय एवं राष्ट्रीय विकास में मदद देने वाला होना चाहिए। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा सभी आगंतुकों का स्वागत किया। उन्होंने उपाधि व स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति ने बताया कि महामारी की विभिन्न चुनौतियों एवं बाधाओं के बावजूद विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के अपने उद्देश्य को दृढ़ रखा। समारोह में कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। केंद्रीय विवि में विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर व स्मारिका का विमोचन करते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय एवं अतिथिगण। फोटो : हरिभूमि

24 स्वर्ण पदक सहित 1078 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

हकेंवि के आठवें दीक्षांत समारोह में कुल 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 148 तथा बीवॉक में 72 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 825 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 19 शोधार्थियों को पीएचडी एवं 14 को एमफिल की उपाधि प्रदान की गई। 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 604 छात्र और 474 छात्राएं शामिल हैं। 975 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Jagat Kranti **Date: 28-02-2022**

आह्वान हकेंवि के 8वें दीक्षांत समारोह में शामिल होने पहुंचे राज्यपाल दत्तात्रेय

रोजगार चाहने वाले नहीं देने वाले बनें : राज्यपाल

जगत क्रान्ति ►► ईश्वर तिवारी

महेन्द्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के आठवें दीक्षांत समारोह का आयोजन रविवार को हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धासुमन भी अर्पित किए। विश्वविद्यालय में आयोजित इस

दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलगीत के साथ हुई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर व स्मारिका का विमोचन भी किया गया। राज्यपाल ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज और देश को डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। हमें समाज और राष्ट्र के लिए योगदान देने के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार कौशल विकास व स्टार्ट अपस के क्षेत्र में रोजगार हेतु बहुत खर्च कर रही है।

उन्होंने कहा कि हमें नौकरी चाहने की बजाय नौकरी देने वाले बनने की जरूरत है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है।

उन्होंने कहा कि आज आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट बोर्ड, ब्लॉकचेन, कंप्यूटिंग उपकरण आदि जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। हकेवि के आठवें दीक्षांत समारोह में कुल 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियाँ व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 604 छात्र और 474 छात्राएं शामिल हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Jagmarg **Date: 28-02-2022**

रोजगार चाहने वाले नहीं देने वाले बनें : राज्यपाल

➡ 24 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 19 को पीएचडी, 14 को एमफिल और 1045 विद्यार्थियों को मिली स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि

जगमार्ग न्यूज

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के आठवें दीक्षांत समारोह का आयोजन रविवार 27 फरवरी को हुआ।

इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल माननीय बंडारू दत्तात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. के के अग्रवाल दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धासुमन भी अर्पित किए।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलगीत के साथ हुई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर व स्मारिका का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल माननीय बंडारू दत्तात्रेय ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज और देश को डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। हमें समाज और राष्ट्र के लिए योगदान देने के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार कौशल विकास व स्टार्ट अपस के क्षेत्र में रोजगार हेतु बहुत खर्च कर रही है। हमें नौकरी चाहने वाले की बजाय नौकरी देने वाले बनने की जरूरत है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट बोर्ड, ब्लॉकचेन, कंप्यूटिंग उपकरण आदि जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। मुख्य अतिथि ने कोरोना महामारी के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की।

रोजगार चाहने वाले नहीं देने वाले बनें : दत्तात्रेय

नारनौल/महेंद्रगढ़ (एसएनबी)। राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय ने कहा कि समाज और देश को डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। हमें समाज और राष्ट्र में योगदान देने के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार कौशल विकास व स्टार्टअप के क्षेत्र में रोजगार हेतु बहुत खर्च कर रही है। हमें नौकरी चाहने वाले की बजाय नौकरी देने वाले बनने की जरूरत है। यह उद्गार रविवार को राज्यपाल ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ के आठवें दीक्षांत समारोह के आयोजन अवसर पर व्यक्त किए।

कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धासुमन भी अर्पित किए। दीक्षांत समारोह की शुरुआत कुलगीत के साथ हुई। इस अवसर पर विवि का न्यूज लेटर व स्मारिका का विमोचन भी किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने पीएम मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान

हकेवि के आठवें दीक्षांत समारोह में कई विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक समेत अन्य को मिली उपाधि

का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है।

प्रो. केके अग्रवाल ने कहा कि एक से अधिक विषयों का ज्ञान आवश्यक है। इसमें अंतःविषयी और लाइफ लांग लर्निंग पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शोध स्थानीय एवं राष्ट्रीय विकास में मदद देने वाला होना चाहिए। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में विवि की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का उनकी उपस्थिति के लिए हृदय से आभार प्रकट किया। इस अवसर पर कुलपति ने उपाधि व स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर 24 स्वर्ण पदक सहित 1078 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां।

हकेंवि का 8वां दीक्षांत समारोह

रोजगार चाहने वाले नहीं देने वाले बनें: राज्यपाल

महेंद्रगढ़, 27 फरवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के 8वें दीक्षांत समारोह का आयोजन रविवार को हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. के.के. अग्रवाल दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धासुमन भी अर्पित किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय का न्यूज लैटर व स्मारिका का विमोचन भी किया गया। मुख्यातिथि ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज और देश को डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। हमें समाज और राष्ट्र के लिए योगदान देने के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। सरकार कौशल विकास व स्टार्ट अप के क्षेत्र में रोजगार हेतु बहुत खर्च कर रही है। हमें नौकरी चाहने वाले की बजाय नौकरी देने वाले बनने की जरूरत है।

हकेंवि के 8वें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्रदान करते राज्यपाल, (दाएं) सामरोह की स्मारिका का विमोचन करते राज्यपाल व अन्य।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस, स्मार्ट बोर्ड, ब्लॉकचेन, कंप्यूटिंग उपकरण आदि जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की। दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. के.के. अग्रवाल ने कहा कि एक से अधिक विषयों का ज्ञान आवश्यक है। इसमें अंत:विषयी और लाइफ लांग लर्निंग पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शोध स्थानीय एवं राष्ट्रीय विकास में मदद देने वाला होना चाहिए।

विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में अनुसंधान एवं नवाचार कार्यों में अग्रणी स्थिति में होगा: प्रो. टंकेश्वर कुमार

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और मुख्यातिथि व विशिष्ट अतिथि का उनकी उपस्थिति के लिए हृदय से आभार प्रकट किया। कुलपति ने उपाधि व स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही कुलपति ने उनके माता-पिता व शिक्षकों की भी सराहना की, जिन्होंने विद्यार्थियों की आकांक्षाओं को साकार करने में मदद की। विश्वविद्यालय की शोध उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में अपने अनुसंधान एवं नवाचार कार्यों में अग्रणी स्थिति में होगा। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डा. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

24 स्वर्ण पदक सहित 1078 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

हकेंवि के 8वें दीक्षांत समारोह में कुल 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टैक में 148 तथा बी.वॉक में 72 तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 825 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 19 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं 14 को एम.फिल की उपाधि प्रदान की गई। 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 604 छात्र और 474 छात्राएं शामिल हैं। 975 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं।

रोजगार चाहने वाले नहीं देने वाले बनें : राज्यपाल

हकेवि के आठवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के आठवें दीक्षांत समारोह का आयोजन रविवार को हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. के.के. अग्रवाल दीक्षांत समारोह में शामिल हुए।

दीक्षांत समारोह में हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धासुमन भी अर्पित किए। विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलगीत के साथ हुई। विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर व

स्मारिका का विमोचन भी किया गया। मुख्य अतिथि राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज और देश को डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। हमें समाज और राष्ट्र के लिए योगदान देने के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार कौशल विकास व स्टार्टअप्स के क्षेत्र में रोजगार हेतु बहुत खर्च कर रही है। हमें नौकरी चाहने वाले की बजाय नौकरी देने वाले बनने की जरूरत है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट बोर्ड, ब्लॉकचेन, कंप्यूटिंग उपकरण आदि जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र

24 स्वर्ण पदक सहित 1078 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

हकेवि के आठवें दीक्षांत समारोह में कुल 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टेक. में 148 तथा बी.वॉक. में 72 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 825 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 19 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं 14 को एम.फिल. की उपाधि प्रदान की गई। 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 604 छात्र और 474 छात्राएं शामिल हैं। 975 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उतीर्ण हुए हैं।

में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। मुख्य अतिथि ने कोरोना महामारी के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की। दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. के.के. अग्रवाल ने कहा कि एक से अधिक विषयों का ज्ञान आवश्यक है। इसमें अंतःविषयी और लाइफ लांग लर्निंग पाठ्यक्रम महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शोध स्थानीय एवं राष्ट्रीय विकास में मदद देने वाला होना चाहिए। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का उनकी उपस्थिति के लिए ह्रदय से आभार प्रकट किया। इस अवसर पर कुलपति ने उपाधि व स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही कुलपति ने उनके माता-पिता व शिक्षकों की भी सराहना की, जिन्होंने विद्यार्थियों की आकांक्षाओं को साकार करने में मदद की।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति ने बताया कि महामारी की विभिन्न चुनौतियों एवं बाधाओं के बावजूद विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के अपने उद्देश्य को दृढ़ रखा। विश्वविद्यालय की शोध उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में अपने अनुसंधान एवं नवाचार कार्यों में अग्रणी स्थिति में होगा। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।